2 फरीदाबाद
अनुशासन में रहकर एहतियात के साथ जीत सकते कोरोना की जंग : शर्मा

6 अभिमत
संकट में फंसे शी जिनपिंग

8 देश/विदेश
ट्रंप ने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को प्रतिबद्धता जताने से किया इनकार

11 स्पोर्ट्स
आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डीन जोन्स का मुंबई में निधन

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 226
फरीदाबाद, शुक्रवार, 25 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए
YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

भूमि पेडनेकर ने की अपनी फिल्म की 'स्पेशल सिस्टर स्क्रीनिंग'

फिल्मी -10

कोरोना मीटर

विश्व

कुल	31,944,038
मौतें	977,881
ठीक	22,015,638

भारत

कुल	57,76,795
मौतें	91,538
ठीक	47,11,504

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 37.01°C
न्यूनतम 27.02°C

क्विक न्यूज

आईपीएल : किंग्स इलेवन के तीन विकेट पर 206 रन

दुबई। किंग्स इलेवन पंजाब ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में गुरुवार को तीन विकेट पर 206 रन बनाए। किंग्स इलेवन की तरफ से कप्तान के एल राहुल ने नाबाद 132 रन बनाए।

● विस्तृत खबर पेज-11

पाकिस्तान सेना ने एलओसी के पास की गोलीबारी

जम्मू। पाकिस्तानी सेना ने बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम इलाके में भारी गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागे। शाम पौने छह बजे पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी उकसावे के नौशेरा सेक्टर में एलओसी के पास छोटे हथियारों से गोलीबारी और मोर्टार से गोले दागकर संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन किया। भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। पाक सेना ने इस महीने 38 बार संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन किया।

भड़काऊ भाषण का आरोपी बनाना प्रतिशोध प्रेरित कदम

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और कई अन्य विपक्षी नेताओं पर संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को दावा किया कि यह भाजपा सरकार की द्वेषपूर्ण और प्रतिशोध से प्रेरित कार्रवाई है।

श्रीलंकाई पीएम से 26 को शिखर वार्ता करेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने श्रीलंकाई समकक्ष महिन्दा राजपक्षे से 26 सितंबर को डिजिटल माध्यम से शिखर वार्ता करेंगे, जिसमें दोनों नेता समय की कसौटी पर खरे उतरे द्विपक्षीय संबंधों के विविध आयामों की व्यापक समीक्षा करेंगे और आपसी हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग को और गहरा बनाने को लेकर चर्चा करेंगे।

सिविल सेवा परीक्षा स्थगित करने की मांग, केंद्र-यूपीएससी को नोटिस

एजेंसी। नई दिल्ली

इस साल होने वाली सिविल सेवा परीक्षा को स्थगित करने के लिए डाली गई एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की। अदालत ने इसे लेकर केंद्र और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई की अगली तारीख 28 सितंबर तय की गई है।

जस्टिस एएम खानविलकर और संजीव खन्ना की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए यूपीएससी और केंद्र को यह

नोटिस जारी किया और मामले की सुनवाई की अगली तारीख 28 सितंबर तय की। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि बाढ़, बारिश को कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए सिविल सेवा परीक्षा को दो से तीन महीने के लिए टाला जाए। यह याचिका 20 यूपीएससी अभ्यर्थियों ने अधिवक्ता अलख आलोक श्रीवास्तव के माध्यम से दायर की है। याचिका के अनुसार सात घंटे लंबी इस ऑफलाइन परीक्षा में देशभर के करीब सात लाख अभ्यर्थी भाग लेंगे। इस परीक्षा के लिए देशभर में कम से कम 72 केंद्र बनाए गए हैं। याचिका में कहा गया है कि सिविल सेवाओं में भर्ती के लिए आयोजित होने वाली यह परीक्षा शैक्षणिक परीक्षा से अलग है। अगर इसे कुछ समय के लिए स्थगित किया जाता है, तो इससे किसी प्रकार के शैक्षणिक सत्र में विलंब होने जैसा सवाल नहीं उठता है।

चार अक्टूबर को आयोजित होनी है परीक्षा

यूपीएससी ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2020 के लिए एडमिट कार्ड पहले ही जारी कर दिए हैं। कोविड-19 के कारण यूपीएससी ने पहले जून में होने वाली सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का शेड्यूल भी बदला था। नए शेड्यूल के अनुसार यह परीक्षा चार अक्टूबर 2020 को आयोजित की जाएगी। यूपीएससी अभ्यर्थी इसे लेकर कह रहे हैं कि यह कोई अकादमिक परीक्षा नहीं बल्कि भर्ती परीक्षा है, इसे रोका जा सकता है। अभी तक जेईई और नीट परीक्षा के आयोजन को स्थगित करने की मांग की जा रही थी। हालांकि, ये परीक्षाएं स्थगित नहीं हुईं। ऐसे में सिविल सेवा परीक्षा के भी स्थगित होने के आसार कम ही हैं।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

छेड़खानी और यौन अपराधियों के शहरों में लगेंगे पोस्टर

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा आदेश जारी किया है। अब अगर कोई महिलाओं से छेड़खानी, दुर्व्यवहार या यौन अपराध करता है, तो उसके पोस्टर शहरों में चौराहों पर लगाए जाएंगे। बता दें कि ये काम उसी तर्ज पर किया जाएगा जैसे नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले आरोपियों के पोस्टर शहरों के प्रमुख चौराहों पर लगाए गए थे।

इस आदेश के तहत अब महिलाओं से दुर्व्यवहार करने वालों को महिला पुलिसकर्मियों से ही दंडित कराया जाएगा। सरकार का कहना है कि ऐसा कदम इसलिए उठाया जा रहा है, जिससे कि महिलाओं व बच्चियों से दुर्व्यवहार करने वालों को पूरा समाज जान सके। सरकार का मकसद है कि दुराचियों के नाम व पहचान उजागर की जाए। सरकार का दावा है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए एंटी रोमियो स्क्वायड ने बेहतरीन काम किया है।

सार्क बैठक में पाकिस्तान की करतूत का फिर पर्दाफाश

सीमा पार आतंकवाद देश के लिए बड़ी चुनौती

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना के कहर के बीच गुरुवार को दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) देशों के विदेश मंत्रियों बैठक हुई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी शामिल हुए। इस बैठक में कोरोना महामारी से निपटने के लिए सार्क फंड के गठन पर भी बात हुई। बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट कर कहा कि गुरुवार को सार्क विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी की पहली नीति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता सभी पड़ोसी देशों से जुड़ाव, एकीकृत, सुरक्षित और समृद्ध दक्षिण एशिया के निर्माण की दिशा में काम करने की है।

विदेश मंत्री ने बताया कि भारत ने सार्क देशों के अपने पड़ोसियों की हर मुश्किल वक्त में मदद की है। उन्होंने बताया कि भारत अपने सार्क पड़ोसियों की मदद पर जोर दे रहा है। भारत ने मालदीव को 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर, भूटान को 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर और श्रीलंका को साल 2020 के दौरान 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मदद दी है। विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में एस जयशंकर ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद, संपर्क को अवरुद्ध करना और व्यापार को बाधित करना तीन प्रमुख वैश्विक चुनौतियां हैं जिन्हें दूर करने के लिए दक्षेस देशों को कड़े कदम उठाने होंगे। हम दक्षिण एशिया क्षेत्र में स्थाई शांति, समृद्धि और सुरक्षा को तभी देख पाएंगे जब ऐसी चुनौतियां खत्म हो जाएंगी।

सार्क देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के लोग शामिल हुए, लेकिन इस दौरान बैकग्राउंड में पाकिस्तान ने कोई नक्शा नहीं लगाया था। दरअसल, पिछली बार पाकिस्तान ने बैठक में एक काल्पनिक नक्शा पेश किया था और उसमें भारत की जमीन को भी अपना बताया था। पाकिस्तान के इस नक्शे के बाद एनएसए डोभाल ने काफी सख्ती दिखाई थी और पड़ोसी देश के इस काल्पनिक नक्शे का विरोध करते हुए मीटिंग छोड़कर चले गए थे।

सीआईसीए बैठक में भी पाक को लताड़

नई दिल्ली। एशिया में वार्ता एवं विश्वास निर्माण उपायों पर सम्मेलन (सीआईसीए) में मंत्रियों की विशेष बैठक के दौरान भारत ने भारत ने राइट टू रिप्लाई के तहत पाकिस्तान को निशाने पर लिया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के बारे में भ्रांतियां फैलाना जारी रखकर एक और मंच का दुरुपयोग किया है। भारत ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न हिस्से हैं और रहेंगे। पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक बैठक में भारत ने कहा कि पाकिस्तान की आज की टिप्पणी भारत के आंतरिक मामलों, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता में हस्तक्षेप है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की यह हरकत सितंबर 1999 में सीआईसीए के सदस्य देशों के बीच तय की गईं प्रमुख मार्गदर्शन संबंधों पर घोषणाओं के अनुरूप नहीं है।

कोरोना के चलते राज्य में हुक्के पर पाबंदी

चंडीगढ़। तंबाकू और हुक्के के चलते युवाओं का जीवन बर्बाद होने की दलील देते हुए इस पर हरियाणा में पूरी तरह से पाबंदी लगाने की अपील से जुड़ी याचिका पर हरियाणा सरकार ने बताया कि कोरोना के चलते प्रदेश में हुक्का पर पूर्ण प्रतिबंध है। यदि इस बारे में कोई शिकायत आएगी तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

पंचकूला निवासी विजय बंसल ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करते हुए बताया कि प्रदेश में रेस्टोरेंट, बार और विभिन्न स्थानों पर युवाओं को हुक्का परोसा जा रहा है। इसमें पानी के फिल्टर का प्रयोग होता और इसे पीकर युवा बर्बाद हो रहे हैं। पंजाब और महाराष्ट्र और पंजाब जैसे राज्य हुक्का और हुक्का बार को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर चुके हैं, लेकिन इस दिशा में हरियाणा सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश के बाद खाना पूर्ति करते हुए हुक्का बार पर कार्रवाई के लिए टास्क फोर्स का गठन किया था, लेकिन यह सिर्फ दिखावे के लिए है। याची ने जब आरटीआई से जानकारी मांगी कि अब तक हुक्का बार पर लगाम लगाने के लिए क्या कार्रवाई की गई है, तो इसकी जानकारी तक देने से इनकार कर दिया गया।

हाईकोर्ट की बीएमसी को फटकार 'आप तो बहुत तेज हैं, आपको समय क्यों चाहिए'

कंगना मामला

एजेंसी। मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को बीएमसी के खिलाफ लगाई कंगना रनौत की अर्जी पर सुनवाई की। अभिनेत्री ने यह याचिका ऑफिस मणिकर्णिका फिल्म्स में तोड़फोड़ के खिलाफ लगाई थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि तोड़ी गई प्रॉपर्टी को यूं ही नहीं छोड़ा जा सकता। इस पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान बेंच ने बीएमसी पर तंज कसा कि आप तो बहुत तेज हैं, फिर आपको और समय क्यों चाहिए।

केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस एसजे काठवल्ला और जस्टिस आरआई छागला की बेंच ने कहा कि मानसून में आप लोगों (बीएमसी) ने कार्रवाई की। ऐसे में और ज्यादा दिन सुनवाई नहीं टाल सकते। जब कार्रवाई करने की बात थी तो आपने बहुत तेजी दिखाई। जब जवाब देने की बात आई तो सुस्ती दिखाई जा रही है। किसी का घर तोड़ दिया गया है। हम बरसात के मौसम में उस ढांचे को इस तरह से रहने नहीं दे सकते। याचिकाकर्ता के वकील शुक्रवार से यानी 25 सितंबर से इस केस पर अपना पक्ष रख सकते हैं। इसके बाद बेंच ने बीएमसी के अधिकारी और संजय राउत को अगले मंगलवार यानी 29 सितंबर तक अपना पक्ष लेकर कोर्ट में हाजिर होने कहा। संजय राउत की ओर से उनके वकील प्रदीप थोरात मौजूद थे।

कंगना ने ट्वीट किया, 'माननीय हाईकोर्ट, मेरी आंखों में आंसू आ गए। मुंबई की बरसात में मेरा घर गिर रहा है। आपने मेरे टूटे हुए घर के बारे में इतना सोचा, यह मेरे लिए बहुत है। मेरे घावों पर मरहम लगाने के लिए धन्यवाद। मुझे वह सब वापस मिल गया, जो मैंने खोया था।'

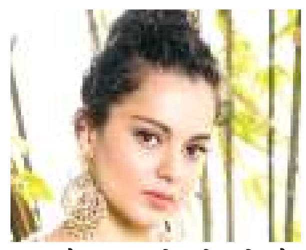

शुक्रवार को भी होगी मामले में सुनवाई

राउत को 29 सितंबर तक कोर्ट में अपना पक्ष रखने को कहा

ड्रग पैडलर से हो रहे हैं खुलासे

बॉलीवुड में ड्रग्स केस में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। ड्रग पैडलर करमजीत से पूछताछ में एनसीबी को बॉलीवुड के ड्रग्स कनेक्शन के कई बड़े क्लू मिले हैं। एनसीबी सूत्रों ने बताया कि करमजीत ने पूछताछ में दावा किया है कि उसने एक एक्ट्रेस के नाम पर 4 बार अलग-अलग जगहों पर ड्रग्स की सप्लाई की। चारों बार कार में ड्रग्स का पैकेट पहुंचाया गया। हालांकि, यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई है कि कार में ड्रग्स का पैकेट किसने रिसीव किया था या उनसे जुड़े किसी और कर्मचारी ने पैकेट लिया था। एनसीबी 26 सितंबर को पूछताछ करेगी। बुधवार को उनके घर जाकर एनसीबी के लोगों ने उन्हें समन दिया है। मामले की जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) रिया और शोविक चक्रवर्ती समेत 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनसे पूछताछ के बाद करीब 50 से ज्यादा बॉलीवुड, टीवी और फैशन की दुनिया से जुड़े लोग एनसीबी की रडार पर हैं।

डॉक्टर पति ने सुसाइड किया, पत्नी बेटियों संग वाटर टैंक में कूदी

रोहतक। एक डॉक्टर ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इसका पता जैसे ही पत्नी को चला, वह दो बेटियों को लेकर वाटर टैंक में कूद गई। इसमें पत्नी और छोटी बच्ची की मौत हो गई, जबकि बड़ी बेटी बच गई। वह तैरकर टैंक से बाहर निकल आई। पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर प्रमोद सहारण रोहतक की हेल्थ यूनिवर्सिटी के नर्सिंग कॉलेज में प्रोफेसर थे। उन्होंने बुधवार शाम को 6 बजे कन्हेली गांव के पास जहर खा लिया था। शव उनकी कार से कुछ दूर पड़ा मिला।

डॉक्टर की जेब से जहर के 5 पाउच भी मिले। प्रमोद के सुसाइड की खबर जैसे ही पत्नी मीनाक्षी को मिली तो वह दो बेटियों को स्कूटी पर बैठाकर घर से चली गई। सोनीपत सेक्टर-2 के वाटर टैंक (जलघर) में दो बेटियों के साथ छलांग लगा दी। छोटी बेटी और मीनाक्षी की डूबने से मौत हो गई। बड़ी बेटी बच गई, वो तैरकर टैंक से बाहर आ गई। डॉक्टर की पत्नी और बेटी का शव गुरुवार सुबह वाटर टैंक से निकाला गया। डॉक्टर प्रमोद मूलरूप से राजस्थान के राजगढ़ जिले के रहने वाले थे। उनकी शादी चरखीदादरी की मीनाक्षी सांगवान से हो रखी थी। मीनाक्षी सरकारी स्कूल में बायोलॉजी की लेक्चरर हैं।

एक ने तैरकर बचाई जान

वकीलों ने 20 लाख रुपये तक के ऋण माफ करने को याचिका दायर की

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने वकीलों के लिए 20 लाख रुपये का ऋण और महामारी के मद्देनजर ब्याज माफ करने के लिए याचिका दायर करने वाली वकीलों की एक संस्था से बृहस्पतिवार को उसका परिचय मांगा।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट आर्गुइंग काउंसिल एसोसिएशन की ओर से पेश वकील वरिंदर कुमार शर्मा से इस संगठन, इसके सदस्यों और इसके पदाधिकारियों के चुनाव आदि के बारे में सवाल किए। पीठ ने कहा कि हम आपकी मंशा पर सवाल नहीं कर रहे हैं, लेकिन हम इस एसोसिएशन के बारे में जानना चाहते हैं। आप एक हलफनामा दाखिल करें, जिसमें प्रत्येक विवरण हो। इसके बाद हम इस पर गौर करेंगे।

शर्मा ने कहा कि वह इस बारे में एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल कर देंगे। एसोसिएशन ने अपील याचिका में कहा है कि शीर्ष अदालत में 10 साल से ज्यादा समय से वकालत करने वाले वकील उसके सदस्य हैं और वास्तव में तमाम मुकदमों की फाइलें इन्हीं के पास होती हैं। याचिका में कहा गया है, ये (सदस्य) देश के दूसरे हिस्सों से यहां आए और उन्होंने मकान और कार्यालय खरीदने के बाद अपनी वकालत शुरू की है। इन्होंने अपने कार्यालय और घरों के लिए कर्ज लिए हैं। मौजूदा महामारी की वजह से पिछले छह महीने से अदालतों का सामान्य कामकाज निलंबित है और निकट भविष्य में सुचारू रूप से इसके शुरू होने की उम्मीद नहीं है। इस वजह से एसोसिएशन के सदस्य वकील अपने कार्यालय और आवास के ऋण की किस्त अदा करने की स्थिति में नहीं हैं।

जूनियर से रेप के आरोपी वकील को जमानत पर शीर्ष अदालत चकित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जूनियर से बलात्कार के आरोपी उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व अधिवक्ता की पहले जमानत याचिका खारिज किए जाने के बावजूद उसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने पर बृहस्पतिवार को आश्चर्य व्यक्त किया। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने तीन सितंबर को यूपी सरकार के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सरकारी वकील शैलेंद्र सिंह चौहान को बलात्कार के मामले में इस आधार पर अंतरिम जमानत दे दी थी कि वह 29 साल से वकालत कर रहे हैं। न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन, न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की पीठ ने हाईकोर्ट का आदेश रद्द करते हुए कहा कि इसी मामले में हाईकोर्ट की खंडपीठ के जमानत के आदेश पर इस न्यायालय द्वारा पांच अगस्त को रोक लगाए जाने के बावजूद आरोपी को जमानत दी गई।

विद्या धन ही सर्वश्रेष्ठ धन, यही सुनहरे भविष्य की कुंजी : हनीफ कुरैशी

रौतेश कुमार कश्यप। फरीदाबाद

जिले के पूर्व पुलिस आयुक्त और आईआरबी के आईजी हनीफ कुरैशी का कहना है कि विद्या ही सर्वश्रेष्ठ धन है। यही तुम्हारे सुनहरे भविष्य की कुंजी है। जो विद्यार्थी जीवन में तपता है, वहीं कुंदन बनता है। हनीफ कुरैशी बृहस्पतिवार को फरीदाबाद में प्रयास भवन में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे थे। यह समारोह प्रयास संस्था द्वारा किया गया था।

आईपीएस डॉ. हनीफ कुरैशी ने कहा कि प्राय: देखने में आता है कि सिविल सर्विसेज की परीक्षाओं में तन्मयता से अध्ययन करने वाले हजारों युवा छात्र सफल नहीं हो पाते, उसके

पीछे एक बड़ा कारण यही है कि विद्यार्थी जीवन (5वीं से 12वीं तक) में उन्होंने जो पढ़ा और समझा, वह तन्मयता से नहीं ग्रहण नहीं कर पाएं। प्रतियोगी परीक्षाओं का बेस 5वीं से 12वीं का सेलेबस अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। संस्था के महासचिव तरुण गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र के आर्थिक रूप से पिछड़े युवाओं को मुफ्त कोचिंग के लिए एक योजना बनाई गई थी। इस योजना के तहत 11वीं के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें बल्लभगढ़ व आसपास के गांवों के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूनम गुप्ता, श्रुति गुप्ता, सुरेंद्र मदान ने आईजी कुरैशी का गुलदस्ता देकर अभिनन्दन किया।

सेंसेक्स 1114 और निफ्टी 326 अंक टूटा, निवेशकों के डूबे पैसे

एजेंसी। नई दिल्ली

शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 2.96 फीसदी की गिरावट के साथ 1114.82 अंक नीचे 36553.60 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 2.93 फीसदी (326.30 अंक) की गिरावट के साथ 10805.55 के स्तर पर बंद हुआ। सत्र के अंत में बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 152.71 लाख करोड़ रुपये से घटकर 148.98 लाख करोड़ रुपये रह गया।

पिछले छह कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स करीब 3000 अंक गिर चुका है और निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। इससे पहले 16 सितंबर को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। निवेशकों के लाखों करोड़ डूब चुके हैं। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि अभी निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश से बचना चाहिए, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था की सही स्थिति के बारे में नहीं बता रहा है। कोरोना के बढ़ते प्रकोप के चलते यूरोप में दोबारा लॉकडाउन की खबर और वैश्विक बाजारों में भारी बिकवाली के संकेत की वजह से घरेलू मार्केट में भारी गिरावट देखी जा रही है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के वाइस चेयरमैन रिचर्ड क्लारिडा ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में भारी सुस्ती छा गई है। मांग और जॉब क्रिएशन में भारी गिरावट है। इसलिए सरकार की ओर से प्रोत्साहन पैकेज की जरूरत है।

अभी निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश से बचना चाहिए : शक्तिकांत दास

पेप्सिको ने बंद की केरल स्थित फैक्ट्री

नई दिल्ली। देश की दिग्गज कंपनी पेप्सिको इंडिया लिमिटेड ने केरल में अपनी प्रोडक्शन यूनिट बंद करने का फैसला किया है। पालक्काड़ के कांजीकोड में बॉटलिंग प्लांट चलाने वाली फ्रेंचाइजी वरुण बेवरेजेज ने मंगलवार को क्लोजर नोटिस जारी किया है। कोरोना संकट के चलते किए गए लॉकडाउन व मजदूरों द्वारा हड़ताल और लगातार विरोध प्रदर्शन की वजह से पेप्सिको को यह कारखाना बंद करना पड़ा है। इससे फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों की रोजी रोटी छिन गई है। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर संयुक्त व्यापार संघ ने आंदोलन शुरू किया था। 22 मार्च को ही कंपनी ने इस कारखाने को बंद कर दिया था। इसके बाद कोविड-19 के प्रकोप के कारण देशव्यापी तालाबंदी हुई, जिससे संकट और बढ़ गया। 21 मार्च को जारी लॉकआउट नोटिस में कंपनी ने कहा था कि, छह मार्च 2020 को जारी नोटिस के बाद स्थिति में सुधार नहीं आया है। नोटिस में लिखा गया कि केरल के हाईकोर्ट द्वारा पुलिस सुरक्षा प्रदान करने के आदेश के बाद भी, स्थिति बहुत गंभीर है और आपराधिक हमले का खतरा बड़ा है। स्थायी कर्मचारी, जो उत्पादन का संचालन करते हैं, वे अवैध हड़ताल पर हैं क्योंकि वे प्रबंधन द्वारा निर्देशित कार्य नहीं कर रहे हैं।

Good Morning!
फरीदाबाद पायनियर
हरियाणा, शुक्रवार, 25 सितंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

अनुशासन में रहकर एहतियात के साथ जीत सकते कोरोना की जंग : शर्मा

देश की 130 करोड़ जनता को कोरोना महामारी से बचाने के लिए पीएम मोदी ने अतुलनीय कदम उठाए है। इसी वजह से आज हम सुरक्षित हैं। अब हमारा कर्तव्य है कि हम सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करें। यदि हम एहतियात बरतते हुए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करते हुए अपने जरूरी काम करेंगे तो कोरोना हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा। यह कहना है कि बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के जिला महासचिव एवं स्कॉटन बॉक्सिंग एकेडमी के संचालक उमाशंकर शर्मा का। श्री शर्मा कोरोना से बचाव के नियमों के प्रति खिलाड़ियों और अन्य लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता **राजेश दास** और **उमाशंकर शर्मा** की बातचीत के अंश:

जीवन परिचय

नाम	उमाशंकर शर्मा
जन्मदिन	13 जून
पिता	बनवारी लाल शर्मा
माता	कश्मीरी देवी
पत्नी	सुमन शर्मा
बेटे	दीपक और सुमित (नेशनल बॉक्सर)
बेटी	पूजा नेशनल तीरंदाज
शिक्षा	12 वीं, गोवर्नमेंट स्कूल, नोएडा
रूचि	बॉक्सिंग

सवाल : बॉक्सिंग खेलने की प्रेरणा आपको कैसे मिली।

जवाब : मैने कैप्टन हवा सिंह से प्रेरणा लेकर बॉक्सिंग खेलनी शुरू की थी। हरियाणा में बॉक्सिंग को लाने वाले अर्जुन अवार्डी कैप्टन हवा सिंह थे। उन्होंने भिवानी में अकेडमी शुरू कर देश को बेहतरीन खिलाड़ी दिए हैं। उन्हें द्रोणाचार्य अवार्ड भी मिला था।

सवाल : आप सेना में किसकी प्रेरणा से भर्ती हुए।

जवाब : मैं शुरू से सेना में भर्ती होना चाहता था। मेरे बड़े भाई कर्नल सीताराम गौड सेना से रिटायर हैं। ममेरे भाई देवेश गौड वर्तमान में मेजर जरनल हैं। सेना में जाने के लिए ही मैं बॉक्सिंग खेलता था। मैं खेल कोटे से सेना में भर्ती हुआ था।

सवाल : आप सेना में कब भर्ती हुए और कब तक रहे।

जवाब : मैं वर्ष 1982 में गढ़वाल रेजिमेंट में भर्ती हुआ था। सेना में रहते हुए मैं नेशनल स्तर तक बॉक्सिंग खेलता था। वर्ष 2005 में सेना से सेवानिवृत हुआ था।

सवाल : सेना में रहते हुए आपने कभी कोई युद्ध लड़ा है।

जवाब : वर्ष 1993 में मैं मणिपुर में तैनात था। उन दिनों वहां आतंकवाद चरम पर था। एलटीटी और अन्य कई आतंकवादी संगठन सक्रिय थे। उस दौरान वहां मैने आतकवादियों के खिलाफ कई ऑपरेशनों में हिस्सा लिया।

सवाल : आपने बॉक्सिंग अकेडमी किस मकसद से शुरू की।

जवाब : बॉक्सिंग में मैं जो मुकाम हासिल नहीं कर पाया, वह सपना मैं बच्चों के माध्यम से पूरा करना चाहता हूं। सेवानिवृति के बाद मैने वर्कशॉप शुरू की थी, लेकिन बच्चों को समय न दे पाने की वजह से वर्कशॉप बंद कर दी। दोनों बेटों को बॉक्सिंग सिखाने लगा। दोनों नेशनल खिलाड़ी हैं। अब अन्य बच्चों के लिए बॉक्सिंग अकेडमी शुरू की है।

सवाल : अन्य जिलों के मुकाबले फरीदाबाद में बॉक्सिंग के प्रति रूचि कम क्यों है।

जवाब : यहां खेलों, खासकर बॉक्सिंग के प्रति बच्चों में जागरूकता कम है। बच्चों में बॉक्सिंग के प्रति रूचि पैदा करने के लिए गत वर्ष हमने बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की तरफ से पांच दिवसीय प्रदेश स्तरीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट का आयोजन किया था। जिसमें हिस्सा लेने वाले 550 बच्चों के रहने और भोजन की व्यवस्था फेडरेशन द्वारा की गई थी।

सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।

जवाब : कोरोना को हराने के लिए हमें सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का ईमानदारी के साथ पालन करने होगा। सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क का उपयोग और स्वच्छता के नियम को हमें अपनी आदत में शामिल करना होगा।

सवाल : जानबूझ कर नियम तोड़ने वालों को आप क्या संदेश देना चाहते हैं।

जवाब : अनेक लोग जागरूकता के अभाव में नियमों का पालन करने में लापरवाही बरत रहे हैं। इसी वजह से अभी भी रोज काफी संख्या में नए मरीज सामने आ रहे हैं। यह लोग लापरवाही बरत कर अपने साथ परिवार और समाज को भी खतरे में डाल रहे हैं।

सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।

जवाब : सरकार ने सही समय पर सही कदम उठाया था। लॉकडाउन के दौरान सरकार ने लोगों को जागरूक करने के साथ अपनी तैयारी भी पूरी कर ली।

शहर का तापमान

- अधिकतम 35.03 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 25.05 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई जाएगी शक्ति केंद्र में : शाम 4
- आयुर्वेद से हार्ट केयर पर जीवा की तरफ से वेबिनार का आयोजन: दोपहर 3 बजे
- बीके चौक पर आशा वर्करों का धरना: सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का धरना : सुबह 11 बजे
- बीके में कोरोना जांच व ओपीडी : सुबह 8 बजे

निवेश गुरु

तीन तरह के होते हैं फंड

मोटे तौर पर तीन तरह के फंड होते हैं : डेट फंड, इक्विटी ओरिएंटेड फंड और हाइब्रिड फंड। डेट फंड सरकारी प्रतिभूतियों और कॉर्पोरेट बॉन्ड जैसी परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इन फंडों का मकसद निवेशक को मुनासिब रिटर्न देना होता है। इन्हें अपेक्षाकृत कम जोखिम भरा माना जाता है। वहीं, इक्विटी फंड शेयरों में निवेश करते हैं। चूंकि इक्विटी फंडों का रिटर्न बाजार में शेयरों की चाल से जुड़ा होता है। इसलिए इनमें ज्यादा जोखिम होता है।

यूटीलिटी न्यूज

जीवित प्रमाण पत्र वैरिफाई करवाएं पूर्व सैनिक : डीसी

फरीदाबाद। उपायुक्त एवं जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग के अध्यक्ष यशपाल ने बताया कि जो सैनिक भारतीय थल सेना से सेवानिवृत हैं और रक्षा पेंशन वितरण अधिकारी नंबर-1 लाल किला दिल्ली या बैंकों से सैन्य सेवा पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। वह अपनी पैंशन संबंधी वार्षिक जीवित प्रमाण के लिए रक्षा पेंशन वितरण अधिकारी नंबर-1 लाल किला दिल्ली ना जाकर अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर जो किसी भी इलाके में कार्यरत हो वहां से अपनी सुविधा अनुसार जाकर अपनी वार्षिक पहचान (डीएलसी) करा सकते हैं।

क्विक न्यूज

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

फरीदाबाद। न्यू टाउन रेलवे स्टेशन पर बृहस्पतिवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। मरने वाली महिला की पहचान नहीं हो सकी है। एएसआई भीमप्रकाश ने बताया कि महिला रेलवे लाइन किनारे बल्लभगढ़ की तरफ जा रही थी, तभी वह दिल्ली की ओर से जा रही ट्रेन की चपेट में आ गई। महिला के शव के 4 टुकड़े हो गए हैं। महिला की उम्र करीब 40 से 45 साल के बीच है। पुलिस ने मौके से सफेद-गुलाबी रंग की साड़ी बरामद की है। जीआरपी ने शव पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है।

चरमराई यातायात व्यवस्था में चालान घर भेजने की तैयारी

सिटी इश्यू

राजेश दास। फरीदाबाद

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शहर में यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने के लिए ट्रैफिक सिग्नल लाइट और सीसीटीवी कैमरों पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाया गया है। शहर के ज्यादातर चौराहों पर ट्रैफिक सिंग्नल लाइटें आए दिन खराब हो रही हैं। वहीं कुछ स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी दयनीय स्थिति में हैं। इसके अलावा जेब्रा क्रोसिंग भी गलत तरीके से बनाई गई हैं। कहीं जेब्रा क्रोसिंग ट्रैफिक सिग्नल लाइट से आगे तो कहीं पीछे बनाई गई है। वहीं दूसरी तरफ शहर की सड़कों पर होमगार्ड वाहनों की चेकिंग करते नजर आते हैं। इस तरह की तमाम खामियों के कारण करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद अब भी ट्रैफिक व्यवस्था बुरी तरह चरमराई रहती थी। इस अव्यवस्था के कारण शहर की सड़कों पर जगह-जगह जाम लगने से लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इन तमाम खामियों को दूर करने से पहले ही जिला पुलिस ने ट्रैफिक चालान लोगों के घर भेजने की तैयारी कर ली है। पुलिस की तरफ से ट्रैफिक चालान लोगों के घर भेजने का काम शुरू भी कर दिया गया है।

बिना योजना के लगाई लाइटें : स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सरकार ने शहर के चौक चौराहों पर ट्रैफिक सिंग्नल लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगाने का ठेका एक निजी कंपनी को दिया है। इस कंपनी के कर्मचारियों द्वारा शहर में भारी संख्या में धड़ाधड़ ट्रैफिक सिंग्नल लाइटें लगवाई गई है। जहां जरूरत नहीं हैं, वहां भी ट्रैफिक सिंग्नल लाइटें लगाई गई है। कंपनी की तरफ से एनएच एक स्थित फावड़ा सिंह चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाई गई हैं। जबकि यहां लाइट की जरूरत नहीं थी। इस चौक पर पहले कभी भी जाम की स्थिति नहीं बनी। अब ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगने से यहां अक्सर जाम लगने लगा है। इसी इलाके के नाथी चौक पर हर समय जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। लेकिन इसके बावजूद स्मार्ट सिटी लिमिटेड की तरफ से यहां ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने की कोई जरूरत महसूस नहीं की गई। जिससे यहां दिन भर लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। इसी इलाके के एनएच एक बस अड्डा चौक, तिकोना पार्क कट और कई व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिंग्नल लाइटें लगाने की कोई जरूरत महसूस नहीं की गई हैं।

फोटो : राजेश पुंजानी

ज्यादातर चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइटें आए दिन हो रही हैं खराब

व्यस्त चौराहों से गायब

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सरकार की तरफ शहर में ट्रैफिक सिग्नल लाइटों पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन इन लाइटों को जरूरत के स्थानों पर लगाने की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। शहर में ऐसे अनेक स्थान हैं, जहां पहले से ही ट्रैफिक सिंग्नल लाइटें लगी हुई थी। इनमें से ज्यादातर ट्रैफिक सिग्नल लाइटें तो लंबे समय से खराब पड़ी हुई है। कई स्थानों पर पुरानी ट्रैफिक सिग्नल लाइटों के तो खंभे तक टूट चुके हैं। खराब ट्रैफिक सिंग्नल लाइटों वाले ज्यादा चौराहे अति व्यस्त माने जाते हैं। लेकिन इसके बावजूद इन खराब ट्रैफिक सिंग्नल लाइटों को दुरूस्त करने अथवा यहां नई लाइटें लगवाने की कोई जरूरत महसूस नहीं की जा रही है। बड़खल पुल से पुलिस आयुक्त कार्यालय की तरफ आने वाले चौराहे की ट्रैफिक सिंग्नल लाइट लंबे समय से खराब पड़ी हुई है। जिसके कारण यहां अक्सर जाम लगने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। यह तो सिर्फ उदाहरण मात्र है, शहर के अनेक चौराहों पर इसी तरह की स्थिति बनी हुई है। लेकिन इसके बावजूद स्मार्ट सिटी लिमिटेड अथवा नगर निगम की तरफ से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

दुरूस्त हों ट्रैफिक सिग्नल लाइट

सड़क सुरक्षा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एसके शर्मा ने कहा कि शहर में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइटें लगाना अथवा खराब लाइटों को ठीक करना बेहद जरूरी है। ट्रैफिक सिग्नल लाइटों के जलने और बुझने की टाइमिंग भी दुरूस्त नहीं है। इससे चौराहों पर यातायात व्यवस्था चरमराई रहती है।

आएदिन खराब हो रही

शहर की यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने और अपराधों पर अकुंश लगाने के लिए स्मार्ट सिटी के तहत निजी कंपनी से ट्रैफिक सिंग्नल लाइट और सीसीटीवी कैमरे लगवाते समय इनकी गुणवता पर ध्यान देने की संबंधित अधिकारियों ने जरूरत महसूस नहीं की। ट्रैफिक सिग्नल

लाइट और सीसीटीवी कैमरों के रख रखाव की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी के पास है। हाल ही लगाई गई ट्रैफिक सिग्नल लाइटें अभी से खराब होनी शुरू हो गई हैं। शहर के अनेक प्रमुख चौराहों पर इन दिनों ट्रैफिक सिग्नल लाइट खराब हालत में हैं। एक बार ट्रैफिक सिग्नल लाइट खराब हो जाने पर कंपनी द्वारा उन्हें आसानी से ठीक नहीं किया जाता है। कई स्थानों पर लाइटें मरम्मत के दो चार दिन बाद फिर से खराब हो जाती है। यहीं हालत शहर के चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की है। कंपनी द्वारा लगाए गए कैमरे भी आए दिन खराब हो रहे हैं। वहीं कुछ स्थानों से तो कैमरे गायब भी हो चुके हैं। जबकि कुछ स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे जर्जर होकर लटके हुए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है। इन ट्रैफिक सिंग्नल लाइटों और कैमरों से शहर की यातायात व्यवस्था कैसे दुरूस्त हो सकेगी।

भाजपा की नीति और नीयत से खुश नहीं जनता : सैलजा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्षा सैलजा को जिले के कांग्रेसियों ने दी जन्मदिन की बधाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष कुमारी सैलजा के जन्म दिवस के मौके पर गुरूवार को जिले के कांग्रेसी नेता अपने समर्थकों के साथ उनके दिल्ली स्थित निवास पर पहुंचे और उन्हें गुलदस्ता भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बनता था। उन्होंने कुमारी सैलजा से आशीर्वाद लेते हुए उनकी लम्बी आयु की कामना की।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पं. योगेश गौड़, सत्यवीर डागर, राजन ओझा, राकेश भड़ाना, प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़, बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोज अग्रवाल, रिंकू चंदीला, योगेश ढींगड़ा, बलजीत कौशिक, मोहम्मद बिलाल, जिला कार्डिनेटर गौरव ढींगड़ा, मोनू ढिल्लो, भरत अरोड़ा, जगन डागर, चुन्नू राजपूत, अशोक रावल, बाबूलाल रवि, संजय सोलंकी, आदि मौजूद थे। इस दौरान कुमारी सैलजा ने भी कार्यकर्ताओं की हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं। कर्मठ कार्यकर्ताओं की बदौलत ही पार्टी सत्ता तक पहुंचती है। इसलिए कांग्रेस का कार्यकर्ता पार्टी की मजबूत कड़ी है और इस कड़ी को हमें और मजबूत करना है।

कुमारी सैलजा ने भाजपा सरकार पर हल्ला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार के 6 साल का कार्यकाल हरियाणा के सभी लोगों के लिए कष्टदायक रहा है। हालात यह है कि इस सरकार के मंत्रियों का अब जनता खुलकर विरोध करने लगी है और आज प्रदेश के कृषि मंत्री का बरोदा के एक गांव में जिस प्रकार से ग्रामीणों ने काले झंडे दिखाकर विरोध किया, उसका यह ज्वलंत उदाहरण है कि जनता सरकार की नीति और नीयत से कतई खुश नहीं है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जितने भ्रष्टाचार भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में हुए हैं। वह अपने आप में रिकार्ड है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता इस सरकार के हर भ्रष्टाचार की परतें खोलकर उसे जनता तक पहुंचाने का काम करेगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्षा कुमारी सैलजा ने कहा कि बरोदा उपचुनाव में भाजपाइयों को उनकी जमीनी हकीकत का पता चल जाएगा। यह चुनाव कांग्रेस जीतकर प्रदेश में परिवर्तन का बिगुल बजाएगी। इस मौके पर कांग्रेस नेताओं ने एकजुट होकर कुमारी सैलजा का विश्वास दिलाया कि पार्टी कार्यकर्ता एकजुट होकर प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में कोई कोर कसर बाकि नहीं छोड़ेगा और जब भी यह सरकार कोई गलत फैसला लेगी, उसका डटकर विरोध किया जाएगा।

नौकर ने किया मालिक पर हमला

बल्लभगढ़। नौकरी से निकाले गए एक युवक ने अपने साथियों संग मिलकर मालिक पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पीड़ित से सोने की चेन व 30 हजार रुपये छीन लिए और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक सेक्टर-2 निवासी सुभाष ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसने मलेरना रोड़ आदर्श नगर में सूबेदार बिल्डिंग मैटेरियल के नाम से दुकान खोल रखी है। 21 सितंबर की शाम 5 बजे उसका पुराना मुंशी लक्की निवासी श्याम मंदिर वाली गली अपना हिसाब करने आया था। लक्की को सुभाष ने अपने काम से हटा दिया था। लक्की अपना हिसाब करके वहां से चला गया। आरोप है कि कुछ समय बाद वह अपने साथ 6 युवकों को लेकर आया। जिनके हाथों में सरिया, लाठी व डंडे थे। आरोप है कि वे सभी युवक उसकी दुकान पर आकर गाली देते हुए कहने लगे की हम बनाएंगे तुझे बिल्डर। लक्की ने कहा तूने मुझे नौकरी से निकल दिया अब मैं तुझे मजा चखाता हूं। ऐसा कहकर लक्की व उसके साथियों ने सरिया व लाठी व डंडो से सुभाष पर हमला कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

जेसी बोस विवि में एनएसएस दिवस मनाया

फरीदाबाद। वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एनएसएस दिवस मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। साथ ही, विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई ने इस उपलक्ष्य में 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' के तहत तीन दिवसीय ई-शिविर की शुरूआत की। एनएसएस की शुरूआत औपचारिक रूप से 24 सितंबर, 1969 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष पर की गई थी। तब से 24 सितंबर का दिन हर साल एनएसएस दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस गीत तथा विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक डॉ. प्रदीप डिमरी द्वारा स्वागतीय भाषण से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। डॉ. डिमरी ने सभी स्वयंसेवकों को कर्मयोगी बताते हुए एनएसएस स्वयंसेवकों से श्रीमद गीता से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और समाज सेवा में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम को पुणे से एनएसएस वालंटियर्स दीपेश विजयसिंह दिनेगर, रोहतक से पूजा सांवरिया, अरुणाचल प्रदेश से आजाद तापक और झारखंड से अमन हेमब्रोम ने भी संबोधित किया। विभिन्न राज्यों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया था। इस मौके पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. लखविंदर सिंह भी मौजूद थे। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. बिन्दु मंगला, डॉ. उमेश और नितिन पंवार द्वारा किया गया।

रोटरी क्लब ने किया वृक्षारोपण

फरीदाबाद। रोटरी क्लब फरीदाबाद एनआईटी ने प्रधान नीरज गुप्ता के नेतृत्व में एफसीआई गोदाम नंबर दो में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत एफसीआई के प्रांगण में फलदार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर प्रधान नीरज गुप्ता ने कहा कि हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हमें पर्यावरण को बचाने के लिए पौधे लगाने चाहिए। समय-समय पर इनकी देखभाल करनी चाहिए। पौधे लगाने के लिए हमें दूसरे लोगों को भी जागरूक करना चाहिए और उनको पौधे लगाने के लाभ बताने चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सब डिविजनल मैनेजर संत नवनीत राणा, मैनेजर वेद प्रकाश, तबीर, हरीश यादव, हर्ष कुमार, कविता, सविता, गुंजन, मैडम आलोक वूमेन वेलफेयर रोटरी क्लब सदस्य पीपी पसरीचा, सुनील खंडूजा सचिव, प्रोजेक्ट चेयरमैन अनिल मग्गू, गुरमीत सिंह, सतीश अदलखा, टी आर गेरा मौजूद रहे।

संपत्ति कर ऑनलाइन भुगतान पर मिलेगी छूट

फरीदाबाद । नगर निगम के द्वारा सम्पत्ति कर सेवाओं की ऑनलाईन भुगतान सुविधा का उपयोग करते हुए यदि करदाता अपने सम्पत्ति कर का भुगतान करते हैं तो उन्हे कैशलैस अदायगी करने पर एक प्रतिशत की छूट भी अतिरिक्त तौर से मिलेगी। इसके अतिरिक्त यदि करदाता अपना बकाया सम्पत्ति कर आगामी 31 अक्टूबर तक जमा करवाता है तो उसे वर्तमान वित्त वर्ष के सम्पत्ति कर पर 10 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी। निगमायुक्त डा. यश गर्ग ने अपील की है कि कोरोना महामारी के चलते करदाता निगम कार्यालयों में जाने की बजाए अपने-अपने घरों या संस्थानों में बैठे-बैठे निगम की आनलाईन सेवा का लाभ उठायें। निगमायुक्त डा. यश गर्ग ने जारी एक प्रैस विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार के द्वारा गत 20 मई को जारी नीति के तहत जिन संपत्ति करदाताओं ने पिछले तीन सालों में प्रत्येक वर्ष अपना संपत्ति कर निर्धारित तिथि 31 जुलाई से पहले-पहले जमा करवाया है उन्हें 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट देने, वर्ष 2010-11 से लेकर वर्ष 2016-17 तक के बकाया मूल संपत्ति कर पर 25 प्रतिशत की छूट देने और एकमुश्त बकाया संपत्ति कर की अदायगी करने पर संपूर्ण ब्याज की राशि माफ किए जाने का प्रावधान किया गया है, लेकिन यह सभी छूट 31 अक्टूबर तक अपना सम्पत्ति कर जमा करने वाले करदाताओं को ही प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि करदाताओं को सरकार की इस योजना का लाभ लेने के लिए निगम के संबधित कार्यालय में जाकर सम्पत्ति कर जमा करवाना होगा।

दा क्रिकेट गुरूकुल ने 7 विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। छठां ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में दा क्रिकेट गुरूकुल ने एसकेजेसीए अकादमी को 7 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। ये मैच दा क्रिकेट गुरूकुल और एसके जेसीए अकादमी के साथ खेला गया। दा क्रिकेट गुरूकुल ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाज़ी करने का निर्यण लिया। एसकेजेसीए अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 40 ओवर में 8 विकेट पर 194 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए चिराग़ यादव ने 52 रन, आयुष नेगी ने 43 रन ओर योगेश पुनिया ने 35 रन बनाए। दा क्रिकेट गुरूकुल की ओर से गेंदबाजी करते हुए विनय बैंसला, सचिन और अहान पोडार ने 2-2 विकेट, यश वेशनव और नमन शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए दा क्रिकेट गुरूकुल की टीम ने 34.1 ओवर 3 विकेट में 200 रन बनाकर जीत हासिल की 7 टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए तक्षित राउ ने 87 रन, अमन ढोपर ने 39 रन अहान पोडार ओर हितेश सोरूट ने 28-28 रन बनाए। एसकेजेसीए अकादमी की और से गेंदबाजी करते हुए वासु यादव ,देव बिदूरी ओर रोहित राणा ने 1-1 विकेट लिए। लाखन एम्पैर (रविंद्र फागना क्रिकेट अकैडमी) के द्वारा तक्षित राउ को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

कोरोना की आड़ में कर्मचारियों की मनमानी से मरीज परेशान

- बीके अस्पताल में मुंह पर कपड़ा बांधने वालों की एंट्री की बंद
- चिकित्सक के द्वारा लिखे गई कोरोना जांच पर भी लग रहा चार्ज

कविता। फरीदाबाद

एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कपड़े का मास्क लगाकर कोरोना वायरस से बचाव का संदेश रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीके अस्पताल प्रबंधन ने ओपीडी में मुंह पर कपड़ा, रूमाल और चुन्नी बांधकर इलाज को आने वाले मरीजों के घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इलाज को आने वाले मरीजों के कार्ड पर लिखी कोविड-19 की जांच का भी शुल्क लिया जा रहा। जबकि स्वास्थ्य विभाग ने यह शुल्क नौकरी, मेडिकल और यात्रा से सम्बंधित कोरोना की जांच के लिए निर्धारित किया था, लेकिन मरीजों को भी शुल्क देने को बाध्य किया जा रहा है। अस्पताल के कर्मचारियों की अज्ञानता और अस्पताल लापरवाही के बीच मरीज पीस रहे हैं।

कपड़ा बांधने पर नोएंट्री : बीके की ओपीडी में पर तैनात सुरक्षाकर्मी मुंह पर रूमाल, कपड़ा या चुन्नी बांधकर आने वाले मरीजों को अंदर जाने से रोक रहा था। इस तुगलकी नियम से मरीज काफी परेशान हुए। एक बुजुर्ग व्यक्ति चिकित्सक के रूम में मुंह पर रूमाल बांधकर जाने की जिद करने लगा तो कर्मचारी ने उसे मास्क पहन कर आने के लिए भेज दिया। वहीं तीन महिलाएं मुंह पर चुन्नी बांधकर पहुंची तो सुरक्षाकर्मी ने उन्हें भी मास्क लगाने की बात कहकर लौटा दिया।

कोरोना जांच शुल्क : गत 18 सितंबर को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से नौकरी, मेडिकल और यात्रा के लिए कोरोना की आरटीपीसीआर जांच के 1600 रुपये, रेपिड एंटीजन के लिए 600 और एलाइजा जांच के लिए 250 रुपये का शुल्क निर्धारित किया था। जिस पर बीके सिविल अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने भी यह निर्देश ओपीडी में जारी कर दिए, लेकिन कर्मचारियों ने मामले को समझे बिना अस्पताल में इलाज करवाने के दौरान लिखी कोविड-19 की जांच के भी पैसे मरीजों से लेने शुरू कर दिए। जिसका मरीजों के द्वारा विरोध किया जा रहा है।

बढ़ सकती है बीमारी

अस्पताल के कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेशों को समझने बिना निमोनिया, बुखार, जुकाम व खांसी जैसी बीमारी से पीड़ितों की कोरोना जांच करने का भी शुल्क ले रहे हैं। मरीजों द्वारा शिकायत करने पर डाक्टरों ने कर्मचारियों को समझाने का भी प्रयास किया। लेकिन वे बिना शुल्क के कोरोना जांच करने को तैयार नहीं हैं। जिससे कोरोना के फैलने का खतरा और बढ़ गया है।

डेयरी संचालक की हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। रुपयों के लेनदेन के विवाद में जीवन नगर निवासी एक डेयरी संचालक के सिर पर डंडे से वार कर उसकी हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने नेकपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में लिप्त अन्य दो आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है।

जीवन नगर भाग दो निवासी चांद बाबू ने 21 सितंबर को यह मामला थाना मुजेसर में दर्ज करवाया था। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा था कि उसका भाई वाहिद कालोनी में भैंसों की डेयरी चलाता है। इसी इलाके में रहने वाला मनोज भी डेयरी चलाता है। जबकि योगेश भैंस की खरीद फरोख्त करता है। कुछ समय पहले वाहिद ने एक गाय और भैंस खरीदने के लिए एडवांस के रूप में योगेश को 6200 रुपये दिए थे। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी योगेश ने उसे गाय व भैंस नहीं दिलवाई। जिसके कारण वाहिद ने योगश से अपने रुपये लौटाने की मांग शुरू कर दी। इस बात को लेकर दोनों के बीच गाली गलौच और झगड़ा भी हुआ था। जिसके कारण योगेश ने मनोज, गौरव व रोहित के साथ मिल कर वाहिद को सबक सिखाने की योजना बनाई थी।

अब घर बैठे ही हासिल करें नो ड्यूज सर्टीफिकेट : यश गर्ग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सम्पत्तियों को क्रय-विक्रय करने के लिए होने वाली रजिस्ट्रियों से पूर्व फरीदाबाद नगर निगम से नो ड्यूज़ सर्टीफिकेट प्राप्त करने के लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा के द्वारा लांच किए गए नो ड्यूज़ सार्टिफिकेट मैनेजमेंट सिस्टम को एक बेहतर सिस्टम बताते हुए निगमायुक्त डा. यश गर्ग ने नागरिकों को निगम कार्यालयों में आने की बजाए अपने घर बैठे-बैठे ulbhryndc.org के माध्यम से अपना नो ड्यूज प्राप्त करने की सलाह दी है। निगमायुक्त के अनुसार नो ड्यूज़ जारी करने या इस सम्बन्ध में नागरिकों के द्वारा सिस्टम के माध्यम से उठाई जा रही आपत्तियों का एक निर्धारित समय सीमा में निगम के सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा समाधान किया जाना आवश्यक है और इसमें कोताही बरतने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

डा. गर्ग ने नो ड्यूज़ सर्टिफिकेट मैनेजमैंट सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि

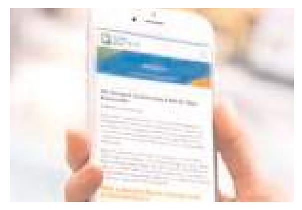

हरियाणा सरकार की नीति के अनुसार फरीदाबाद नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों को अपनी सम्पत्ति को बेचने, उसे ट्रांसफर करने, लीज पर देने आदि-आदि से पूर्व नगर निगम से नो ड्यूज प्राप्त किया जाना आवश्यक किया गया है और इसे प्राप्त करने के लिए पूर्व में प्रचलित जटिल प्रक्रिया का सरलीकरण करते हुए उक्त नो ड्यूज़ सार्टिफिकेट मैनेजमैन्ट सिस्टम को सरकार के द्वारा लांच किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी प्रार्पटी का नो ड्यूज बिना किसी परेशानी के प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसका तरीका बड़ा ही आसान है। जिन नागरिकों को निगम से अपनी प्रार्पटी की आई.डी. नहीं मिली हुई है उसे स्वयं को अपने मोबाईल नम्बर के माध्यम से ulbhryndc.org पर जाकर पंजीकृत करना होगा। इसके बाद लाग-ईन करके सर्च प्रार्पटी के विकल्प में उपलब्ध अपनी कालोनी या सेक्टर को चयन करेगा तो उस क्षेत्र की सीमा लाल रंग में सिस्टम पर दर्शित होगी, जहां पर नागरिक अपनी प्रार्पटी का चयन करके आनलाईन ही सेल्फ असेसमेंट करके सम्पति कर जमा कर सकते हैं। जैसे ही नागरिक सम्पति कर व विकास शुल्क जमा करेगा तो उसे अस्थाई प्रार्पटी आईडी मिल जायेगी और इसके बाद ही रजिस्ट्री के लिए उसे टोकन प्राप्त हो सकेगा। निगमायुक्त के अनुसार जिन नागरिकों की प्रार्पटी एनडीसी पोर्टल पर दर्ज है, उसे नागरिक प्रार्पटी आईडी (जोकि उनकी पिछले साल की संपति कर की रसीद पर उल्लेखित है) से सर्च कर सकते हैं। प्रार्पटी आईडी पर निगम के द्वारा संपति कर के दर्ज किये गये ब्यौरे से यदि नागरिक सहमत हैं तो वे आनलाईन अदायगी कर दें और यदि उक्त ब्यौरे से असहमत हैं तो वे दस्तावेज के प्रमाण के साथ अपनी आनलाईन आपत्ति दर्ज कर सकते हैं, जिससे कि निगम के संबंधित कर्मचारियों के द्वारा ऐसे दस्तावेजों की वेरिफिकेशन करके नागरिकों के द्वारा दर्ज की गई आपत्ति का निर्धारित समय सीमा में निपटारा किया जा सके।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने की तोड़फोड़

फरीदाबाद। जिला प्रशासन की मदद से नरेश कुमार, जिला नगर योजनाकार ने बताया की इंफोर्समैन्ट एण्ड विजीलेंस द्वारा दुर्गा बिल्डर फेस-2 लाईसेंस कालोनी में किये जा रहे अवैध निर्माणों को तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई गई। तोड़फोड़ की कार्यवाही के दौरान बनाये गये, रिहायशी निर्माण, एक ऑफिस व 20 डीपीसी/बाउंड्रीवाल में तोड़फोड़ की कार्वाई की गई। ये अवैध निर्माण मुकेश गिरी व सुभाष गुप्ता द्वारा करवाये जा रहे हैं। ये अवैध निर्माणकर्ताओं के खिलाफ अधिनियम के प्रावधान में आगे की कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। जिला नगर योजनाकार, ईन्फोर्समैन्ट ने बताया कि दुर्गा बिल्डर लाईसेंस कालोनी का केस अभी माननीय् सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित स्पेशल

कमेटी के अधीन विचाराधीन है इसलिए विवादित भूमि में किसी प्रकार के प्लाट की खरीद-फरोख्त न करें व न ही किसी प्रकार का निर्माण करें, विभाग से भवन प्लान स्वीकृत कराये बगैर किये गये निर्माण को अधिनियम के प्रावधान में गिरा दिया जायेगा। विभाग द्वारा आजकल भू-माफियाओं के खिलाफ एक अभियान चलाया हुआ है।

कोरोना से 2 मौतें, 240 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 18,705

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। बृहस्पतिवार को 240 मामले सामने आने से कोरोना पॉजिटिव का आंकड़ा 18,705 पर पहुंच गया। इनमें सर्वाधिक नीमका जेल से 11 मरीज सामने आए है। वहीं कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा 211 पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटे में राहत की बात यह रही कि 248 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 90.6 प्रतिशत पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

पदम नगर निवासी 27 वर्षीय महिला और बड़खल निवासी 51 वर्षीय कोरोना पॉजिटिव पुरुष ने विभिन्न गंभीर बीमारियों के कारण दम तोड़ दिया। वहीं 240 पॉजिटिव में फतेहपुर बिल्लौच, नेहरू कालोनी, जमाई कालोनी, कृष्णा कालोनी, सूर्या कालोनी, सेक्टर-16, 21, 23, 65, 81, 86, 77, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, प्रहलादपुर, भुपानी, पुरी प्रणायाम, बसंतपुर, पदम नगर, मिल्हाड़ कालोनी, चाचा चौक, भूड़ कालोनी, अजरौंदा, नंगला, गोपी कालोनी, सिही, तजुपुर, खेड़ी कला, श्याम कालोनी, मोहना, सीकरी, विनय नगर, पुलिस लाइन, भगत सिंह कालोनी से 1-1 मरीज है। कपड़ा कालोनी, सेक्टर-8, 55, 29, 81, 35, 84, 82, 33, 7, 8, 17, 20, ईसमाइलपुर, एनआईटी-5, तिलपत, ग्रीन फिल्ड कालोनी, जीवन नगर, विष्णु कालोनी, चावला कालोनी, श्याम कालोनी, एसी नगर, सारन, जवाहर कालोनी, बड़ौली, सराय, एतमादपुर से 2-2 मरीज है। सेक्टर-21, 88, 34, 11, 41, 35, 9, 19, एनएच-तीन, पर्वतीया कालोनी, भूड़ कालोनी, शिव दुर्गा बिहार, संजय इंक्लेव से 3-3 मरीज है। सेक्टर-30, 16, 18, 15, 3, अशोका इंक्लेव से 4-4 मरीज है। एनएच-एक, डबुआ कालोनी से 5-5 और बल्लभगढ़, एसजीएम नगर से 6-6 मरीज है। वहीं नीमका जेल से 11 और अन्य एरियों से 45 मरीज है।

यह है आंकड़े

अब तक कुल सैम्पल	- 190142
रिपोर्ट नेगेटिव आई है	- 171144
रिपोर्ट आनी है शेष	- 293
कुल पॉजिटिव है	- 18705
अब तक ठीक हुए	-16945
अब तक कुल मौत	-211
गंभीर हालत में भती	- 43
आईसीयू में भर्ती	-10

आरपीएफ के जवानों से मारपीट में तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जीआरपी ने न्यू टाउन रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के दो जवानों के साथ मारपीट करने व सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक 20 सितंबर की रात 9.30 बजे आरपीएफ के जवान गुरदत्त और भूपेंद्र सिंह स्टेशन पर ड्यूटी दे रहे थे। उस समय फुटओवर ब्रिज की सीढ़ियों पर बैठकर तीन व्यक्ति शराब पीकर आसपास के माहौल को खराब कर रहे थे। इन दोनों जवानों ने शराब पी रहे व्यक्तियों को वहां से जाने के लिए कहा, जिससे की तीनों ने जवानों से अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इससे की जवानों ने उन्हें सही ढंग से बात करने की नसीहत दी, बावजूद तीनों जवानों के साथ मारपीट कर भाग गए। गुरुदत्त की शिकायत पर जीआरपी ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने व मारपीट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इस मामले की जांच एएसआई भीमप्रकाश को दी गई। उधर आरपीएफ के जवान भी तीनों आरोपितों को लेकर अलर्ट थे। पुलिस ने आरपीएफ के जवानों की शिनाख्त पर बुधवार को तीनों को न्यू टाउन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने अपने नाम बन्ने सिंह, दीपक और विनोद कुमार बताए, हैं, जो संजय नगर एनआईटी के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों को इलाका मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

भारत बंद को लेकर पुलिस अलर्ट

फरीदाबाद। किसानों द्वारा भारत बंद को लेकर फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। किसान हमारे अन्नदाता हैं। हमारे भाई हैं। उनसे अपील है कि वह शांतिपूर्वक रहे असामाजिक तत्वों से दूर रहें, अप्रिय घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति यों को बख्शा नहीं जाएगा। फरीदाबाद शहर में करीब 700 कैमरे लगे हुए हैं, जिनसे प्रत्येक संदिग्ध व्यक्ति एवं संगठन पर विशेष नजर रखी जाएगी। इस दौरान असामाजिक तत्वों के लिए विशेष पुलिस बल और रिजर्व बल तैयार किया गया है जो कि एंटी राइट इक्विपमेंट सहित तैयार रहेंगे। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल और रिजर्व बल को तैनात किया जाएगा। कुछ असामाजिक तत्व समाज में अहिंसा फैलाने की मंशा से भीड़ का फायदा उठाते हुए किसी भी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। जिसके मद्देनजर फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। सीसीटीवी कैमरा कंट्रोल रूम को भी इस बारे में अवगत कराया गया है।

नॉर्थ टेक्सास के साथ ड्यूल डिग्री पाठ्यक्रम होगा शुरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने वैश्विक परिवेश में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं शोध के क्षेत्र में रोजगार के लिए विद्यार्थियों की बढ़ाती मांग को देखते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास, अमेरिका के साथ अकादमिक क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए समझौता किया है। जिसमें रणनीतिक साझेदारी, अनुसंधान सहयोग, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक्सेंज प्रोग्राम के अलावा ड्यूल डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल हैं। जेसी बोस विश्वविद्यालय जल्द ही यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास के साथ ड्यूल डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अमेरिका के टेक्सास स्थिति कैंपस में अध्ययन करने की संभावनाओं पर काम करेगा।

इस समझौता पर यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास की प्रोवोस्ट तथा अकादमिक मामलों की वाइस

दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए हुआ समझौता

प्रेजिडेंट डॉ. जेनिफर इवांस-काउली ने हस्ताक्षर किए गए हैं और दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक क्षेत्र में परस्पर सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की है। जेसी बोस विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किये। इस अकादमिक समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास अमेरिका में सरकारी क्षेत्र के सबसे बड़ा अनुसंधान विश्वविद्यालयों में से एक है। यह साझेदारी हमारे शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अध्ययन का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी। शुरुआती चरण में विश्वविद्यालय क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, साइबर सुरक्षा, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम और लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट सिस्टम जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए सहयोग को आगे बढ़ाने का इच्छुक है। कुलपति ने समझौते को सफल बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी और उनकी टीम के निरंतर प्रयासों की सराहना की। यह साझेदारी इसी वर्ष जनवरी में जेसी बोस विश्वविद्यालय द्वारा फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएफटी 2020) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दोनों विश्वविद्यालयों के अधिकारियों के बीच हुए विचार-विमर्श का परिणाम है। कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने में कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो. नवीन कुमार के योगदान की भी सराहना की।

डकैती की कौशिश में पांच आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राईम ब्रांच सेक्टर-85 ने डकैती की कौशिश करने वाले पांच आरोपियों को दबोचा है। पांच नौजवान लड़के सेक्टर-88 मास्टर रोड पर डकैती करने की फिराक में घूम रहे थे। जिसकी सूचना किसी ने क्राइम ब्रांच को दी थी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उप निरीक्षक सुमेर सिंह ने टीम तैयार कर सेक्टर 88 मास्टर रोड की तरफ रवाना हुए। मास्टर रोड पर पहुंचने के बाद क्राईम ब्रांच की टीम ने आरोपियों को पकड़ने की अपनी योजना के अनुसार किसी गाडी का आने का इंतजार किया। पिकअप गाड़ी जब एमवीएन स्कूल मास्टर रोड सेक्टर 88 के नजदीक पहुंची तो बदमाशों ने पिकअप को रूकवाने के लिए उसको पिस्तौल और डंडे दिखाए, लेकिन पिकअप ड्राईवर ने अपनी सूझबूझ दिखाते हुए कट मारकर गाडी को भगा ले गया। गिरफ्तार आरोपियों में संत नगर निवासी सुनिल, रामकुमार, गांधी कालोनी निवासी देवेन्द्र और एनआईटी निवासी सागर शामिल है।

सेनिटाइजर, फल और मिठाईयां बांट मनाया जन्मदिन

फरीदाबाद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा कुमारी सैलजा का जन्मदिन आज जिले के कांग्रेसियों ने प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़ के सेक्टर-10 स्थित कांग्रेस भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया।

इस दौरान कांग्रेसियों ने मास्क पहनकर व सोशल डिस्टेंसिंग की पूरी तरह से पालना करते हुए केक काटा और सेनिटाइजर, फल व मिठाईयां वितरित की और कुमारी सैलजा की दीर्घायु की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि उनके कुशल नेतृत्व में हरियाणा में कांग्रेस निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर रहेगी। इस मौके पर कांग्रेसियों ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रदेश कांग्रेस कुमारी सैलजा के नेतृत्व में निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर हो रही है, जिस प्रकार वे हर छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को मान सम्मान दे रही है, उससे कार्यकर्ताओं में भी पार्टी के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठा बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि जनता के अहित मुद्दों पर कुमारी सैलजा की सरकार पर बेबाकी टिप्पणियां से भाजपा सरकार पूरी तरह से घबराई हुई है क्योंकि भाजपा सरकार ने कोरोना काल में जितने भ्रष्टाचार हुए है, उस सभी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षा कुमारी सैलजा ने पुरजोर तरीके से उठाने का काम किया है और लोगों के समक्ष इस सरकार का असली चेहरा उजागर किया है।

उपाध्याय की जयंती को लेकर की बैठक

बल्लभगढ़। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर शुक्रवार को वेबीनार के माध्यम से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर विधानसभा बल्लभगढ़ के प्रभारी राजकुमार वोहरा ने सेक्टर 8 स्थित हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा नेता पंडित टिपर चंद शर्मा ने की। बैठक में भाजपा के पदाधिकारियों को 25 सितंबर के दिन प्रत्येक शक्ति केंद्र पर शाम 4 बजे मनाई जाने वाली पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के बारे में अवगत कराया गया। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों ने पंडित दीनदयाल के जीवन पर चर्चा की। भाजपा नेता राजकुमार वोहरा ने बताया कि पंडित दीनदयाल की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के कार्यक्रम हर बूथ स्तर पर आयोजित होंगे, जिनको लाइव डिजिटल माध्यम से जोड़ा जाएगा।

प्राइवेट शिक्षकों का कोरोना टेस्ट भी हो फ्री : चंद्र सेन

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष चंद्र सेन शर्मा के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी सतेंद्र कौर वर्मा से उनके कार्यालय में मिला। जिसमें प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें एक ज्ञापन सरकार के नाम सौंपा। जिसमें एसोसिएशन ने मांग की है कि सभी स्कूल कोरोना महामारी के कारण पिछले 6 महीने से बंद पड़े हैं। अब सरकार ने कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के बच्चों को अभिभावकों की सहमति पर स्कूल में पढ़ाई हेतु संपर्क की छूट दी है, तो सरकार ने प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों के कोरोना टेस्ट की फीस निर्धारित कर दी है, जबकि सरकारी शिक्षकों का कोरोना टेस्ट फ्री में हो रहा है, ऐसा भेदभाव शिक्षकों से क्यों? आखिर शिक्षक तो शिक्षक है फिर सौतेला व्यवहार नहीं होना चाहिए, प्राइवेट स्कूलों की आर्थिक हालात पहले से ही ठीक नहीं है। सरकारी स्कूलों की भांति प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों का भी टेस्ट फ्री होना चाहिए।

दुकानों से हजारों का सामान चोरी

फरीदाबाद। एक मिठाई की दुकान व एक इलेक्ट्रिकल एवं मशीनरी की दुकान से चोरों ने बीती रात अपना निशाना बना लिया। चोर दुकानों से हजारों रुपये का सामान, नकदी आदि चोरी करके फरार हो गए। दुकानदारों का आरोप है कि चोर छतों के रस्ते से दुकान में घुसे। दुकानदारों की शिकायत पर आदर्श नगर थाना पुलिस ने जांच शुरू करते हुए मामला दर्ज कर लिया है।

मोहना रोड स्थित गुप्ता स्वीट्स के मालिक राम किशन मित्तल ने पुलिस को बताया कि रोजाना की तरह बुधवार की रात वह अपनी दुकान बंद करके गए थे। बृहस्पतिवार सुबह जब वह दुकान पर आए और उन्होंने दुकान खोली तो दुकान में लगी एलसीडी व गल्ले में रखे 12 हजार रुपये नही थे। छानबीन में पता चला कि चोर उनकी छत से दुकान में आए थे। इसी प्रकार उनके पड़ोसी देवेंद्र इलेक्ट्रिकल एवं मशीनरी के मालिक ने बताया कि चोर बुधवार की रात उनकी दुकान की छत से अंदर घुस आए।

कृषि विधेयकों के विरोध में आप का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री का पुतला फूंक भेजा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लोकसभा के बाद राज्य सभा में सभी मर्यादाओं को ताक पर बिना बहस पास कराये गए कृषि सबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ राज्यसभा सांसद एवं आम आदमी पार्टी हरियाणा के सहप्रभारी डॉ सुशील गुप्ता के नेतृत्व में वीरवार को आम आदमी पार्टी द्वारा बीके चौक पर धरना प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने की। डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा है कि देश के सर्वोच्च सदन राज्यसभा में सभी नियम कायदों तथा मर्यादाओं की तार तार करते हुए, किसानों की आपत्तियों को नज़र अंदाज कर तथा विपक्ष की आवाज को दबाते हुए बिना वोटिंग के जिस तरह ध्वनिमत एवं धक्के से इन

विधेयकों का पास कराया है वह दुर्भाग्य पूर्ण है। उन्होंने बताया कि राज्य सभा में माननीय सदस्यों ने सदन के उप सभापति से बार बार ये अनुरोध किया था कि इन बिलों पर सदस्यों की वोटिंग कराई जाए लेकिन उन्होंने वोटिंग नहीं कराई, इसलिए ये बिल अवैध है। उन्होंने राष्ट्रपति से इन बिलों पर हस्ताक्षर नहीं करने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह अवैध रूप से ये बिल पास किये गए हैं, इसलिए यह दिन देश के इतिहास में एक काले दिवस के रूप सदैव गिना जाएगा। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं के खिलाफ षड्यंत्र रच कर भाजपा सरकार ने किसान विरोधी विधेयक ला कर देश की आत्मा पर घिनोना प्रहार किया है, जिसे देश की जनता कभी भी माफ़ नहीं करेगी। भाजपा देश को निजीकरण की तरफ ले जाकर पूंजीपतियों के हाथ में देने की गहरी साज़िश का खेल रही है और ये तीनों विधेयक भी उसी साज़िश का हिस्सा हैं तथा इन कृषि विरोधी जैसे काले कानून बना कर व्यापारियों के साथ साथ एवं किसानों को भी पूंजी पतियों का गुलाम बना रही है। जिसे देश कभी भी सफल नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि मंडी व्यवस्था को समाप्त करने का मतलब न्यूनतम समर्थन मूल्य का समाप्त होना है। उन्होंने सरकार से जवाब माँगा कि अगर अनाज मण्डी ही समाप्त हो जाएँगी तो छोटे किसानों को एमएसपी कौन देगा और कैसे देगा? क्या एफसीआई 15.5 करोड़ किसानों के खेत से एमएसपी पर फसल खरीद सकेगी? क्या आढ़ती एवं मजदूर किसानों की फसल बेचने में बाधक बन रहे थे? उन्होंने कहा की अगर भाजपा की नीयत किसानों के प्रति ईमानदारी की होती तो इस विधेयकों में एमएसपी का प्रावधान होता तथा किसानों को पूरी कीमत देने की गारंटी होती। उन्होंने राष्ट्रपति महोदय से मांग की है कि राज्य सभा में सदस्यों ने सदन के उप सभापति से बार बार ये अनुरोध किया था कि इन बिलों पर सदस्यों की वोटिंग कराई जाए,लेकिन उन्होंने वोटिंग नहीं कराई,जिसके चलते ये बिल अवैध है, इसलिए इन बिलों पर आप अपने हस्ताक्षर न करें तथा इन्हें किसानों के लिए आत्मघाती बने इन तीनों बिलों को निरस्त किया जाए और पहले जैसी ही व्यवस्था बहाल की जाए।

टीबी समाप्ति को दवा से ज्यादा जागरूकता की जरूरत : डॉ. विजय

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

जिला उप चिकित्सा अधिकारी एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार ने कहा कि टीबी को जड़ से समाप्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायत, शिक्षा और सामाजिक संगठनों को भी साथ आना होगा। टीबी रोग को समाप्त करने के लिए दवा से ज्यादा जागरूकता की जरूरत है। कोरोना काल में टीबी के रोगियों की संख्या कम हुई है।

गुरुवार को सोहना के नागरिक अस्पताल परिसर में निक्षय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला उपचिकित्सा अधिकारी एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार, स्थानीय

कोरोना काल में टीबी के रोगियों की संख्या कम हुई

अस्पताल के प्रभारी डॉ. नवल किशोर, घंघौला एसएमओ डॉ. विकास कुमार व आयुष विभाग के डॉ. कुलभूषण आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार ने बताया कि टीवी को जड़ समाप्त करने के लिए ग्राम सभा की बैठकों से लेकर स्कूलों में, पंचायत भवन आदि में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। ताकि सभाओं के माध्यम से टीवी की बीमारी को जड़ समाप्त किया जा सके। ये काम अकेला स्वास्थ्य

सोहना के नागरिक अस्पताल में डॉ. विजय कुमार निक्षय दिवस के अवसर पर संबोधन करते हुए।

विभाग नहीं कर सकता। इसके लिए पंचायत विभाग, ग्राम पंचायत, शिक्षा विभाग को आगे आना होगा। आशा वर्कर्स और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं को जागरूकता के अभियानों में हिस्सा लेकर लोगों को जागरूक करना होगा। क्योंकि टीबी या कोरोना जैसी महामारी को हराने के लिए दवाओं से ज्यादा जागरूकता की आवश्यकता है। डॉ. विजय ने कहा कि कोरोना काल में अपनाएं जा रहे सुरक्षा उपाय से टीबी के रोगियों की संख्या में गिरावट आई है।

10 से 12 लाख रुपये एक रोगी पर खर्च

प्रदेश सरकार टीवी के एक रोगी का उपचार कराने में 10 से 12 लाख रुपये खर्च कर रही है। यदि रोगी सही समय पर, सही उपचार करवाता है। उसकी यह बीमारी समाप्त हो जाती है, लेकिन यह छूत का रोग होने के कारण रोगी समय पर अपनी जांच कराए। वह रोग को लेकर आम जनता के बीच न जाए। जागरूकता ही सबसे बड़ा और सरल उपचार है।

डॉ. विजय कुमार,
जिला उपचिकित्सा अधिकारी एवं टीवी रोग विशेषज्ञ

एक करोड़ 22 लाख रुपये की राशि वितरित

टीबी रोगी को अब उपचार के दौरान हर माह सरकार से प्रोटीन युक्त खाना खाने के लिए 500 रुपये देती है। यह राशि रोगी के बैंक खाते में ऑन लाइन आती है। यह योजना वर्ष 2018 में शुरू की थी। स्वास्थ्य विभाग ने जिला गुरुग्राम में अब तक एक करोड़ 22 लाख रुपये की राशि टीवी रोगियों को वितरण की है। जो रोगी के द्वारा टीवी का प्राइवेट डॉक्टर से उपचार कराने पर भी प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

सरकारी राशन की अवैध सप्लाई पर सीआईडी का छापा

आढ़ती से बरामद किए गए कट्टे।

पायनियर समाचार सेवा। तावड़ू

एक आढ़ती से सीआईडी ने बरामद किए गेंहू के 34 कट्टे

पुलिस ने मामले में गाड़ी मालिक और आढ़ती को बनाया आरोपी

यहां सरकारी राशन की हेराफेरी का मामला सामने आया है। नूंह जिले की सीआईडी ने तावड़ू नई अनाज मंडी के एक आढ़ती के प्रतिष्ठान पर छापेमारी कर गेंहू के 34 कट्टों (17 क्विंटल) को बरामद किया है। सीआईडी अधिकारियों का कहना है ये कट्टे गांव मोहम्मदपुर अहीर से अवैध तौर पर यहां पहुंचाए गए हैं। अब ये किसी आंगनवाड़ी से यहां पहुंचाए गए हैं या डिपो से इसकी जांच फूड विभाग व पुलिस कर रही है। इस मामले में स्थानीय खाद्य एवं पूर्ति विभाग के निरीक्षक की शिकायत पर पिकअप के अज्ञात चालक के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

सीआईडी को सूचना मिली कि तावड़ू उपमंडल के गांव मोहम्मदपुर अहीर से सरकारी राशन तावड़ू की नई अनाज मंडी के एक आढती के यहां अवैध तौर पर सप्लाई होता है। मामले का पर्दाफाश करने को लेकर बुधवार को सीआइडी ने जाल बिछाया। सूचना के मुताबिक सीआईडी टीम नई अनाज मंडी की आढत नंबर 91 पर पहुंची। जहां पर एक पिकअप गाडी से गेहूं के कट्टे उतारे जा रहे थे। सीआइडी टीम को देखकर पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। उसके बाद सीआइडी ने फूड सप्लाई विभाग को मामले की सूचना दी। सूचना पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक उमर मोहम्मद मौके पर पहुंचे व दोनों टीमों ने जांच पड़ताल की। इन अधिकारियों ने आढती कृष्णलाल से भी पूछताछ की। जिसमें आढती ने बताया कि इन कट्टों में कीडा लगने के चलते वह गांव मोहम्मदपुर अहीर में स्थित अपने घर से लाया है। वहीं मामले के जांच अधिकारी सब इंसपेक्टर कल्लू खान ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की तफ्तीश जारी है। गाड़ी बरामद कर ली है। मामले में गाड़ी मालिक व आढ़ती को आरोपी बनाया गया है। वहीं नूंह जिले के सीआइडी इंसपेक्टर राजेंद्र कुमार ने कहा कि सूचना पर सीआईडी ने यह कार्रवाई की है। ये सरकारी राशन है। यह आंगनवाड़ी या राशन डिपो से यहां लाया गया इसकी जांच फूड सप्लाई विभाग व पुलिस कर रही है। वहीं खाद्य एवं पूर्ति विभाग के निरीक्षक से जब इस संदर्भ में बात करनी चाही तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

जिले की पांच मंडियों में पहली से होगी बाजरा की खरीद

मंडियों में केवल 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा'पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की ही फसल की खरीद होगी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला में बाजरा फसल की खरीद प्रक्रिया एक अक्टूबर से शुरू होगी। जिला की पांच मंडियों सोहना, फरुखनगर, पटौदी, हेलीमंडी, खोड़ मंडी में बाजरे की खरीद होगी।

उपायुक्त अमित खत्री ने बताया कि मंडियों में आने वाले किसानों को गेट पास के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। गेट पास किसान मंडी में आने पर गेट से प्राप्त कर सकता है। गौरतलब है कि 2150 रूपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद होगी। उन्होंने बताया कि मंडियों में केवल 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा ' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की ही फसल की खरीद की जाएगी। खत्री ने बताया कि कोरोना संकमण को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्था की गई है कि किसान एक साथ मंडी में इकठ्ठा ना हो, सभी बारी-बारी से अपनी फसल लेकर मंडी में आए। यह सुनिश्चित करने के लिये मंडियों में खरीद का कार्य दो शिफ्टों में किया जाएगा। उन्होंने सभी किसानों से कहा कि खरीद कार्य के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो , इसके लिए मंडियों में आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। इस बारे में अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि पंजीकृत किसानों को प्रशासन की ओर से निर्धारित शेड्यूल अनुसार ही उनकी बाजरे की फसल बेचने के लिए एक दिन पहले सूचना देकर बुलाया जाएगा तथा एसएमएस के माध्यम से भी उन्हें अवगत कराया जाएगा ताकि कोरोना वैश्विक महामारी के दौर में निर्धारित स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर की अनुपालना बनी रहे। खत्री ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाने के साथ साथ उनकी फसल का दाना दाना खरीदा जाए। उन्होंने बताया कि कोरोना से बचाव के लिये मंडियों में फेस मास्क, हैंड सेनिटाइजर सहित कोविड-19 प्रोटोकॉल का गंभीरता से पालन करवाया जाएगा। इसके साथ ही मंडियों में आने वाले किसानों की एंट्री गेट पर थर्मल स्कैनिंग की जाएगी। मंडियों में किसान जब अपनी फसल लाएं, उस समय सरकार द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर जारी हिदायतों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाएगी।

प्याज के बीज पर पांच सौ रुपये प्रति किलो का अनुदान : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह।

नूंह जिले के उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने बताया कि किसान खेती के साथ-साथ बागवानी अपना कर अपनी आय दोगुना कर सकते हैं। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कई योजनाएं क्रियांवित की गई हैं। योजनाओं के माध्यम से किसानों को बेहतर अनुदान भी दिया जाता है। सरकार द्वारा किसानों का रबी प्याज की खेती की ओर रुझान बढ़ाने के लिए प्याज के बीज पर 500 रुपये प्रति किलोग्राम अनुदान देने का निर्णय लिया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि जिला बागवानी विभाग द्वारा समय-समय पर जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को बागवानी अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। इन योजनाओं के तहत अनुदान पाने के लिए किसानों को मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। यदि किसान पंजीकरण नहीं करवाते हैं तो उन्हें इन योजनाओं के तहत अनुदान राशि नहीं मिलेगी। प्याज के एक किलो बीज पर 500 रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। एक किसान अधिकतम एक हेक्टेयर के लिए 10 किलोग्राम बीज तक ले सकता है। औसतन एक एकड़ में करीब चार किलो प्याज का बीज लगता है। इस पर प्रति किलोग्राम 500 रुपये अनुदान के अनुसार किसान को प्रति एकड़ दो हजार का अनुदान मिलेगा। वहीं एक किसान अधिकतम अनुदान राशि 5 हजार तक ले सकता है। किसान उच्च बीज को एनएचआरडीएफ के बीज बिक्री केंद्र जिला उद्यान अधिकारी नूंह के बीज बिक्री केंद्र से ले सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि किसान बीज के बिल को आवेदन करते हुए बागवानी विभाग में जमा करवा दें ताकि उन किसानों की अनुदान राशि उनके खाते में आ सके।

आंगनबाड़ी के 212 केन्द्रों पर पोषण सप्ताह की शुरूआत की

सोहना। महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग अपने सभी 212 केन्द्रों पर 30 सितम्बर तक पोषण सप्ताह मनाएगा। इस पोषण सप्ताह के अवसर पर हर रोज कोविड-19 के निमयमों को एजेंडा में लिखा जाएगा। गुरूवार से ब्लॉक के सभी आंगनबाड़ी सेंटरों पर औषधि वाले पौधों का रोपण करते हुए पोषण सप्ताह मनाने की शुरूआत की गई। प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र पर लगाया गया औषधि पौधा के लाभ और उसकी उपयोगिता की जानकारी ग्रामीण महिलाओं को दी जाएगी। सुपरवाइजर रेखा सोनी ने बताया कि पोषण सप्ताह के दौरान आंगनबाड़ी केंन्द्रों पर तैयार किया गया।

मुठभेड़ के बाद दो हथियार तस्कर काबू

गुरुग्राम। क्राइम ब्रांच मानेसर की टीम ने मुठभेड़ के बाद दो हथियार तस्कर को गिरफ्तार कर टोयोटा कार से हथियारों का जखीरा बरामद कर लिया। टोयोटा कार से 11 ऑटोमेटिक पिस्टल एवं सात कारतूस की बरामदगी की गई। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

क्राइम ब्रांच मानेसर के प्रभारी अमित कुमार को सूचना मिली कि राजस्थान से हथियार तस्कर गुरुग्राम पहुंच रहे हैं। जिस पर टीम गठित कर गांव सहरावन एवं मानेसर इलाके में नाकेबंदी की गई। तस्कर टोयोटा कार में सवार होकर गांव सहरावन में कच्चे रास्ते से होते हुए गुरुग्राम जा रहे थे। पुलिस को देखते ही आरोपितों ने कार से गोलियां चलाई, लेकिन, पुलिस ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया और कार में सवार दो तस्करों को दबोच लिया।

कार की जांच की गई तो उसमें से हथियारों का जखीरा मिला। टोयोटा कार से 11 ऑटोमेटिक पिस्टल एवं सात कारतूस मिले। पकड़े गए युवक हरियाणा के भिवानी जिले के कुलदीप व यूपी अलीगढ़ का सचिन हैं। वे काफी समय से अवैध हथियार बेचने का धंधा कर रहे थे। वे गुरुग्राम के विभिन्न इलाकों में हथियार लाकर बेचते थे।

कोरोना से बचने को स्वास्थ्य विभाग के आदेशों का पालन जरूरी

नूंह। कोरोना से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अनुसार खान-पान और साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने जरुरत है। खांसते या छींकते समय मुंह पर मास्क या कपडा लगाएं। हाथों को लगातार साबुन से धोएं या सेनेटाइजर का प्रयोग करें। ये जानकारी नूंह के सिविल सर्जन डाक्टर सुरेंद्र कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार यह संक्रमण उन लोगों के लिए बहुत ही घातक है, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है। इसलिए इस महामारी से बचने के लिए हमें अपनी रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए।

अस्पताल की दीवार फांदकर घर में घुसे दो अज्ञात युवक

अस्पताल में सुरक्षा की अवस्थाओं से नाराज लोगों ने किया हंगामा

पुलिस और सीएमओ को शिकायत देकर की कार्रवाई की मांग

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

तावडू के अस्पताल परिसर में एकत्रित लोग।

बुधवार रात शहर के सरकारी अस्पताल की दीवार के साथ बने एक मकान में दो युवकों द्वारा दीवार फांद कर घर में घुसने का मामला सामने आया है। हालांकि मकान में रहने वाले लोगों की सजगता के चलते आरोपी किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम नहीं दे सके लेकिन पुलिस गहनता से मामले की जांच में जुटी है।

वार्ड नंबर-10 निवासी शक्ति किरण ने बताया कि बुधवार की रात के करीब ढाई बजे सरकारी अस्पताल की दीवार से दो व्यक्ति उनके घर में घुस आए। उन्होंने बताया कि उस समय उनकी पत्नी शौच के लिए उठी थी। आरोपियों के घर में प्रवेश करने पर उनकी पत्नी ने शोर मचा दिया जिसके बाद वह भी उठ गए और दो अज्ञात व्यक्ति सरकारी अस्पताल परिसर की ओर कूद गए। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने शोर मचाया तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी और देकर फरार हो गए। घटना की सूचना के बाद सुबह होने पर अस्पताल भवन परिसर के नजदीक रहने वाले और अन्य नगरवासी रज्जू सहरावत, सुशील भारद्वाज, भाजपा नेता नरेश ढल, धर्मेंद्र भारद्वाज, अमित सोनी, अश्वनी नासा मौके पर पहुंच गए और अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसी दौरान जिले के नवनियुक्त सीएमओ सुरेंद्र यादव भी मौके पर पहुंच गए। जिनके सामने शहरवासियों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाया और अपनी पीड़ा उनके सामने रखी। पीड़ित व्यक्ति ने सीएमओ से कहा कि रात को अस्पताल में 6 कर्मचारी थे, जिनमें 1-1 वार्ड ब्वॉय, सिक्योरिटी गार्ड, चपडासी व 3 नर्स शामिल हैं। इस घटना में तीन पुरूष कर्मचारियों में से दो ने अंजाम दिया है इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा अस्पताल भवन परिसर में हंगामा कर रहे शहरवासियों ने सीएमओ के सामने हाल ही में अस्पताल में ठेकेदार के द्वारा की गई भर्तियों पर भी सवाल उठाया व इन भर्तियों में जमकर भ्रष्टाचार होने की बात कही।

लोगों ने सीएमओ से इन भर्तियों की गहनता से जांच करने की भी बात कही। वहीं लोगों ने यह भी कहा कि अस्पताल में एनजीटी के आदेशों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। आसपास के सामने कूड़ा व मेडिकल वेस्ट फेंककर जलाया जाता है। नूंह के सीएमओ डा. सुरेंद्र यादव का कहना है कि पीड़ित व्यक्ति व लोगों ने जो शिकायत दी है उसकी गहनता से जांच होगी।

शराब पिलाने के बाद सिर पर पत्थर मारकर की हत्या

गुरुग्राम। गार्ड की हत्या के आरोपित को पुलिस ने नाथुपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने पुलिस को बताया कि उसने गार्ड सुरेश के साथ शराब पी, इसके बाद उसके सिर पर पत्थर मारकर गटर में फेंक दिया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

गांव ग्वालपहाड़ी निवासी 48 वर्षीय सुरेश का शव गत दिवस द्रोणाचार्य मेट्रो स्टेशन के नजदीक एक गटर में मिला। वह डीएलएफ फेज-तीन इलाके की एक सोसायटी में गार्ड की नौकरी करते थे। डीएलएफ फेज-तीन थाना पुलिस ने शक के आधार पर सोसायटी में ही चालक का काम करने वाले उत्तराखंड के अलमोड़ा निवासी जगत सिंह को गांव नाथूपुर इलाके से गिरफ्तार किया तो पूरी सच्चाई सामने आ गई।

जगत सिंह ने पुलिस को बताया कि बीती 14 सितंबर की रात उसने सुरेश ने एक साथ बैठकर मेट्रो स्टेशन के नजदीक शराब पी थी। उसी दौरान उसने सुरेश के सिर पर पहले पत्थर से हमला किया था। जब वह बेहोश हो गए तो उन्हें उठाकर गटर में डाल दिया था। ग्रामीण मंगल सिंह ने बताया कि 14 सितंबर से ही सुरेश लापता थे। वह घर से ड्यूटी करने गए थे लेकिन वापस नहीं लौटे। कई दिनों तक खोजबीन के बाद भी वह नहीं मिले।

रंजिश में फायरिंग के आरोप में तीन पकड़े

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस द्वारा पकड़े आरोपी।

एन्टी व्हीकल थैप्ट स्टाफ हथीन ने 16 सितंबर को अन्धुआ पट्टी होडल में हुई गोलीबारी के सम्बन्ध मे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश करके गहन पूछताछ व बरामदगी के लिये पुलिस रिमांड पर लिया है।

एन्टी व्हीकल थैप्ट प्रभारी निरीक्षक सुरेश भडाना ने बताया कि उनकी टीम से उप निरीक्षक ईश्वर सिंह व पुलिस पार्टी पलवल शहर मे गश्त मे मौजूद थी। उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि अन्धुआ पट्टी होडल मे पुरानी रंजिश के चलते गोलीबारी करने वाले तीन आरोपी किठवाडी पुल के पास मौजूद हैं। जो कहीं जाने की फिराक में हैं। टीम द्वारा तुरन्त मौके पर रेड करके तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश करके पूछताछ व बरामदगी के लिए पुलिस रिमान्ड पर लिया है। इस सम्बन्ध में पीड़ित पवन निवासी अन्धुआ पट्टी होडल की शिकायत पर हत्या के प्रयास का मामला थाना होडल में दर्ज है।

सोहना आईटीआई में 1160 बच्चों ने किए ऑनलाइन आवेदन

सोहना। सोहना की आईटीआई में अलग-अलग ट्रेडों में अब तक 1160 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें सबसे ज्यादा आवेदन वैल्डर ट्रेड में प्राप्त हुए है।

आईटीआई में आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 सितम्बर है। सोहना आईटीआई के प्रधानाचार्य विनोद कुमार खंगवाल ने बताया कि कोविड-19 के चलते विद्यार्थियों में दाखिला लेने का जोश कम नहीं है।

लैंक्सेस इंडिया ने छह वेंटिलेटर किए दान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना वायरस महामारी से निपटने में मदद के लिए, केमिकल कंपनी लैंक्सेस ने ठाणे, महाराष्ट्र में कौशल्या मेडिकल फाउंडेशन ट्रस्ट हॉस्पिटल और बेथानी हॉस्पिटल में एक करोड़ रुपये से अधिक के 6 वेंटिलेटर डोनेट किए हैं। दोनों अस्पतालों को तीन-तीन वेंटिलेटर दिए गए हैं। यह पहल साल 2020-21 के लिए कंपनी की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) का एक हिस्सा है। ठाणे में स्थित ये अस्पताल इन वेंटिलेटर का उपयोग क्षेत्र के रोगियों के इलाज के लिए करेंगे। लैंक्सेस स्थानीय समुदाय को महामारी से लड़ने में मदद करने के लिए अधिकारियों और चिकित्सा संस्थानों के साथ सहयोग कर रही है। गौरतलब है कि लैंक्सेस इंडिया ने कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के संबंध में कई पहल की हैं। कंपनी ने दो करोड़ रुपये प्राइम मिनिस्टर्स सिटीजन असिस्टेंस एंड रिलीफ इन इमरजेंसी सिचुएशंस फंड (पीएम केयर्स) में दान किए और 30 लाख रुपये की राहत सामग्री महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में स्थानीय प्रशासन को प्रदान की। इसमें अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ सहयोग भी शामिल था, जिसके माध्यम से कंपनी ने जरूरतमंदों को मुफ्त में 30 हजार से अधिक भोजन के पैकेट बांटे। लैंक्सेस ने महाराष्ट्र सरकार के राहत समन्वय केंद्र के माध्यम से बीएमसी और टीएमसी को अपने अत्यधिक प्रभावी सर्फेस डिसइंफेक्टेंट रिलाय प्लस ऑन विक्रोन दान किया। कंपनी ने एक टन डिसइंफेक्टेंट मुहैया कराया ताकि कोरोनो वायरस के संक्रमण को कम करने में मदद मिले।

कृषि विधेयकों के खिलाफ आप ने पीएम और सीएम का पुतला फूंका

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लोकसभा के बाद राज्य सभा में बिना बहस पास कराये गए कृषि संबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ आम आदमी पार्टी दक्षिण हरियाणा इकाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पुतला फूंका। वहीं सोहना चौक से लेकर लघु सचिवालय तक पैदल मार्च निकाला। राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त की अनुपस्थिति में एसडीएम जितेन्द्र कुमार को ज्ञापन सौंपा। आम आदमी पार्टी ने बिल वापस करने के नारे लगाए और बृहस्पतिवार को काला दिवस घोषित किया गया।

इस अवसर पर आप पार्टी के दक्षिण हरियाणा इकाई के अध्यक्ष आरएस राठी ने कहा कि देश के सर्वोच्च सदन राज्य सभा में सभी मर्यादाओं को ताक पर रख, किसानों की आपत्तिओं को नजरंदाज तथा विपक्ष की आवाज को दबाते हुए बिना वोटिंग के जिस तरह ध्वनिमत एवं

राज्य सभा में बिना बहस पास कराये गए कृषि संबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ आम आदमी पार्टी दक्षिण हरियाणा इकाई।

धक्के से इन विधेयकों का पास कराया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सभा में सदस्यों ने सदन के उपसभापति से बार-बार इन बिलों पर सदस्यों की वोटिंग कराने की मांग की, लेकिन वोटिंग नहीं कराई इसलिए ये बिल अवैध है। राष्ट्रपति से इन बिलों पर हस्ताक्षर न करने की अपील की गई है। युवा अध्यक्ष धीरज यादव, बादशाहपुर अध्यक्ष डॉ सारिका वर्मा ने कहा कि अन्नदाताओं के खिलाफ षड्यंत्र रच कर भाजपा सरकार ने किसान विरोधी विधेयक ला कर देश की आत्मा पर घिनौना प्रहार किया है। भाजपा देश को निजीकरण की तरफ ले जाकर पूंजीपतियों के हाथ में देने की गहरी साजिश का खेल रही है तथा इन कृषि विरोधी जैसे काले कानून बना कर व्यापारियों के साथ साथ एवं किसानों को भी पूंजी पतियों का गुलाम बना रही है। पार्टी सरकार से जवाब मांगती है कि अगर अनाज मण्डी समाप्त हो आएंगी तो छोटे किसानों को एमएसपी कौन देगा और कैसे देगा। क्या एफसीआई 15.5 करोड़ कसानों के खेत से एमएसपी पर फसल खरीद सकेगी। क्या आढ़ती एवं मजदूर किसानों की फसल बेचने में बाधक बन रहे थे। इस दौरान दक्षिण हरियाणा अध्यक्ष आरएस राठी, युवा अध्यक्ष धीरज यादव, बादशाहपुर विधानसभा अध्यक्ष डॉ सारिका वर्मा, गुरुग्राम युवा अध्यक्ष रूस्तम चौहान, ऋषि गोयल, एडवोकेट अशोक वर्मा काननूी सैल अध्यक्ष, अखिल सचदेवा, मीनू सिंह, चांद मोहम्मद, संदीप जाखड़, दिनेश कुमार, मुकेश प्रजापति, राम गौतम, संत राम, कुशेश्वर भगत, अलरीना, महिपाल यादव, अरूण भूपेन्द्र शर्मा सहित शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन कर फूंका पुतला

पलवल। आम आदमी पार्टी जिला इकाई पलवल ने अपना विरोध दर्ज करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का अलावलपुर चौक पर पुतला फूंका। कार्यक्रम का आयोजन जिला इकाई पलवल के जिलाध्यक्ष कुलदीप कौशिक के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर कुलदीप कौशिक ने कहा कि भारत भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार पूरे देश में एक तरफ जहां कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से निपटने में नाकाम रही, वहीं दूसरी तरफ कोरोना की आड़ में इस भयंकर महामारी के दौरान किसान विरोधी बिल लेकर आई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा पास किए गए इस बिल से पूरे देश में मोदी विरोधी लहर चल रही है। ये बिल केवल और केवल पूंजीपतियों को अधिक मुनाफा कमाने, जमाखोरी करने, आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई रोककर उनकी कीमत बढ़ाने और आमजन का जीवन यापन दुर्लभ करने के उद्देश्य से पास किया गया है। आज आम आदमी पार्टी पूरे देश में किसान विरोधी बिल का विरोध करते हुए प्रदर्शन कर रही है। सरकार को चाहिए कि युवाओं को रोजगार दे बच्चों को शिक्षा दें, मरीजों को इलाज दें और किसानों को उनकी फसल का उचित दाम दे। इस मौके पर दक्षिण जोन हरियाणा के संगठन मंत्री ओम प्रकाश गुप्ता, प्रवक्ता कौशल ततारपुर, जिला संगठन मंत्री धर्मेंद्र सिंह, जिला सचिव सचिन बंसल, कोषाध्यक्ष एसपी मित्तल, उपाध्यक्ष नेपाल तंवर, सीताराम, रहीम खान, वीरेंद्र सिंह आदि समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व विधायकों की नाराजगी दूर करेगी भाजपा, धनखड़ को सौंपी जिम्मेदारी

हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष धनखड़ को सौंपा इन्हें मनाने का जिम्मा

धनखड़ ने की दो पूर्व विधायकों से की अलग-अलग बातचीत

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

टिकट की चाह में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पूर्व विधायकों की नाराजगी दूर करने की कवायद पार्टी ने शुरू कर दी है। इसका जिम्मा हरियाणा बीजेपी के अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ को सौंपा गया है। धनखड़ इन पूर्व विधायकों से अलग-अलग बातचीत कर उन्हें कृषि विधेयकों के विरुद्ध बने माहौल के खिलाफ लड़ने को तैयार कर रहे हैं। इन पूर्व विधायकों ने धनखड़ को कह दिया कि वह किसानों, युवाओं और महिलाओं के बूते ही चुनाव जीतते आए हैं। जो राजनीतिक दल उनके हित की बात नहीं करेगा, उसके लिए मुश्किलें खड़ी होना तय है।

विधानसभा चुनाव से पूर्व करीब दो दर्जन विधायक और पूर्व विधायक बीजेपी में शामिल हुए थे। इनमें से कई को टिकट मिल गए थे तो अधिकतर टिकट से वंचित रह गए थे। बीजेपी व जजपा गठबंधन की सरकार बनने के बाद से यह पूर्व विधायक खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। अब कृषि विधेयकों के विरोध की बात आई तो इन पूर्व विधायकों ने सिर जोड़ लिए तथा पार्टी पर किसानों की बात सुनने का दबाव बढ़ा दिया। इसे लेकर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रामपाल माजरा, पूर्व विधायक परमेंद्र ढुल, पूर्व विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, पूर्व विधायक बूटा सिंह, कांग्रेस के पूर्व विभाग भागसिंह छातर और

बीजेपी के पूर्व सीपीएस श्याम सिंह राणा ने बुधवार को पंचकूला के जिमखाना क्लब में बैठक भी की। बैठक के बाद रामपाल माजरा और परमेन्द्र सिंह ढुल ने दावा किया कि बाकी पूर्व विधायक भी उनके संपर्क में हैं और जल्द ही एक बड़ी मीटिंग का आयोजन कर किसानों, व्यापारियों, कर्मचारियों, युवाओं तथा महिलाओं के हक में आवाज बुलंद की जाएगी। यह पूर्व विधायक हालांकि किसानों के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठा रहे हैं, लेकिन वास्तव में पार्टी और सरकार में अपनी सुनवाई नहीं होने से नाराज हैं। उनकी दलील है कि कार्यकर्ता और लोग काम चाहते हैं। वे ही नहीं होंगे तो आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है।

इन पूर्व विधायकों की मीटिंग की सूचना मिलने के बाद ओमप्रकाश धनखड़ ने बृहस्पतिवार सुबह अपने पंचकूला निवास पर दो पूर्व विधायकों परमेंद्र ढुल और बलवान सिंह दौलतपुरिया से अलग-अलग बातचीत की। रामपाल माजरा को इस बातचीत में शामिल नहीं किया। संभावना जताई जा रही है कि बातचीत का यह क्रम आगे भी चलता रहेगा। इससे पहले बुधवार रात को रामपाल माजरा और इनेलो छोड़कर कांग्रेस में चले गए अशोक अरोड़ा के बीच मंत्रणा हुई। दोनों पुराने दोस्त हैं और इस मुलाकात को भी उन्होंने मित्रता वाली मुलाकात करार दिया है। यदि यह पूर्व विधायक बीजेपी से किनारा करते हैं तो राजनीतिक गलियारों में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। वैसे भी बरोदा विधानसभा का चुनाव सिर पर है।

महिला पुलिस अधिकारी को पीटा, असला छीनने का प्रयास

गांव भूड़ला की है घटना, गढ़ी बोलनी चौकी प्रभारी के साथ हुई वारदात

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

झगड़े की शिकायत मिलने के बाद जांच के लिए पहुंची एक महिला पुलिस अधिकारी की एक महिला ने पिटाई कर घायल कर दिया। इतना ही नहीं महिला ने कर्मचारी के साथ गए अन्य कर्मचारी से उसका असला छीनने का भी प्रयास किया। महिला अधिकारी ने ट्रॉमा सेंटर में अपना उपचार कराया। पुलिस ने महिला के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार गढ़ी बोलनी चौकी पुलिस में 100 नंबर से सूचना मिली कि गांव भूड़ला में झगड़ा हो गया है। एक महिला ने इसकी शिकायत दर्ज कराई है। सूचना मिलने के बाद गढ़ी बोलनी चौकी प्रभारी सुनीता देवी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ गांव भूड़ला पहुंची। उन्होंने दोनों पक्षों को बुलाया। महिला अधिकारी अभी पूछताछ ही कर रही थी कि एक महिला ने उस पर हमला कर दिया। महिला अधिकारी को पीटना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, जब उसके अधीनस्थ कर्मचारी बीच-बचाव करने लगे तो आरोपी महिला ने उससे उसका असला छीनने का भी प्रयास किया। किसी तरह सभी को अलग कराया गया। घायल महिला अधिकारी को उपचार के लिए शहर के ट्रॉमा सेंटर में लाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया। घायल महिला अधिकारी सुनीता देवी ने बताया कि महिला ने उसके बाल खींच लिए तथा उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी मिली है कि यहां सास-बहू का झगड़ा था। झगड़ा किस बात को लेकर हुआ था, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

संक्षिप्त-समाचार

दंपति पर चाकू से हमला, एसपी से लगाई न्याय की गुहार

भिवानी। लेबर कालोनी में 20 दिन पहले अपनी मां से मिलने के लिए गए एक व्यक्ति व उसकी पत्नी पर भाई व उसकी पत्नी ने हमला कर दिया। दोनों को आधा दर्जन व्यक्तियों ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया था। इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई न किए जाने पर पीड़ित दंपति ने बुधवार को एसपी से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई है। दंपति ने आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। लेबर कालोनी निवसी राजेश ने एसपी को दी गई शिकायत में बताया कि तीन सितंबर 2020 को वह अपनी मां से मिलने के लिए पत्नी सरोजबाला के साथ गया था। दोनों पर उसके भाई व उसकी पत्नी सहित कुछ लोगों ने हमला कर घायल कर दिया था। शहर थाना पुलिस ने उसके बयान पर मामला दर्ज किया, लेकिन आज तक आरोपित गिरफ्तार नहीं किए गए। पुलिस अधीक्षक से मुलाकात उसने आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग की। एसपी ने इस मामले में जल्द ही कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

भारत बंद को सफल बनाने के लिए संगठन ने किया प्रचार

कुरुक्षेत्र। आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने 25 सितंबर के भारत बंद को सफल बनाने के लिए लोगों को सहयोग करने हेतु जागरूक किया। इसके लिए गांव घराड़सी, झिंझरपुर, बारना, कमोदा, भैंसी माजरा, सारसा, रुआ, बढ़ेंगी आदि दर्जनों गांवों में प्रचार अभियान चलाया गया। इसमें जिला अध्यक्ष कामरेड बाबूराम, जिला कमेटी सदस्य कृष्ण, दर्शन सिंह, सुभाष आदि शामिल रहे। आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव कामरेड राजकुमार सारसा ने बताया कि सरकार का यह प्रचार पूरी तरह छलावा और लोगों को धोखे में रखने वाला है कि इससे न्यूनतम समर्थन मूल्य खत्म नहीं होगा। इससे मार्केट कमेटी और न्यूनतम समर्थन मूल्य पूरी तरह खत्म हो जाएगा। भाजपा सरकार खुद किसान-मजदूरों से वायदा खिलाफी कर रही है। अपने खुद के घोषणा पत्र में हर साल 2 करोड़ रोजगार, किसानों के कर्ज खत्म करने, फसलों के डेढ़ गुणा दाम देने, विदेशों से काला धन लाने, 15-15 लाख लोगों के खाते में डालना जुमला साबित हुआ। इसलिए जो भी सरकार के खिलाफ आवाज उठातें हैं, उसे दबाने का काम कर रही है। इसलिए आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन किसान-मजदूरों से अपील करता है कि 25 सितंबर के भारत बंद को सफल करें।

नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक गंगाराम पुनिया ने संभाला पदभार

करनाल। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि करनाल पुलिस द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायत का जल्द से जल्द व कानून के दायरे में रहते हुये निपटारा प्राथमिकता से किया जायेगा। करनाल में कानूनी व्यवस्था को संभालते के साथ-साथ मुख्य कार्य ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करना, अपराध पर रोकथाम लगाना, अवैध नशे के कारोबार पर पूर्णतह प्रतिबंध लगाने व लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता से निपटारा करना होगा। उन्होंने मीडिया के माध्यम से करनाल वासियों को आस्वस्त किया कि करनाल वासी अपनी जायज समस्याओं को लेकर किसी भी समय फोन कर सकते हैं उनकी फोन कॉल पर तुरंत रिस्पांस दिया जायेगा। बतौर पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभालते ही उन्होने करनाल के डीएसपी व अन्य पुलिस कर्मचारियों की मीटिंग लेकर अपराध पर रोकथाम लगाने के निर्देश दिये गये। व परिवादियों के परिवाद का तीव्र कार्रवाई करते हुये व कानून के दायरे में रहते हुये समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि पुलिस का प्रथम कर्तव्य जन सेवा करना होना चाहिये।

ताऊ देवीलाल की जयंती पर जजपा ने लगाया रक्तदान कैंप

कैथल। पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ चौ.देवीलाल की 107वीं जयंती हर्षोल्लास से कैथल जिले में मनाई जाएगी। कोरोना काल में सावधानी पूर्वक 25 तारीख को गुहला चीका के ताऊ देवीलाल पार्क में प्रात: 8:00 बजे जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। जननायक जनता पार्टी के पूर्व जिला प्रधान रणदीप कौल ने बताया कि इसके बाद प्रात: 9:00 बजे महावीर दल हॉस्पिटल चीका में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 107 यूनिट रक्तदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जजपा द्वारा हर जिले पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रक्तदान कैंप के मुख्यातिथि टोहाना के विधायक देवेंद्र बबली होंगे। रणदीप कौल ने लोगों से कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि जो भी लोग रक्तदान करना चाहें, रक्तदान कैंप में रक्तदान कर सकता है। रक्तदान कैम्प के बाद सभी नेता व कार्यकर्ता अपने अपने वार्ड, गांवों आदि की सामाजिक जगहों पर त्रिवेणी का पौधा लगाएंगे।

मीनाक्षी शर्मा को महिला विंग जिला संयोजक किया नियुक्त

असंध। निफा की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य मे गांव सालवन मे प्रोजेक्ट डायरेक्टर समाजसेवी मिनाक्षी शर्मा की देखरेख मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर मे मुख्य अतिथि के तौर पर राहुल राणा वही निफा चेयरमैन प्रीतपाल सिंह पन्नू ने विशेष रूप से शिरकत की। शिविर में विशिष्ट अतिथि के निफा के आजीवन सदस्य दिलबाग सिंह मान, एडवोकेट कर्मबीर सिंह माहल व चौ.फतेह सिंह ने शिरकत की। मुख्य अतिथि राहुल राणा व निफा चेयरमैन प्रीतपाल पन्नू का जिला प्रधान रणजीत ग्रेटा, डॉ. नरोत्तम राणा व भजनलाल आर्य ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। शिविर में 63 यूनिट रक्त एकत्रित किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज डॉक्टरों की टीम ने विशेष सहयोग किया। राहुल राणा ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है जो किसी भी अनमोल जिदंगी को बचाने में मददगार साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से शरीर में किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती। निफा चेयरमैन प्रीतपाल पन्नू ने कहा कि मीनाक्षी शर्मा को महिला विंग जिला संयोजक नियुक्त किया। पन्नू ने कहा कि रक्त की एक-एक बूंद कीमती है जो दूसरों की जिदंगी बचा सकती है।

मांगें नहीं मानी तो होगी राष्ट्रव्यापी हड़ताल : आशा

कैथल। आशा वर्करों की मांगों का यदि शीघ्र ही समाधान नहीं किया गया तो आशाएं फिर से राज्यव्यापी हड़ताल करने को विवश होंगी। इससे पहले 29 सितंबर को करनाल में मुख्यमंत्री के कैम्प कार्यालय पर राज्य स्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा।

यह बात गुरुवार को यहां आशा वर्कर यूनियन के सचिवालय पर चल रहे धरने को संबोधित करते हुए कलायत सीएचसी की प्रधान प्रवेश ढूंडवा ने कही। उन्होंने कहा कि वे लंबे आंदोलन के लिए तैयार हैं। इससे पहले अनिश्चित कालीन धरने पर मटौर व कुराड़ सेक्टरों और बालू की आशा वर्कर पहुंची। धरने के अध्यक्षता प्रवेश ने की और मंच संचालन सरोज मटौर ने किया। आशा वर्कर सरोज ने बताया कि उनका आंदोलन लगातार 49वें दिन में प्रवेश कर गया है, मगर सरकार आश्वासन के बावजूद भी मांगों का समाधान नहीं कर रही। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ तो सरकार उन्हें कोरोना योद्धा की संज्ञा दे रही है तथा वे 24 घंटे जनता की सेवा में तत्पर हैं। फिर सरकार उनकी मुख्य मांगों के प्रति संवेदनहीन है।

धरने को किसान सभा के नेता महेन्द्र सिंह व सीटू नेता मास्टर जय प्रकाश ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आशाएं वास्तव में जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं दे रही हैं। उनकी मांगों का तुरंत ही समाधान होना चाहिए। धरने को बबीता सिसला, संतोष ढूंडवा, सुदेश दुब्बल, कृष्णा मटौर ने भी संबोधित किया और आंदोलन को तेज करने का निश्चय दोहराया।

12 से 17 अक्टूबर तक मनाया जाएगा कृमि मुक्ति दिवस

भिवानी। राष्ट्रीय स्तर पर हर छह माह में एक वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए व पेट के कीड़े मारने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के तहत एल्बेन्डाजोल की गोली खिलाई जाती है। सिविल सर्जन डॉ. जितेन्द्र कादयान ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के तहत 12 से 17 अक्टूबर को एक से 19 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए व पेट के कीड़े मारने के लिए विभाग द्वारा एल्बेन्डाजोल की गोली खिलाई जाएंगी और जो बच्चे उस दिन रह जाएंगे उन बच्चों को 18 से 20 अक्टूबर को मोप अप दिवस के दिन एल्बेन्डाजोल की गोली खिलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए सभी का स्वस्थ होना जरूरी है। स्वस्थ शरीर होगा तभी बच्चों का पढ़ाई में भी मन लगेगा। इसलिए एक से 19 वर्ष तक के बच्चों को यह गोली खानी अति आवश्यक है।

शिक्षा के साथ बच्चों को देश सेवा के लिए प्रेरित कर रहे लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री

बच्चों में मौलिक अभिव्यक्ति की प्रवृति और सौन्दर्य बोध की समझ विकसित हो

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

अपने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने वाले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहाबाद मारकंडा के प्राध्यापक आचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री ने अलग पहचान बनाई है। शिक्षा क्षेत्र, धर्म की सेवा और समाज सेवा में सक्रिय रहने वाले शास्त्री हमेशा विद्यार्थियों को देश व समाज हित की शिक्षा देते नजर आते हैं। बच्चों में मौलिक अभिव्यक्ति की प्रवृति तथा सौन्दर्य बोध की समझ विकसित हो, इस प्रयास के साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करते उन्हें अक्सर देखा जा सकता है।

प्राध्यापक लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री।

आचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री का मानना है कि जरुरतमंद लोगों का आर्थिक सहयोग और सामाजिक कार्य हर व्यक्ति को करने चाहिए। इन सभी गुणों को यदि विद्यार्थी जीवन में ही पैदा कर दिया जाए, तो फिर बच्चों को निश्चित ही समाज के आदर्श नागरिक के रूप में देखा जा सकेगा। बच्चों के सर्वागीण विकास के लिए शिक्षक का अहम योगदान होता है और अपनी इसी अवधारणा के साथ आचार्य शास्त्री कार्य कर रहे हैं। उनका कहना है कि दैनिक शिक्षा कौशल और नवीन कार्यशाला कौशल के नए तरीकों से बच्चों का विकास किया जा सकता है। स्वरोजगार व रोजगार सृजन के लिए बच्चों की कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रयास भी करते रहना चाहिए।

काबिलेगौर है कि शास्त्री शिक्षा क्षेत्र के साथ-साथ अध्यात्मिक क्षेत्र में सेवा कर रहे हैं। उन्होंने श्री भगवान नृसिंह परमार्थ ट्रस्ट शाहाबाद मारकंडा का संचालन करते हुए निरंतर धार्मिक कार्यों में भी बाखूबी योगदान दिया हैं। बता दें कि आचार्य लक्ष्मी प्रसाद शास्त्री को उपमंडल प्रशासन की ओर से एसडीएम शाहाबाद, कांशी विद्धत परिषद वाराणसी, सत्य सनातन धर्म सभा, हेल्पर्स सोसायटी शाहाबाद, विद्धान ब्राह्मण सभा शाहाबाद, पत्रकार सहयोग मंच और अग्रवाल सभा शाहाबाद सहित कई संस्थाओं द्वारा समय-समय पर सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक कार्य में किए गए अतुल्य योगदान के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

'आप' ने अध्यादेशों के खिलाफ राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

काली पट्टियां बांध कर पहुंचे लघु सचिवालय मनाया काला दिवस

कुरुक्षेत्र। लोकसभा के बाद राज्यसभा में सभी मर्यादाओं को ताक पर रख बिना बहस के पारित करवाए गए कृषि सबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ आम आदमी पार्टी लघु सचिवालय पर प्रदर्शन किया। पार्टी के जिला संयोजक जवाहर लाल गोयल के नेतृत्व में वीरवार को पार्टी द्वारा में जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया गया।

प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांध कर जिला मुख्यालय पर रोष व्यक्त करते हुए इन काले कानूनों को निरस्त करने के लिए राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। आप नेता सुमित हिन्दुस्तानी ने कहा है कि देश के सर्वोच्च सदन राज्य सभा में सभी नियम कायदों और मर्यादा को तार तार करते हुए किसानों की आपत्तिओं को नजर अंदाज कर और विपक्ष की आवाज को दबाते हुए बिना वोटिंग के जिस तरह ध्वनिमत एवं धक्के से इन विधेयकों का पास कराया है, वह दुर्भाग्य पूर्ण है। उन्होंने बताया कि राज्य सभा में सदस्यों ने सदन के उप सभापति से बार-बार ये अनुरोध किया था कि इन बिलों पर सदस्यों की वोटिंग कराई जाए, लेकिन उन्होंने वोटिंग नहीं कराई। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं के खिलाफ षड्यंत्र रच कर भाजपा सरकार ने किसान विरोधी विधेयक ला कर देश की आत्मा पर घिनोना प्रहार किया है, जिसे देश की जनता कभी भी माफ नहीं करेगी। उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की है कि वे इन बिलों पर हस्ताक्षर न करें। प्रदर्शन में प्रमेश रानी, सुरेन्द्र मित्तल, अशोक गर्ग, बाबू राम मथाना, ओम सिंह, सतीश बिन्दल, नवींन अग्रवाल, मोहन लाल सैनी, तरसेम गोयल, मा. रमेश गर्ग, गुलशन, विरेन्द्र पैनखर, आयुष शर्मा, तुषार शर्मा, राजेश सैनी, नितिन गर्ग, अमरीक बकाली, सरदूर सिंह, सुखविन्द्र सिंह और योगेन्द्र चौहान सहित अन्य शामिल रहे।

कुरुक्षेत्र लघु सचिवालय पर प्रदर्शन करते आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता।

राष्ट्रपति ने किया कुविवि की छात्रा को सम्मानित

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस परए भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा कुरुक्षेत्र विवि के अंग्रेजी विभाग की छात्रा जैसमीन को वर्ष 2018-19 के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर पर कुछ चुनिंदा एनएसएस स्वयंसेवकों को विश्वविद्यालय, कॉलेज, उच्च शिक्षा संस्थानों में एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में प्रदान की गई सामाजिक सेवाओं के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। इस मौके पर युवा मामले और खेल राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने समाज के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका की सराहना की। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 51वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्यातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीता खन्ना ने ऑनलाइन सभी कॉलेज एवं एनएसएस स्वयंसेवक को सम्बोधित किया। कुलपति ने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवक सशक्तिकरण व समरसता के अग्रदूत है। उन्होंने एनएसएस राष्ट्रीय अवॉर्ड से सम्मानित विश्वविद्यालय की छात्रा जैसमीन को बधाई दी।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

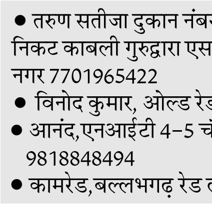

दिनेश रघुवंशी, कवि

कोई परवाह क्या करनी सियासी इन बयानों की
क़लम लिक्खेगी ज़ुल्मी दास्तानें हुक्मरानों की
कपल चैलेंज में उलझी हुई दुनिया रहे उलझी
कहानी हम लिखेंगे दर्द में डूबे किसानों की

अब चौकीदार बनेंगे पुलिस-पब्लिक के बीच की कड़ी, देंगे हर सूचना

रेवाड़ी। अब चौकीदारों पुलिस व ग्रामीणों के बीच की कड़ी बनेंगे। पुलिस उनके माध्यम से ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित करेगी। पुलिस ने चौकीदारों के एक अहम जिम्मेदारी भी सौंपी है कि वे किसी भी तरह के जमीनी विवाद की सूचना पुलिस को देंगे, ताकि झगड़ा होने से पहले ही उसे निपटाया जा सके।

चौकीदार अब पुलिस के लिए अहम काम करेंगे। पुलिस उनके साथ मिलकर ग्रामीणों से समन्वय स्थापित करेगी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक जोरवाल ने बताया कि सभी चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे चौकीदारों को साथ लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। ऐसा करके पुलिस अपराधिक वारदातों और आपराधिक तत्वों पर शिकंजा कसने का प्रयास करेगी। एसपी ने सभी चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र के गांवों में जाएं तथा चौकीदारों के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करें।

मारुति सुजुकी समर्थित महिला को सक्षम हरियाणा आईटीआई में पहली रैंक मिली

रेटिंग तीन व्यापक मापदंडों पर की जाती है कैरियर में उन्नति, प्रशिक्षण की गुणवत्ता और उद्योग का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मारुति सुजुकी द्वारा समर्थित और प्रबंधित महिला आईटीआई गुरुग्राम ने सरकार की सक्षम योजना के तहत पूरे हरियाणा में 172 आईटीआई के बीच शीर्ष रैंक हासिल की है।

सक्षम कार्यक्रम के तत्वावधान में, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग (एसडीआईटी) का लक्ष्य आईटीआई में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए कैरियर के विकास के अवसरों को मजबूत करके कौशल चुनौती को हल करना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसडीआईटी), श्री देवेन्द्र सिंह, आईएएस ने कहा, छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए, विभाग ने सभी सरकारी आईटीआई का प्रदर्शन आधारित स्टार-रेटिंग पेश किया है जो आगे आईटीआई में प्रवेश के लिए परामर्श पोर्टल से जुड़ा होगा। यह प्रक्रिया छात्रों को प्रवेश के दौरान सर्वोत्तम आईटीआई की जानकारी उपलब्ध करने में मदद करेगी । सभी सरकारी आईटीआई में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए महिला आईटीआई, गुरुग्राम को बहुत-बहुत बधाई। हम राज्य में कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने की दिशा में उद्योग के साथ अपने सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं।

बेहतर निर्देश और अकादमिक प्रदर्शन सुनिश्चित करने के प्रयास में, मारुति सुजुकी का वुमन आईटीआई गुरुग्राम के साथ जुड़ाव महत्वपूर्ण है। एमएसआईएल ने उच्च गुणवत्ता वाले भौतिक बुनियादी ढाँचे के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जैसे आईटीआई भवन के अग्रभाग को फिर से तैयार करना, छात्रों के लिए सीखने के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए नए भवन और स्मार्ट कक्षा का निर्माण करना ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के कार्यकारी सलाहकार श्री ए के तोमर ने कहा, हमें गर्व महसूस होता है कि महिला आईटीआई, गुरुग्राम ने सक्षम हरियाणा योजना के तहत स्टार रेटिंग अभ्यास में शीर्ष स्थान हासिल किया है। हम नवीनतम तकनीकों और उपकरण जैसे कि भू-सूचना विज्ञान सहायक और आभासी उपग्रह एपर्चर टर्मिनल के साथ आईटीआई इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

पायनियर क्लासीफाइड

◆ बेदखली सूचना ◆

मैं, चन्द्रभान पुत्र स्व. श्री सोहन सिंह निवासी गांव भादी तह. व जिला सोनीपत पता-949/29 मालविय नगर महलाना रोड सोनीपत बयान करता हूं कि मेरा सगा पुत्र रविन्द्र सिंह मेरे कहने-सुनने से बाहर है को मैंने अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य मे इससे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

सदन में विपक्षी एकता

जमीनी कार्रवाई पर सवाल

जमीनी स्तर पर बदलाव न लाने पर नैतिक विजय महत्वहीन होती है। हालांकि, विपक्ष ने कृषि विधेयकों पर राष्ट्रपति से मुलाकात कर सरकार द्वारा संसदीय प्रक्रियायें उलटने की शिकायत की तथा राज्य सभा में ध्वनि मत से प्रस्ताव पास कराए, पर अब नए कानूनों को कैसे रोका जा सकता है? राष्ट्रपति से विधेयकों को रोकने या उनको वापस भेजने की उम्मीद नहीं है। यदि थोड़ी देर के मान लिया जाए कि वे ऐसा करते तो भी संशोधनों या बिना संशोधनों के इनको फिर पास कर दिया जाता क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा के पास लोकसभा में पूर्ण बहुमत है और बिना चर्चा या सहमति के ध्वनि मत से विवादास्पद विधेयक पास करने का उदाहरण स्थापित हो गया है। राष्ट्रपति किसी समय-सीमा में कार्रवाई के लिए बाध्य नहीं हैं। इसके अलावा पूरे विपक्ष द्वारा विरोध में सदन का बहिष्कार करने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने कई विधेयक पास कराए। इसलिए विपक्षी सदस्य चाहे जितना चीखें-चिल्लाएं पर उनको संसदीय प्रक्रियाओं से कोई राहत नहीं मिल सकती है। जहां तक सड़कों पर संघर्ष का सवाल है, पिछले साल के आम चुनाव ने दिखा दिया है कि व्यापक भाजपा-विरोधी गठबंधन स्वार्थी व क्षेत्रीय हितों में कैसे बिखर जाता है। जब तक यह एकजुट आंदोलन में नहीं बदलता है, तब तक विपक्ष को कोई उम्मीद नहीं करनी चाहिए। चिन्ता की बात है कि उच्च सदन ने तीन प्रमुख श्रम सुधार विधेयक भी पास कर दिए हैं जिनकी संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए उन पर बहस व चर्चा होनी चाहिए थी। तीन विधेयकों का संबंध औद्योगिक संबंधों, सामाजिक सुरक्षा तथा पेशेवर सुरक्षा के बारे में नई श्रम संहिता से है। संभवत: बिजनेस सुगमता के नाम पर कामगारों के अधिकार कमजोर हो रहे

हैं। किसी को उम्मीद नहीं थी कि सरकार वैश्विक महामारी के बाद वाली अर्थव्यवस्था में बहुत अधिक कल्याणकारी उपाय करेगी, पर उसने बिना सरकारी अनुमति के 300 कामगारों वाली कंपनियों को कर्मचारियों को निकालने की अनुमति दे दी है। सरकार को लगता है कि इससे सेवायोजक ज्यादा लोगों को काम पर रखने के लिए प्रेरित होंगे जिनकी संख्या पहले 100 निर्धारित थी। लेकिन संकट के समय सेवायोजकों से उदारता की उम्मीद नहीं की जाती है। देश के कार्यबल में असंगठित श्रमिकों की बड़ी संख्या है जो पहले ही बाजार शक्तियों के सामने असहाय हैं। राज्यसभा ने फारेन कांट्रीब्यूशन रेग्युलेशन अमेंडमेंट बिल, 2020 भी पास कर दिया है जो भारत में काम कर रहे संगठनों को विदेशी स्रोतों से धन प्राप्त करने व उसके नियमन की व्यवस्था करता है। आशंका है कि सरकार इस कानून के अंतर्गत ऐसे एनजीओ, शाध संगठनों, थिंक टैंकों व सिविल सोसाइटी एक्टिविस्टों पर निगरानी रख सकती है जो उसके पक्ष में न हों। कोई इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता है कि विदेशी स्रोतों से की जाने वाली गतिविधियों में ज्यादा पारदर्शिता होनी चाहिए, पर इसका प्रयोग चयनित ढंग से 'राष्ट्र-विरोधी' एनजीओ के खिलाफनहीं होना चाहिए। धन प्राप्ति के लिए आधार व एसबीआई बैंक खातों को अनिवार्य बना कर विधेयक नियंत्रण कठोर करना चाहता है, पर इससे लेनदेन का खर्च बढ़ेगा तथा बाधायें खड़ी होंगी। कृषि संबंधी विधेयक भी सुधारवादी लगते हैं तथा वे कृषि उत्पादन मंडी समितियों-एपीएमसी में मौजूद बड़े कार्टेलों व बिचौलियों का सफाया कर किसानों को आवागमन व व्यापार की स्वतंत्रता देना चाहते हैं। लेकिन किसानों के पास अपनी भौगोलिक सीमाओं से बाहर पहुंचने के लिए विशेषज्ञता कैसे आएगी और उनको 'व्यापारियों' या निगमों पर निर्भर होना पड़ेगा। उनको डर है कि खुले प्रतियोगी बाजार में वे एमएसपी से वंचित हो सकते हैं, हालांकि सरकार ने इसे बनाए रखने का वादा किया है। विधेयक में कहीं पर जोर नहीं दिया गया है कि 'व्यापारी' या 'प्रायोजक' कृषि उत्पाद खरीदते समय एमएसपी देने को बाध्य होंगे। ऐसे में अगले चुनावों में किसानों का गुस्सा सामने आ सकता है।

संकट में फंसे शी जिनपिंग

चीनी राष्ट्रपति आर्थिक लक्ष्य पूरा करने में विफल रहे हैं और उनको भारी चुनौती मिल रही है। ऐसे में पीएलए के पीछे हटने को पराजय तथा मजबूत सेना का लक्ष्य विफल होने के रूप में देखा जाएगा।

अनिल गुप्ता
(लेखक सुरक्षा व रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ हैं)

मॉस्को में पांच बिंदुओं पर सहमति बनने के बाद पहली बार सैनिक कमांडर स्तर की वार्ता 12 घंटे चली। लेकिन सारे संकेत हैं कि इसकी समाप्ति भी गतिरोध में हुई है। भारत ने अपनी ओर से 29-30 अगस्त को शानदार पूर्व-नियोजित कार्रवाई करते हुए वास्तविक नियंत्रण रेखा-एलएसी के अपनी ओर पैगांग सो के दक्षिणी किनारे के ऊंचे रणनीतिक स्थानों पर उपस्थिति मजबूत की है। इसके बाद उत्तरी किनारे पर रक्षा व्यवस्था मजबूत की गई तथा फिंगर क्षेत्र में प्रभुत्व स्थापित किया जहां चीनियों ने घुसपैठ की थी और वे यथास्थिति बहाल नहीं करना चाहते थे। भारतीय सेना के इन कदमों से भारतीय वार्ताकारों की स्थिति मजबूत हुई और वे शक्तिशाली दृष्टिकोण से बात कर सकते थे। लेकिन चीन अपने मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स व अपने नियंत्रण वाले मीडिया के माध्यम से यह स्थिति स्वीकार करने से इनकार करते हुए उल्टा भारत पर गतिरोध का आरोप लगाता रहता है। चीनी दावों के बावजूद, चीनी राष्ट्रपति व शक्तिशाली नेता शी जिनपिंग को दुनिया भर में आक्रामक समझा जाता है जो दुनिया के सबसे मजबूत व शक्तिशाली नेता बनना चाहते हैं।

भारत का दृष्टिकोण अब तक प्रतिबद्ध, सुसंगत तथा कठोर रहा है। भारत ने 'आधे रास्ते तक आने' का चीनी सुझाव एकदम अस्वीकार कर दिया। उसने लगातार 'पहले आए, पहले जाओ' पर जोर दिया है क्योंकि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए सैनिकों ने स्थापित समझौतों व प्रोटोकालों का उल्लंघन कर मई की शुरुआत में पूर्वी लद्दाख के हमारे क्षेत्र में बहुआयामी घुसपैठ की थी। पीएलए ने 5 जून को कार्पस कमांडरों की पहली बैठक में तनाव घटाने तथा सैनिक पीछे हटाने के बारे में लिए निर्णयों का पालन नहीं किया जिससे गलवान में संकट की स्थिति पैदा हुई। गलवान टकराव से दोनों पक्षों के सैनिक हताहत हुए। इससे भारत तथा दुनिया ने समझ लिया कि यह चीनी सैनिकों का सुनियोजित आक्रमण था जिसे शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले केन्द्रीय सैनिक आयोग-सीएमसी की स्पष्ट अनुमति प्राप्त थी। इसके बाद चीन द्वारा दिखाई जिद से स्पष्ट है कि निसंदेह इस मामले में अंतिम निर्णय शी जिनपिंग के अलावा किसी अन्य ने नहीं लिया था जिनका 'चीनी सपना' और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा दांव पर लगी है।

शी एक कॅरियर राजनेता हैं जो अपने मुंह में 'लाल चम्मच' लेकर पैदा हुए थे। उनके पिता शी झोंगशुन 'लाल शाही' समूह के नायक और कम्युनिस्ट क्रांतिकारी थे जिसका माओत्से तुंग के बाद पतन हो गया। पिता को पद से हटाए जाने के बाद शी जिनपिंग बीजिंग की विशिष्ट जीवनशैली छोड़ कर ग्रामीण क्षेत्र में रहने पर मजबूर हुए। उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी की युवा शाखा में शामिल होने के लिए संघर्ष किया और बाद में पार्टी ने उनको स्वीकार किया। इस प्रकार 'लाल शाही' में पैदा होने के बावजूद उनको सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करना पड़ा। इससे वे जिद्दी और महत्वाकांक्षी बन गए। उन्होंने अपनी शक्ति बढ़ानी शुरू की और अंतत: उन्होंने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी-सीपीसी की 'सामूहिक नेतृत्व' व्यवस्था समाप्त कर दी। वे न केवल चीन के तीन सर्वोच्च पदों पर कब्जा करने, बल्कि संविधान में राष्ट्रपति कार्यकाल की सीमा समाप्त कर अनन्त काल तक शासक बनने में सफल हुए। इससे सीपीसी के अनेक नेताओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है और वे सर्वोच्च पद तक नहीं पहुंच सकते हैं। सभी तानाशाहों की तरह शी के भी अपने देश में ही बड़ी संख्या में विरोधी हैं।

अपनी सत्ता मजबूत करते समय शी ने विचारधारा और राष्ट्रवाद पर जोर दिया। उनका विश्वास है कि चीनी जनता में अन्य चीजों पर कम्युनिस्ट विचारधारा का प्रभुत्व बना रहेगा। पीएलए की 'थ्री डब्लू' रणनीति का लक्ष्य इस विचारधारा का प्रोत्साहन सुनिश्चित करना है। इस प्रकार पीएलए राष्ट्रीय सेना के बजाय सीपीसी की सेना है। कॅरियर राजनयिकों के बजाय संयुक्त मोर्चा कार्य विभाग द्वारा शिक्षित कार्यकर्ताओं पर शी की निर्भरता के कारण दक्षिण एशिया व अन्य लक्षित देशों में नियुक्त राजनयिक विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करते हैं। शी ने राजनयिकों को 'वुल्फ वैरियर' बता कर चीनी राजनय को आक्रामक बनाया है। वे स्वयं को अमेरिकी राष्ट्रपति के वर्चस्व को चुनौती देने वाले सर्वाधिक शक्तिशाली चीनी नेता के रूप में पेश करना चाहते हैं। अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति तथा राष्ट्रवाद को समाहित करते हुए शी ने 'चीनी सपने' का रोडमैप पेश किया है।

सेवानिवृत्त कर्नल व लेखक लियू मिंगफू के अनुसार, 'राष्ट्रपति शी का सपना मजबूत सेना वाला मजबूत देश' है। 'चीनी सपने' के पीछे विचार पूर्व-मध्यवर्ती साम्राज्य की गरिमा बहाल कर विस्तारवाद के माध्यम से चीन का वर्चस्व स्थापित करना है। इसका लक्ष्य राष्ट्रीय एकता के माध्यम से आंतरिक विरोध को न्यूनतम करना है। शी चीन को न केवल मजबूत, बल्कि आक्रामक भी बनाना चाहते हैं। यह वर्ष 2049 तक 'चीनी सपना' पूरा करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो पीपुल्स रिपब्लिक आफ चाइना का शताब्दी वर्ष होगा। इसमें 2021 व 2025 भी महत्वपूर्ण वर्ष हैं। 2021 में सीपीसी की सौवीं वर्षगांठ होगी। शी ने वादा किया था कि 2020 तक देश सभी चीनियों को गरीबी रेखा से ऊपर ला कर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा व सशस्त्र सेनाओं को मजबूत कर गरीबी उन्मूलन कर देगा।

लेकिन चीनी अर्थव्यवस्था में 2019 में ही गिरावट दिखने लगी थी और यह लगभग तीन दशक में सबसे धीमी हो गई थी। कोविड-19 महामारी के बाद शी समझ गए हैं कि वे 2020 के आर्थिक लक्ष्य पूरे नहीं कर सकेंगे। चीन के बड़बोलेपन के बावजूद निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था संकट में है। बैंकिंग पर सबसे बुरा प्रभाव पड़ा है, बेरोजगारी बढ़ रही है तथा वैश्विक सप्लाई श्रृंखला टूटने से दबाव बढ़ा है। चीजें स्वाभाविक स्थिति में होने पर कामों का केन्द्रीकरण ठीक रहता है। लेकिन संकट के समय में अनेक विरोधी विचार भी सामने आते हैं। अपने देश में शी को इसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। चीन में बिना उनकी सहमति या अनुमति के कुछ भी नहीं चलता है। अत: शी स्पष्ट रूप से गरीबी उन्मूलन का अपना लक्ष्य पाने में विफल रहे हैं और उनकी सत्ता को भारी चुनौती मिल रही है। ऐसे में पीएलए के पीछे हटने को चीन की पराजय के रूप में देखा जाएगा तथा मजबूत सेना का दूसरा लक्ष्य संदिग्ध हो जाएगा।

शी इस मोड़ पर जोखिम लेकर पीछे नहीं हट सकते हैं। इसी कारण चीनी मीडिया जाड़े में 'लांग हाल' की बात कर रहा है। शी का गणित इस अनुमान पर आधारित है कि लंबी सैनिक तैनाती का चीनी अर्थव्यवस्था के बजाय भारतीय अर्थव्यवस्था पर ज्यादा प्रभाव पड़ेगा। लेकिन उनकी सोच गलत है। भारत अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए एकजुट है और वह घुसपैठ वाले क्षेत्रों से चीन के पीछे हटने तक शांत नहीं होगा। दूसरी ओर शी को अपने देश में बढ़ते विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

पीएलए की अजेयता के बारे में राज्य-नियंत्रित चीनी मीडिया के प्रचार के बावजूद शी विजय के बारे में आश्वस्त नहीं हैं। एक गतिरोध को भी भारत की विजय तथा चीन की विफलता के रूप में देखा जाएगा। चीन में ऐसे विरोधियों की कोई कमी नहीं है जो उनकी विफलता की प्रतीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनको दूसरा मौका न मिले। शी के सामने झुकने या पीछे हटने का द्वंद्व है। महत्वाकांक्षी व्यक्तित्व को देखते हुए स्पष्ट है कि शी आसानी से अपने विरोधियों के सामने नहीं झुकेंगे। इस्तीफा देने के लिए मजबूर किए जाने के बजाय वे उपयुक्त समय पर झुकने व पीएलए को पीछे हटने का आदेश देना ज्यादा पसंद करेंगे। वार्ताओं और समय पर निर्भर है कि यह कैसे और कब होगा। इस बीच भारत को किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होना होगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ के पुनरीक्षण की आवश्यकता

कल्याणी शंकर
(लेखिका वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार एवं स्तम्भकार हैं)

अगले महीने संयुक्त राष्ट्र संघ के गठन के 75 वर्ष पूर्ण हो जाएंगे। यह सापेक्षत: एक युवा संगठन है लेकिन ऐसे महत्वपूर्ण जन्मदिन अर्थ है कि अब इसके पुनरीक्षण का समय आ गया है। अक्टूबर 1945 में सैन फ्रांसिस्को में इसकी संरचना को अंतिम रूप दिए जाने के उपरांत यह अस्तित्वमान हुआ था, जिसमें भारत समेत 50 देशों ने भाग लिया था। तब से यह फला-फूला है और आज संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों की संख्या 193 है। इसके अतिरिक्त, आज का संयुक्त राष्ट्र 75 वर्ष पूर्व के संयुक्त राष्ट्र की तुलना में व्यापक रूप से भिन्न है। बड़ा सवाल यह है कि क्या इस विश्व निकाय ने अपनी भूमिका का उचित ढंग से निर्वहन किया है अथवा यह अप्रासंगिक हो गया है? संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव स्वर्गीय डैग हैमर्सकजोल्ड, जिनका एक कथन बड़ा प्रसिद्ध है कि संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन, ''मनुष्य को स्वर्ग ले जाने के लिए नहीं बल्कि मानवता को नरक से बचाने के लिए हुआ है।''

रोचक ढंग से, जो लोग संयुक्त राष्ट्र का समर्थन करते हैं उनका मानना है कि इस विश्व निकाय ने कुल मिलाकर अपना उद्देश्य पूर्ण किया है। तथ्य यह है कि उतार-चढ़ावों के बावजूद यह कायम हे, सफलता को दर्शाता है। वे उल्लेख करते हैं कि पिछले 75 वर्षों के दौरान कोई नाभिकीय युद्ध नहीं हुआ है। अन्य लोग संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना मिशनों की सराहना करते हैं। वे इसके सतत विकास कार्यक्रमों की भी सराहना करते हैं। लेकिन विविध कारणों से प्रभावी न हो पाने के कारण संयुक्त राष्ट्र की आलोचना भी होती है। संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में कुछ स्वेच्छाचारी शासकों ने निरपराध नागरिकों के खिलाफ परम्परागत हथियारों का प्रयोग किया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव अबाध्यकारी होते हैं। विश्व निकाय से संघर्षों व युद्ध को रोकने की अपेक्षा की जाती हे और फिर भी उसके प्रादुर्भाव के बाद से 80 संघर्ष हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में, बुश से लेकर ट्रंप तक, अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली को लेकर उसकी आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र संसाधनों के अभाव से भी जूझ रहा है क्योंकि अमेरिका समेत सभी सदस्य समय से अपना योगदान नहीं देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत का जुड़ाव उल्लेखनीय है। संस्थापक सदस्य के तौर पर, संयुक्त राष्ट्र अधिकार प्रपत्र के लक्ष्यों व कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने में नई दिल्ली का योगदान प्रचुर मात्रा में रहा है। यह बहुत से संयुक्त राष्ट्र निकायों में संलिप्त रहा है और भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन कार्यकारी समिति का वर्तमान अध्यक्ष है। भारत अब महिला प्रस्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग का सदस्य 2021 से 2025 तक बना है।

भारत जून में दो वर्षों के लिए शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य चुना गया था और दो वर्ष के आठ कार्यकाल पहले भी पूर्ण कर चुका है। नई दिल्ली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए लाबीइंग कर रही है और उसमें स्थान प्राप्त करने का दावा भी पेश किया है। कई वर्षों से, जब कभी भी हमारे किसी प्रधानमंत्री ने विदेश यात्रा की अथवा किसी राज्य के प्रमुख भारत आए, तो एक मुद्दा जो हमेशा उठाया जाता रहा है वह है विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के अभ्यर्थन का समर्थन प्राप्त करना। हालांकि, सुधारों का आगाज़ विविध कारणों से नहीं हो पा रहा है। उदाहरण के लिए, प्रथम पांच सदस्य अपनी वीटो शक्ति को खोने के लिए तैयार नहीं हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने शांति सेनाओं में भारत के योगदान की सराहना की है क्योंकि यह उपनिवेशवाद एवं रंगभेद के अंत एवं वैश्विक निशस्त्रीकरण एवं आतंकवाद की समाप्ति जैसे बहुत से मुद्दों के पीछे एक वाहक शक्ति बनकर काम करता रहा है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुधारों का प्रबल हिमायती है। शुरुआत में नई दिल्ली का परिषद का सदस्य बनने की कोई इच्छा नहीं थी। हालांकि, जब, महासभा ने 1992 में संयुक्त राष्ट्र सुधारों के लिए कदम बढ़ाया, जापान, जर्मनी और ब्राजील ने विस्तारित सुरक्षा परिषद में सदस्यता की मांग की। भारत भी इस मांग का हिस्सा बन गया। हालांकि, कई यूरोपीय सदस्यों ने जर्मनी के दावे पर आपत्ति जताई, अर्जेंटीना ने ब्राजील का और पाकिस्तान ने भारत का विरोध किया, आदि। उसके पश्चात, चार देशों ने मिलकर काम करने के लिए ब्रिक्स का गठन किया।

एक सवाल जो आज की परिस्थितियों में बार-बार पूछा जा रहा है वह यह कि संयुक्त राष्ट्र का भविष्य क्या है? कुछ देश चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र विश्व के मामलों में बड़ी भूमिमा अदा करे, जबकि अन्यों की इच्छा है कि उसकी भूमिका विशिष्ट रूप से मानवीय कार्यों पर केंद्रित रहे। व्यवस्था को सुधारना एवं व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं धन प्राप्त करना संयुक्त राष्ट्र के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण चीजें हैं। लगभग नब्बे के दशक के पूर्वार्द्ध से, सुधारों की बातें की जाती रही हैं मगर इस बाबत कोई प्रगति नहीं हुई है, जो निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। दूसरे, संयुक्त राष्ट्र को आधुनिकीकृत किए जाने की आवश्यकता है। बहुत से लोगों को लगता है कि वर्तमान ढांचा दोषपूर्ण है और बहुत से कार्यक्रम प्राय: बनावटी होते हैं। तीसरे, यह भावना बढ़ती जा रही है कि संयुक्त राष्ट्र को मजबूत किया जाना चाहिए। विश्व निकाय में गलत काम करने वाले सदस्यों से निबटने के लिए और अधिक शक्तियां समाहित की जानी चाहिए।

चौथे, संयुक्त राष्ट्र के वित्त पोषण को किसी भी वजह से रोका नहीं जाना चाहिए क्योंकि विश्व निकाय को स्वतंत्र रहने दिया जाना अनिवार्य है। संयुक्त राष्ट्र नकदी, वस्तुएं एवं सेवाओं के लिए अपने सदस्य देशों द्वारा किए जाने वाले वित्तीय एवं मदद पर आश्रित है। कर्मचारियों की संख्या को कम करने की आवश्यकता है। जैसा कि दि गार्जियन समाचार पत्र ने कुछ समय पूर्व उल्लेख किया था, ''85,000 नौकरशाह, 40 अरब डॉलर के वार्षिक खर्चे, जो 1946 में संगठन के बजट का 2,000 गुना है। पिछले 20 वर्षों में खर्च चौगुना बढ़ गया है और अभी भी, कुछ अभिकरण इस बात संघर्ष में लगे हैं।'' हालांकि, सभी शिकायतों एवं आलोचनाओं के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र वर्तमान समय में एकमात्र ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था संस्था है जहां राज्यो के मुखिया महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हो सकते हैं तथा विश्व की समस्याओं का निराकरण करने हेतु सदस्य देश एकजुट होकर काम कर सकते हैं। कुलमिलाकर संयुक्त राष्ट्र एक मिश्रण है और उसके सदस्यों का काम है उसे प्रभावी बनाना। इस स्थिति में, संयुक्त राष्ट्र को ध्वस्त करने के बजाए उसे सुधारने की जरूरत है।

आप की बात

दिल्ली में बढ़ता संक्रमण

एक समय कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने की मिसाल बन रही दिल्ली इस समय फिर संक्रमण की तेज रफ्तार की चपेट में है। लगातार बढ़ रहे मामलों से सरकार सतर्क और निश्चिंत हैं, तो वह सामुदायिक संक्रमण की आशंका से भी इनकार नहीं कर रही हैं। अगर जल्द ही इस ओर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो लोगों के स्वास्थ्य को लेकर बड़ी चिंताएं बढ़ सकती हैं। कभी कोरोना को पछाड़ने और देश-विदेश में मॉडल बनी दिल्ली फिर कोरोना वायरस के गड्ढे में गिरती दिख रही हैं। प्रतिदिन आ रहे संक्रमण के बड़े आंकड़ों से सरकार की नींद हराम होती जा रही हैं। उस पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का बयान कि जिस तरह से दिल्ली में कोरोना वायरस का खतरा बढ़ रहा हैं, उसे देखते हुए सामुदायिक संक्रमण से इंकार नहीं किया जा सकता निश्चित रूप से यह बयान ताजा हालातों में ठीक ही हैं। दिल्ली के प्रति 100 में से 10 व्यक्ति संक्रमित निकल रहे हैं। अब तक दिल्ली में 2,38828 केस सामने आ चुके हैं, जिसमें 21प्रतिशत मृत्यु दर हैं जो देश की मृत्यु दर से 1.6 अधिक हैं। दिल्ली में बढ़ी हुई मृत्यु दर भी चिंता का विषय हैं। राज्य के साथ केंद्र सरकार भी ठोस उपाय करे जिससे हालात बिगड़ने से रोका जा सके।

- अमृतलाल मारू

दोषियों को सजा मिले

ऐसा कहा जाता रहा है कि फिल्में हमारे समाज का आईना होती है और उसमें कार्य करने वाले कलाकार अपने किरदार से समाज के लोगों को प्रभावित करते हैं। परन्तु पिछले कुछ वर्षों में देखा जाए तो बालीवुड में जिस तरह की फिल्में अब बनती है, फूहड़ता और अश्लीलता की जो चरम सीमा का चित्रण फिल्मों में किया जाता है, वो समाज का आईना नहीं बल्कि समाज को एक गलत दिशा में ले जाने का एक दूषित प्रयास है। भारत में एक बहुत बड़ा वर्ग है जो बड़ी भावुकता से इन कलाकारों के साथ ह्रदय से जुड़ जाता है, उन कलाकारों को अपना आदर्श तक समझने लगता है। परन्तु वहीं कलाकारो के जब वास्तविक जीवन के चरित्र का खुलासा होता है तो वह दर्शक अपने आप को ठगा सा महसूस करते हैं। जब से सुशांत राजपूत के केस में ड्रग्स के काले बाजार का एक नया मोड़ आया है और जिस तरह से आये दिन ड्रग्स के सेवन करने वालों की कड़ी दिन पर दिन खुलती जा रही है मानो लगता है पूरा का पूरा बालीवुड ही इस नशे की चपेट में हैं, वो फिर चाहे नये कलाकार हो या पुराने, कोई भी इससे अछूता नहीं है। खुलासा निष्पक्ष होकर करना चाहिए जिससे सभी की असलियत समाज को पता हो सके और इन सभी को उचित दण्ड मिले।

- अभिनव दीक्षित

विरोध का दमन

आज की व्यवस्था में किसी भी मुद्दे या समस्या पर विरोध करना या आवाज उठाना भारी पड़ता जा रहा है। नोएडा में सफाई कर्मियों को हटाने के नोटिस दिए जाने के बाद सभी सफाई कर्मियों द्वारा शांतिपूर्ण विरोध करने व उनकी समस्याओं को सुनने की बजाय सफाई कर्मियों को पुलिस की लाठियां खाने को मिली। नौकरी से निकाले जाने के भय से एक सफाई कर्मी ने खुदकुशी कर ली। बिल के विरोध में किसान सड़क पर है तो उन्हें भी लाठियों से ठोका पीटा गया यानी बातचीत व संवाद का उपक्रम इस कोरोना काल में बंद हो गया है या जमींदोज कर दिया गया है। पिछले कुछ समय से यह ट्रेंड देखने में आया है कि बहुमत में मगरूर हो कर जो भी करना है वो कर दो लेकिन विरोध करने वालों की एक ना सुनो। अगर ज्यादा विरोध करते हैं तो पुलिस की लाठियां तैयार है । आजकल तो बिना वर्दी वाले बाउंसर भी मोर्चा संभालने लगे हैं । चाहे जो हो सरकार का फर्ज है कि वह जो भी कानून बनाए, नियम बनाएं जनता को पूरी तरह संतुष्ट करना चाहिए लेकिन नहीं किया जा रहा है।

- विषधर खरा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि विकासशील जगत बर्बादी, निर्धनता वृद्धि एवं ऋणग्रस्तता के भंवर में न डूबने पाए।

- एंटोनियो गुटेरेस
संयुक्त राष्ट्र महासचिव

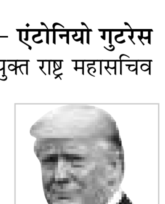

हम वैक्सीन बांटेंगे, हम वायरस को हराएंगे, महामारी को खत्म करेंगे और अभूतपूर्व समृद्धि, सहयोग एवं शांति के एक नए युग में प्रवेश करेंगे।

- डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

अर्थव्यवस्था की तरह स्वास्थ्यरक्षा के क्षेत्र में भी अब हमें साझीदारी संबंधों में आने वाले अवरोधों को समाप्त करने की आवश्यकता है।

- व्लादिमीर पुतिन
रूस के राष्ट्रपति

ई-पीटीएम में 70 हजार विद्यार्थियों व अभिभावकों ने लिया हिस्सा

पंकज शर्मा। करनाल

जिले के करीब 700 स्कूलों में आयोजित की गई ई-पीटीएम

महामारी के बीच जिले में मेगा ई पीटीएम आयोजित की गई। पीटीएम में जिले के करीब 700 स्कूलों के 70 हजार विद्यार्थी व अभिभावकों ने हिस्सा लिया। ई-पीटीएम के माध्यम से विद्यार्थियों व अभिभावकों ने उपायुक्त के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि महामारी के काल में भी ई-पीटीएम एक अच्छा प्लेटफार्म है।

उपायुक्त ने सभी अभिभावकों व बच्चों को आश्वासन दिलाया कि आगे भी यह कार्य जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण स्कूल बंद हैं, विद्यार्थी घर पर ही टीवी, स्मार्टफोन व अन्य माध्यमों से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। लॉकडाऊन में विद्यार्थियों ने क्या किया और अभिभावकों का क्या रुझान है, इसकी जानकारी के लिए गुरुवार को मेगा ई-पीटीएम आयोजित की गई। पीटीएम में अभिभावकों व विद्यार्थियों से बातचीत की। विद्यार्थियों व अभिभावकों ने भी उपायुक्त व जिला शिक्षा अधिकारी रविन्द्र चौधरी के साथ अपने अनुभव साझा किए।

उपायुक्त ने बताया कि जिले के करीब सभी 700 स्कूलों में ई पीटीएम आयोजित की गई है। पीटीएम में करीब 70 हजार विद्यार्थियों व अभिभावकों ने हिस्सा लिया। यह शिक्षा विभाग की एक अच्छी पहल है, जिससे कोरोना काल में हर विद्यार्थी व अभिभावक के पास पहुंच सुनिश्चित की जा सकी। उन्होंने कहा कि उपमंडल स्तर पर भी संबंधित एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में ई पीटीएम के माध्यम से वार्ता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को चाहिए कि वह अपने बच्चों के साथ बैठें, ताकि इस लॉकडाउन में उनके बैठने का अभ्यास हो सके। माता-पिता को भी जानकारी हो सके कि उनके बच्चे क्या शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अभिभावकों का बच्चों के साथ बैठने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यार्थी जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है, उन्हें पड़ोस के व्यक्ति का सहयोग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि 11वीं व 12वीं की कक्षा बच्चे के भविष्य का लक्ष्य निर्धारित करती है, इसलिए सभी को सजग रहकर कार्य करने की जरूरत है। लॉकडाउन में विद्यार्थियों को किसी विषय की जानकारी लेनी है तो वह स्कूल में जा सकता है। हरियाणा सरकार द्वारा भी 9वीं से 12वीं कक्षा तक विद्यार्थियों को अपने शंका हल करने के लिए स्कूल में जाने की अनुमति दी है, परंतु सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क का प्रयोग और अपने आपको सैनिटाईज करना हर अभिभावक व विद्यार्थी की पहली जिम्मेदारी होगी। उपायुक्त ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे विद्यार्थियों के साथ सम्पर्क में रहें। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी रविन्द्र चौधरी, मुख्यमंत्री की सुशासन सहयोगी अमृता दाटला उपस्थित रहीं।

अभिभावकों ने डीसी के साथ सांझा किए अनुभव

ई-पीटीएम में अभिभावक सुरेन्द्र ने उपायुक्त से बातचीत की और लॉकडाऊन में ई लर्निंग को एक अच्छा माध्यम बताया उसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन के साथ-साथ स्कूल के शिक्षकों को आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चों के लिए ही नहीं बल्कि पड़ोस के बच्चों का भी सहयोग करते हैं जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है।

ई-पीटीएम से जोड़ा जाएगा सभी स्कूलों के विद्यार्थियों को : सीएमजीजीए

ई-पीटीएम में उपायुक्त निशांत कुमार को मुख्यमंत्री की सुशासन सहयोगी अमृता दाटला ने बताया कि जिले में सभी बच्चों को ईपीटीएम से जोड़ा जा रहा है। इसके माध्यम से सभी विद्यार्थियों की सेहत व पढ़ाई की स्थिति के बारे में जानकारी रखी जाएगी। इसके लिए एक प्रोफोर्मा तैयार किया गया है जिसमें 12 प्रश्न रखे गए हैं जोकि बच्चे के व्यक्तिगत और शिक्षा से संबंधित होंगे। सभी शिक्षक अपने-अपने विद्यार्थियों तक इन फार्मों को पहुंचाएंगे और इसकी पूरी जानकारी प्राप्त करेंगे।

छात्रा कृति ने उपायुक्त के साथ साझा किए अनुभव, उपायुक्त ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

ई-पीटीएम में गढ़ीबीरबल के राजकीय स्कूल की छात्रा कृति ने उपायुक्त से बातचीत की और कहा कि वह लॉकडाऊन का भरपूर फायदा उठा रही है। वह सुबह 4 बजे पढ़ाई के लिए उठ जाती है। उन्होंने कहा कि वह अपने लक्ष्य को पार करेगी, जब भी उन्हें कोई प्रश्नों को हल करने में दिक्कत आती है तो उनके शिक्षक फोन के माध्यम से उन्हें सहायता करते हैं। उपायुक्त ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अपने कानूनों से पंजाब का नाम हटाएगा हरियाणा

विस अध्यक्ष ने मुख्य सचिव और विधि विभाग के अफसरों के साथ की बैठक

ज्ञान चंद गुप्ता बोले प्रदेशवासियों के स्वाभिमान के लिए हरियाणा के नाम पर होंगे कानून

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

आधी सदी बाद हरियाणा अपने अधिनियमों से पंजाब का नाम हटाने जा रहा है। इसके लिए हरियाणा की विधान पालिका और कार्यपालिका मिल कर योजना बना रही है।

वीरवार को विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने प्रदेश की मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा, कानून एवं विधि निर्माण विभाग में कानून सचिव बिमलेश तंवर और विधान सभा के अवर सचिव विष्णु देव के साथ बैठक की। बैठक में विधान सभा अध्यक्ष ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी अधिनियम पंजाब की बजाय हरियाणा के नाम करने की योजना तैयार करें। इसके लिए जल्द ही कानून एवं विधि निर्माण विभाग की कानून सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी। फिलहाल हरियाणा में करीब 237 ऐसे अधिनियम हैं जो पंजाब के नाम से ही चल रहे हैं।

विधान सभा अध्यक्ष इन सभी अधिनियमों से पंजाब शब्द हटाना चाहते हैं। बता दें कि पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के तहत वर्ष 1966 में हरियाणा राज्य का गठन किया गया था। तब पंजाब में जिन अधिनियमों का अस्तित्व था, वे ही हरियाणा में लागू रहे थे। व्यवस्था यह बनी थी कि अगले दो वर्ष में हरियाणा अपनी जरूरतों के मुताबिक इनमें आवश्यक संशोधन कर सकेगा। अनावश्यक अधिनियमों को हटाने का अधिकार भी प्रदेश की विधान सभा को मिला है। हरियाणा को विरासत में जो अधिनियम मिले थे, वे सभी पंजाब के नाम पर थे और गत 54 वर्षों से हरियाणा की शासन व्यवस्था इन्हीं कानूनों के आधार पर चल रही है। इसके चलते प्रदेश की जनता और जनप्रतिनिधि इन कानूनों को हरियाणा के नाम पर करने की मांग करते रहे हैं।

विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि हरियाणा प्रदेश का गौरवशाली इतिहास रहा है। 1966 में स्थापना के बाद इस प्रदेश ने शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी विशिष्ट पहचान बनाई है। आर्थिक विकास की तीव्र रफ्तार से प्रदेश ने बुलंदियों को छुआ है। इसके बावजूद इसके सभी पुराने अधिनियम पंजाब के नाम पर ही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख अधिनियमों में हरियाणा शब्द जुड़ने से यहां नागरिकों और जनप्रतिनिधियों में स्वाभिमान की भावना जागृत होगी, जो किसी भी आगे बढ़ते प्रदेश के लिए जरूरी है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 व सोलिड वेस्ट मेनेजमेंट की बेहतरी को कार्यशाला

कुरुक्षेत्र। स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के नतीजों में राष्ट्रीय स्तर विशेषकर उत्तर भारत में उत्कृष्टता की उपलब्धि से उत्साहित कुरुक्षेत्र ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 को लेकर अपनी तैयारियां प्रारम्भ कर दी हैं। वीरवार को स्थानीय पंचायत भवन में जिला प्रशासन की ओर से स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 व सोलिड वेस्ट मेनेजमेंट को बेहतर बनाने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें नगर परिषद सहित जिला की सभी नगर पालिकाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वर्कशॉप में गुरूग्राम स्थित फीडबैक फाउंडेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर अजय सिन्हा ने दो सत्रों में तैयारियों को लेकर क्या-क्या किया जाना है, इस बात की जानकारी दी। पहला सत्र सोलिड वेस्ट मेनेजमेंट को सैधांतिक बनाने तथा दूसरे सत्र में इसकी व्यवहारिकता पर 32 इंडीकेटर्स के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। वर्कशॉप में उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़, एडीसी वीना हुड्डा, एसडीएम थानेसर अखिल पिलानी, पिहोवा एसडीएम सोनू राम, लाडवा एसडीएम अनिल यादव, डीएमसी नरेन्द्र पाल मलिक, चेयरमैन उमा सुधा, लाडवा नगरपालिका की चेयरमैन साक्षी मलिक शामिल हुए।

प्रदेश में कोरोना के नाम पर हुआ करोड़ों का घोटाला : किरण चौधरी

कोरोना के नाम पर घोटाले की आशंका, इस दौरान हुए खर्च की जांच करवाए सरकार

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

कांग्रेस विधायक किरण चौधरी ने आरटीआई द्वारा मिली जानकारी के अनुसार कोरोना पर 345 करोड़ के खर्च पर सवाल उठाते हुए इसमें बड़ा घोटाला होने की आशंका जताई है, किरण चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 345 करोड़ रुपये खर्च होने की बात कही है जो प्रति मरीज 26355 रुपये होता है। किरण चौधरी ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बाद ठीक हुए मरीजों से बात करने पर पता चला कि उन्हें दवाई के नाम पर 100 -200 रुपये की दवा देकर आइसोलेशन में रखा था इसके साथ 4500 रुपये कोरोना टेस्ट को जोड़ दिया जाए तो 5000 रुपये भी खर्च नहीं होता तो फिर 26355 रुपये किस आधार पर एक मरीज के ऊपर खर्च कर दिया, उन्होंने कहा कि कोरोना के नाम पर खर्च पर आशंका का कारण यह भी है कि कोरोना से संक्रमित हुए ज्यादातर मरीजों को उनके घर पर ही आइसोलेट किया है। किरण चौधरी ने सरकार से मांग की है कि इसकी जांच कराई जाए ताकि सच्चाई लोगों के सामने आए और कोरोना के नाम पर घोटाला करने वाले बेनकाब किए जाएं। किरण चौधरी ने कहा कि गठबंधन सरकार घोटालों की पर्याय बन चुकी है, कोरोना की आड़ में घोटाले पर घोटाले किए जा रहे हैं और पूरी तरह लूट मचा रखी है, उन्होंने कहा की कोरोना की आड़ में शराब घोटाला, धान घोटाला, रजिस्ट्री घोटाला करने वाली भाजपा- जजपा सरकार के नाम कोरोना घोटाला ओर जुड़ने जा रहा है और घोटालों की पर्याय बन चुकी गठबंधन सरकार में कोरोना के नाम पर घोटाले के लिए मना नहीं किया जा सकता। किरण चौधरी ने सरकार से मांग की है कि कोरोना के नाम पर हुए खर्च की निष्पक्ष जांच कराई जाए और सच्चाई सामने लाई जाए।

संक्षिप्त-समाचार

मानदेय बढ़ाने पर कुविवि शिक्षकों ने जताया दुष्यंत का आभार

कुरुक्षेत्र। मानदेय बढ़ाए जाने पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का आभार व्यक्त किया है। गुरुवार को जननायक जनता पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष जसविंद्र सिंह खैहरा से कुविवि के शिक्षक डॉ.अभिनव कटारिया, डॉ. अहमद, डॉ. श्वेता कश्यप, डॉ. तपेश, डॉ. संगीता, डॉ. सचिन वर्मा, कर्मदीप सैनी व डॉ. मनजीत शिक्षक मिले और दुष्यंत चौटाला व खैहरा का उनके संघर्ष में साथ देने पर आभार प्रकट किया। बता दें कि कुछ माह पूर्व ही कुविवि शिक्षकों ने उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को मानदेय बढ़ाने को लेकर ज्ञापन सौंपा था और दुष्यंत चौटाला ने जल्द ही उनकी मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कुविवि कुलपति डॉ. नीता खन्ना का धन्यवाद किया।

स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक ने रक्तदाताओं को किया प्रोत्साहित

कुरुक्षेत्र। स्वास्थ्य विभाग हरियाणा के महानिदेशक डॉ. सूरजभान कंबोज ने लोक नायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ विभाग के निदेशक डॉ. प्रवीण सेठी मौजूद रहे। अस्पताल पहुंचने पर सिविल सर्जन डॉ. सुखबीर सिंह और चिकित्सा अधीक्षक एवं हृदय एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलेंद्र शैली ने उनका स्वागत किया। उन्होंने अस्पताल के ब्लड बैंक में सामाजिक संस्था शुभकर्मन चैरिटेबल ट्रस्ट और सर्वसमाज सेवा कल्याण समिति द्वारा पंडित राजू ममगाईं की याद में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया और रक्तदाताओं को बेज लगाकर उनकी हौसला अफजाई की। डॉ. सूरजभान कंबोज ने कहा कि ममगाईं परिवार रक्तदान शिविर के लगाने के लिए धन्यवाद का पात्र है। वास्तव में रक्तदान शिविर के माध्यम से ममगाईं परिवार और सामाजिक संस्थाओं ने सामाजिक कार्यकर्ता पंडित राजू ममगाईं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। निदेशक प्रवीण सेठी ने उम्मीद जताई कि उनका परिवार भविष्य में भी समाज सेवा के कामों में अपना योगदान देता रहेगा। महानिदेशक डॉ. कंबोज ने स्वतंत्रता सेनानी सुशीला देवी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र शैली, शुभकर्मन चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा रजवंत कौर, सर्व समाज सेवा कल्याण समिति के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी, शिव शक्ति सेवा मंडल के प्रधान एमके मौदगिल, समाज सामाजिक कार्यकर्ता ध्रुव और श्रुति को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया एवं रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ. सूरजभान कंबोज ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग पूरे प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की व्यवस्था में जुटा है। सभी जिलों में इस समय टेस्टिंग सुविधा अच्छी है और बेहतर सुविधाएं प्रदान कराने के उद्देश्य से पूरा खाका तैयार किया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग लोगों को जागरूक करने और कोरोना के संक्रमण से बचाए रखने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने नागरिक अस्पताल के डॉक्टरों से अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं दी जा रही गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। इस मौके पर आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम सुंदर अरोड़ा, स्वतंत्रता सेनानी सुशीला देवी, मुख्य तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी, शोभा, समृद्धि, सुनिधि, आउटसोर्सिंग सुपरवाइजर पवन शर्मा, श्यामलाल, पंकज, लिपिक धीरज, अतुल शर्मा, वीरेंद्र, विकास और रेखा आदि मौजूद रहे।

पिहोवा हल्के की सड़कों पर खर्च किए 2.97 करोड़ रुपये

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सड़कें, शिक्षा व संचार किसी भी क्षेत्र के विकास का मूल आधार है। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र में नई सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण का कार्य जल्दी पूरा करके गांवों को शहरों के समान सुविधाएं दी जाएं, ताकि ग्रामीण अंचल में बसे लोगों खासकर किसानों को मंडियों और शहरों से सीधा जुड़ने की सुविधा मिल सके। इसके लिए पिहोवा हल्के की सड़कों के नवीनीकरण कार्य पर दो करोड़ 97 लाख का बजट खर्च किया है। निरंतर किए जा रहे विकास कार्यों से पिहोवा हल्के की विकास की एक नई तस्वीर सामने आ रही है। इन सड़कों के नवीनीकरण कार्य से दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को फायदा मिला है। खेलमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि पिहोवा हल्के में लगभग दो करोड 97 लाख रुपये की लागत से ग्रामीण क्षेत्र की 11 से अधिक सड़कों का नवीनीकरण कार्य पूरा किया जा चुका है। सड़कों पर दोनों तरफ सफेद रंग की पट्टी लगाई जा रही है। ताकि कोहरे के समय में विजिबिलिटी कम होने पर सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके और ये सड़कें सुंदर व आकर्षक नजर आएं। उन्होंने बताया कि गांव गुमथला भागल से रामगढ़ रोड, अंबाला हिसार रोड से गांव गुमथला, मोहनपुर कलसा से डेरा कागां वाली, अरुणाय से संगमेश्वर महादेव मंदिर, कुरुक्षेत्र पिहोवा रोड से निकटपुरा, कुरुक्षेत्र पिहोवा रोड से मुकीमपुरा, पिहोवा कुरुक्षेत्र रोड से जीएस फार्म, बीबीपुर कलां से नन्दूखेड़ा, पिहोवा ढांड रोड से असमानपुर आदि कार्य का पूरा किया जा चुका है।

भाजपा सरकार ने देश की आत्मा पर किया घिनौना प्रहार : सुखबीर चहल

नायब तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता।

फूंका सरकार का पुतला, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

पीएल वर्मा। कैथल

लोकसभा के बाद राज्य सभा में सभी मर्यादायों को ताक पर बिना बहस पास कराये गए कृषि सबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ राज्य सभा सांसद, आप हरियाणा के सहप्रभारी डॉ. सुशील गुप्ता के नेतृत्व में वीरवार को इसका विरोध राज्य भर में जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर काला दिवस मनाया।

कैथल में आम आदमी पार्टी उतरी हरियाणा संगठन मंत्री सुखवीर सिंह ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता प्रत्येक जिला मुख्यालय पर काली पट्टी बांध कर विधेयकों का विरोध कर रहे हैं। काले कानूनों को निरस्त करने के लिए राष्ट्रपति के नाम जिला उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपे। इंजी सुखवीर ने कहा है कि देश के सर्वोच्च सदन राज्य सभा में सभी नियम कायदों और मर्यादायों को तार-तार करते हुए किसानों की आपत्तिओं को नजर अंदाज कर विधेयकों का पास कराया है, वह दुर्भाग्य पूर्ण है। उन्होंने बताया कि राज्य सभा में सदस्यों ने सदन के उप सभापति से बार-बार ये अनुरोध किया था कि इन बिलों पर सदस्यों की वोटिंग कराई जाए लेकिन उन्होंने वोटिंग नहीं कराई। इसलिए ये बिल अवैध है। अत: राष्ट्रपति से इन बिलों पर हस्ताक्षर नहीं करने की अपील भी की है। निरंजन गुज्जर, राजबीर, जसविंदर राणा, महेंद्र राणा, जोगिंदर यादव, दर्शन चहल, सत्यवान शीलम, मोनू कांगड़ा, अरुण जाटव, सुरेश कौल, सुनील सेन, युद्धवीर वालिया, प्रदीप कुमार, आदित्य पतलान, बिट्टू राणा आदि मौजूद थे।

एकात्म मानववाद का विचार विश्व के लिए प्रेरणीय

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 104वीं जयंती के अवसर पर आयोजित वेबिनार

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का विचार भारत राष्ट्र ही नहीं अपितु पूरे विश्व के लिए प्रेरणीय है। यह एक ऐसा चिंतन और दर्शन है जसमें विश्व शांति, विश्व कल्याण और खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ा जा सकता है।

यह बात आरएसएस के पूर्व प्रदेश कार्यवाहक व केएलपी कॉलेज के प्रो. देव प्रसाद भारद्वाज ने स्थानीय पंचायत भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 104वीं जयंती के अवसर पर आयोजित वेबिनार में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष शंकर धूपड़ ने अतिथिगणों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई।

वेबिनार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया प्रो. देव प्रसाद भारद्वाज ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय एक महान चिंतक, कर्मयोगी, विचारक और दार्शनिक थे। 1951 में तत्कालीन प.पू. गुरुजी की प्रेरणा से पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में भारतीय जनसंघ की स्थापना की गई। पं. दीनदयाल उपाध्याय को राष्ट्रीय महामंत्री जैसा महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। 1967 में वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वे केवल 43 दिन तक ही राष्ट्रीय अध्यक्ष रह पाए। 11 फरवरी 1968 की रात्रि को मुगलसराय रेलवे स्टेशन पर उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। उनकी हत्या की साजिश आज तक सुलझ नहीं पाई है।

भारतीय जनसंघ के कुशल संगठनकर्ता के रूप में उनकी अनूठी व अनमोल प्रतिभा शक्ति थी। भाजपा प्रदेश सचिव मुकेश गौड़ ने कहा कि आज भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का जो गौरव प्राप्त हुआ है। वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान कर्मयोगी की तपस्या का ही परिणाम है। भाजपा जिला अध्यक्ष शंकर धूपड़ ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पूरे जिले में बूथ स्तर पर बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर गांधी जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ा का प्रवास रहेगा। पूर्व जिला अध्यक्ष नंदराम धानिया ने पं. उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष ताराचंद अग्रवाल, सभी मण्डल अध्यक्ष व पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

त्योहारी मौसम : फ्लिपकार्ट व्होलसेल 12 नए शहरों में अपने कदम रखेगी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद /गाजियाबाद

12 नए शहरों में फैशन श्रेणी के साथ नेटवर्क विस्तार किया जाएगा हजारों किराना एवं एमएसएमई को डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच मिलेगी

भारत में विकसित फ्लिपकार्ट ग्रुप के डिजिटल बी2बी मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट व्होलसेल ने 12 नए शहरों में अपने परिचालन विस्तार की घोषणा की है। फ्लिपकार्ट व्होलसेल रिटेल ईकोसिस्टम के लिए वन-स्टॉप डिजिटल मार्केटप्लेस सॉल्यूशन है जो छोटे कारोबारों को चुनने के लिए उत्पादों का विस्तृत संग्रह पेश करता है और वह भी बहुत खास कीमत पर। फ्लिपकार्ट व्होलसेल फैशन श्रेणी के साथ इन शहरों में विस्तार आरंभ करेगा तथा डिजिटल तकनीक का उपयोग करते हुए किराना व सूक्ष्म-लघु-मध्यम उद्यमों (एम एस एम ई) को तेजी से बढने, ग्राहकों को जोडे रखने व लाभदेयता सुधारने में मदद करेगा।

आगामी त्योहारी मौसम से पहले फ्लिपकार्ट व्होलसेल गाजियाबाद, फरीदाबाद, मैसूर, चंडीगढ़ ट्राइसिटी, मेरठ, आगरा, जयपुर, ठाणे-भिवंडी-उल्हासनगर, ग्रेटर मुंबई, वसई-विरार-मिरा-भाईंदर, ठाणे (कल्याण-डॉम्बिवली) और ठाणे (नवी मुंबई) में परिचालन शुरु कर देगा।

फ्लिपकार्ट व्होलसेल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं हैड आदर्श मेनन ने कहा, त्योहारी मौसम के आने से पहले 12 शहरों में अपनी उपस्थिति कायम करते हुए हम बहुत उत्साहित हैं। हमारा लक्ष्य एमएसएमई और किराना के लिए अधिक अवसर निर्मित करने का है। ट्रैंडी जयपुरी कुर्तियों से लेकर सदाबहार मैसूर सिल्क साड़ियों तक हमारा लक्ष्य छोटे कारोबारों की मदद करना है कि वे डिजिटल बदलाव को अपनाएं तथा ज्यादा मजबूत व्यापार के तौर पर उभरें। फ्लिपकार्ट व्होलसेल लांच होने के बाद से हमने बहुत से अग्रणी ब्रांडों के साथ हाथ मिलाया है और डिजिटल तकनीक से एम एस एम ई और किराना के लिए कारोबार करना आसान बनाया है। फ्लिपकार्ट ईकोसिस्टम से हासिल बी2बी और बी2सी जानकारी के आधार पर हम उन्हें ग्राहकों की बेहतर समझ देते हैं व उनके इलाके की खास मांगों के बारे में बताते हैं ताकि वे उसी के मुताबिक उत्पाद खरीदें और आगे बेचें। हमें यह देख कर खुशी हो रही है कि हमारी पहलकदमी से एम एस एम ई और किराना की समृद्धि बढ़ी है और भारत में आजीविका के लाखों नए अवसर बने हैं।

इस साल के अंत तक फ्लिपकार्ट व्होलसेल की योजना होम एंड किचन और ग्रौसरी की श्रेणियों में विस्तार करने की भी है।

एडीसी ने ली विजलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा ने वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय विजलेंस एवं मॉनिटरिंग कमेटी के अधिकारियों व सदस्यों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि कमेटी से सम्बन्धित जो लम्बित मामले है उनका निर्धारित समय के अंदर निपटान करें। इस विषय में किसी प्रकार की कोई लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

एडीसी ने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के बारे में एक्ट के अधीन अनुसूचित जाति के लोगों पर गैर अनुसूचित जाति के अत्याचारों से पीड़ित अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को 85 हजार से 8 लाख 25 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने जिला कल्याण अधिकारी कमल धीमान को निर्देश दिए कि लाभ पात्रों को किसी तरह की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी सुरजीत कौर, डीएसपी ममता सौदा, सदस्य कंवर पाल, कर्ण सिंह, कश्मीर, जय भगवान सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद सैनी ने क्षेत्र की प्रमुख मांगों को रखा सदन के पटल पर

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र एक धार्मिक नगरी है। इसकी धार्मिक मान्यता के कारण ही इस नगरी में पड़ने वाले अनेक तीर्थ व धार्मिक स्थलों के दर्शन व भ्रमण करने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं व पर्यटकों का कुरुक्षेत्र में आना-जाना लगा रहता है।

कुरुक्षेत्र में भारी संख्या में श्रद्धालुओं व पर्यटकों के आगमन के दौरान काफी भीड़ रहती है, जिससे कई बार ट्रैफिक जाम की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। पर्यटकों व आमजन की ट्रैफिक जाम की समस्या का जल्द ही निदान किया जाएगा। इसके लिए पटियाला से हरिद्वार तक के मार्ग जो कि कुरुक्षेत्र शहर के बीचों-बीच से होकर गुजरता है को फौर लैन करने और कुरुक्षेत्र के चारों तरफ रिंग रोड बनाने के लिए सरकार के समक्ष मांग रखी गई है। सांसद नायब सिंह सैनी लोकसभा की कार्रवाई के दौरान संसद में विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार से सवाल-जवाब कर रहे थे। इससे पहले सांसद नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न मांगों को सरकार के समक्ष रखा और इन मांगों को पूरा करने के मांग की है।

सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र महाभारत कालीन विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी है। इस नगरी में करीब 134 धार्मिक स्थल हैं। प्राचीन व विश्वप्रसिद्ध स्थल होने की वजह से इस धर्मनगरी में हर वर्ष लाखों की संख्या में देश-विदेश से पर्यटक और श्रद्धालु आते हैं। कुरुक्षेत्र जाने के लिए एक ही सड़क है जो शहर के बीच से निकल कर कैथल-पिहोवा-पूंडरी की तरफ निकलती है और राजस्थान बार्डर को टच करती है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र की एक सड़क जो पटियाला से हरिद्वार को जाती है, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को आपस में जोड़ती है। यह सड़क पटियाला से हरिद्वार, चीका, पिहोवा, कुरुक्षेत्र, लाडवा, रादौर व यमुनानगर से होकर निकलती है जिसकी कुल लंबाई लगभग 230 किलोमीटर है।

भारतीय-अमेरिकियों को ट्रंप की ओर खींच रहे हैं 12 कारण : सर्वेक्षण

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय-अमेरिकी 12 कारणों से देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में आगे आ रहे हैं, जिनमें से एक कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मित्रता है। ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान में लगे एक दल द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह दावा किया गया है।

ट्रंप विक्ट्री इंडियन अमेरिकन फाइनेंस कमेटी के सह अध्यक्ष अल मैसन और उनके दल के सर्वेक्षण के अनुसार देश के पूर्व राष्ट्रपतियों और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन के विपरीत ट्रंप प्रशासन भारत के आंतरिक मामलों, खासकर कश्मीर जैसे मामलों से दूर रहा है। इसके

एक कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मित्रता भी है

अलावा वैश्विक मंच पर भारत का दर्जा ऊंचा करने में ट्रंप की स्पष्ट भूमिका एक अन्य अहम कारण है। सर्वेक्षण में कहा गया है, यह मुख्य रूप से ट्रंप-मोदी फैक्टर के बारे में है। इसमें कहा गया है कि भारतीय-अमेरिकियों का काफी हद तक यह मानना है कि आगामी चार साल में मोदी और ट्रंप के मिलकर काम करने से वैश्विक मंच पर चीन को रोकने में मदद मिलेगी।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि इनके अलावा, चीन के खिलाफ ट्रंप के कड़े

रवैए, देश को युद्ध की स्थिति में ले जाने के बजाए शांति कायम करने की कोशिश करने , कोविड-19 से पहले अमेरिका का आर्थिक पुनरुद्धार और वैश्विक महामारी से उचित तरीके से निपटने आदि के कारण भारतीय-अमेरिकी ट्रंप की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसमें कहा गया है, ट्रंप ने वैश्विक मंच पर भारत का दर्जा बढ़ाया है। निस्संदेह, इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका को लेकर दक्ष नीति को जाता है। भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हैं। भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों का श्रेय ट्रंप और मोदी को जाता है।

सर्वेक्षण में कहा गया है, भारत में हर भारतीय-अमेरिकी के माता-पिता, भाई, बहन, मित्र हैं या कोई कारोबार है। वे चाहते हैं कि भारत का सम्मान हो और उसकी चीन से रक्षा हो। ट्रंप ऐसा कर सकते हैं। उन्हें डर है कि ट्रंप की गैरमौजूदगी में, चीन भारत के साथ युद्ध शुरू कर सकता है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि संभावित भारतीय अमेरिकी मतदाताओं में से 50 प्रतिशत मतदाता ट्रंप के पक्ष में मतदान करेंगे।

मझगांव डॉक का आईपीओ 29 को खुलेगा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 सितंबर को खुलेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 135-145 प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आईपीओ के तहत 3,05,99,017 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। आईपीओ एक अक्टूबर को बंद होगा। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर आईपीओ से 444 करोड़ रुपये जुटेंगे। मूल्य दायरे के निचले स्तर पर 413 करोड़ रुपये जुटाए जा सकेंगे। कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

ट्रंप ने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को प्रतिबद्धता जताने से किया इनकार

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सत्ता में दोबारा आने का विश्वास जाहिर किया

ललित के. झा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार की स्थिति में सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को लेकर प्रतिबद्धता जताते से इनकार कर दिया और ईमेल या डाक के जरिए मतदान (मेल-इन-बैलेट) को लेकर संदेह व्यक्त करते हुए इसे अनर्थ करार दिया।

व्हाइट हाउस में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप से सवाल किया गया कि चुनाव में हार मिलने की स्थिति में क्या वह व्हाइट हाउस शांतिपूर्वक छोड़ देंगे? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, हम देखेंगे कि क्या होता है। ट्रंप ने कहा, मैं ईमेल या डाक के जरिए मतदान को लेकर लगातार शिकायत करता रहा हूं और यह अनर्थ है..। उनसे पूछा गया था, राष्ट्रपति जी, चुनाव के परिणाम चाहे जो भी हो, भले ही जीत हो, हार हो या मुकाबला बराबरी का रहे, क्या आप चुनाव के बाद सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण का आज यहां वादा करते हैं? ट्रंप के जवाब से संतुष्ट न होने पर पत्रकार ने फिर पूछा, क्या आप सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण का वादा करते हैं? इसके जवाब में, ट्रंप ने सत्ता में दोबारा आने का विश्वास जाहिर किया।

राष्ट्रपति ने कहा, हम ईमेल या डाक के जरिए मतदान की व्यवस्था से छुटकारा चाहते हैं। सब शांतिपूर्ण रहेगा। सत्ता का कोई हस्तांतरण नहीं होगा। सच कहूं तो यही सरकार बरकरार रहेगी। ट्रंप ने उनसे इस संबंध में सवाल करने वाले पत्रकार के और प्रश्नों के उत्तर देने से इनकार कर दिया। सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को लेकर प्रतिबद्धता संबंधी ट्रम्प की टिप्पणी के बारे में पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा, हम किस देश में हैं? उन्होंने सबसे तर्कहीन बात की है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं इस पर क्या कहूं? इससे पहले भी ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार के दौरान चुनाव परिणाम स्वीकार करने को लेकर प्रतिबद्धता नहीं जताई थी और कहा था, मुझे देखना होगा।

ट्रंप चीन के साथ निष्पक्ष और संतुलित संबंध चाहते हैं : पोम्पिओ

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के साथ एक निष्पक्ष और संतुलित संबंध चाहते हैं, जहां एक देश दूसरे देश के लिए अथवा अन्य देशों की आजीविका के लिए खतरा नहीं बने। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में चीन के साथ व्यापार युद्ध शुरू किया, जिसके बाद दोनों देशों के बीच संबंध बिगड़ गए। ट्रंप ने चीन से व्यापार घाटे को कम करने के लिए कहा था जो कि 2017 में 375.6 अरब अमेरिकी डॉलर था। कोविड-19 महामारी के बाद से चीन और अमेरिका के संबंध और भी बिगड़ गए। ट्रंप बार-बार कोरोना वायरस को चीनी वायरस बता रहे हैं और उनका कहना है कि चीन इस महामारी से सही तरह से नहीं निपट पाया, हालांकि चीन इस आरोप से इनकार करता रहा है। विस्कोन्सिन स्टेट कैपिटोल में बुधवार को विस्कोन्सिन के सीनेटर रोगर रोथ के साथ चर्चा के दौरान पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिका के पास जो भी रास्ते हैं, उसे उसका इस्तेमाल करना है और इसमें अमेरिका चीन से निष्पक्ष और परस्पर संबधों की मांग कर सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चीन के साथ एक निष्पक्ष और संतुलित संबंध चाहते हैं, जहां एक देश दूसरे देश के लिए अथवा अन्य देशों की आजीविका के लिए खतरा नहीं बने।

संभावनाओं के बावजूद चुनौतियों का सामना कर रहा है खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र : विशेषज्ञ

लखनऊ। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की तरक्की की जबर्दस्त संभावनाएं हैं, लेकिन यह क्षेत्र कई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की उत्तर प्रदेश इकाई द्वारा बुधवार को आयोजित वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण देश का पांचवा सबसे बड़ा क्षेत्र है और सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान 13 प्रतिशत का है। मगर रोजगार की संभावनाओं से भरपूर होने के बावजूद इस क्षेत्र के सामने अनेक चुनौतियां खड़ी है। चैंबर के महासचिव सौरव सान्याल ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उद्यमियों को आसानी से कर्ज नहीं मिल पाता। इसके अलावा संस्थागत कर्ज की ऊंची ब्याज दर, आधुनिक प्रौद्योगिकी तक पहुंच का अभाव, खाद्य श्रृंखला से जुड़ा न होना और स्वास्थ्य और सुरक्षा के मानकों का पालन नहीं कर पाना भी इन चुनौतियों में शामिल है।

उन्होंने किसान उत्पादक संगठनों की भूमिका को भी बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इन संगठनों से उत्पादकों की विशेषज्ञता और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के उत्पादों के विपणन के बीच दूरी को पाटने में मदद मिलती है। सान्याल ने कहा कि पीएचडीसीसीआई विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के प्रौद्योगिकीय उन्नयन, वित्तपोषण और परामर्श के लिए काम कर रहा है। पीएचडीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और एमएसएमई मेंटरिंग एंड गाइडेंस सेंटर के परामर्शदाता अनिल खेतान ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में पांचवा सबसे बड़ा क्षेत्र है और यह सालाना सकल घरेलू उत्पाद में 13 प्रतिशत का योगदान करता है। रोजगार की अपार संभावनाओं वाले खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में आम, दलहन, अदरक, लहसुन और काजू के सबसे बड़े उत्पादक शामिल है। पीएचडीसीसीआई के सलाहकार डॉ. एसपी कुमार ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो बाजार के रुख को बदल रहा है।

अगले महीने भारत में दौड़ेगी जेएलआर की एसयूवी डिफेंडर

नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी लैंड रोवर डिफेंडर को 15 अक्टूबर को भारत में उतारने की घोषणा की है। कंपनी ने इस मॉडल के लिए बुकिंग शुरू कर दी है।

जेएलआर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित सूरी ने बयान में कहा, यह हमारे लिए गौरव का क्षण है। 2009 में भारतीय बाजार में उतरने के बाद हम पहली बार डिफेंडर को यहां ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वाहन को भारतीय बाजार में उतारने के लिए एक बड़ा डिजिटल आयोजन किया जाएगा। फिलहाल भारतीय बाजार में लैंड रोवर पोर्टफोलिया के विभिन्न मॉडल मसलन रेंज रोवर इवोक्यू, डिस्कवरी स्पोर्ट, रेंज रोवर वेलर, रेंज रोवर स्पोर्ट, डिस्कवरी और रेंज रोवर उपलब्ध हैं। जेएलआर भारत के 24 शहरों में 27 डीलरशिप के जरिए इन वाहनों की बिक्री करती है।

आतंकवाद की समस्या की जड़ तक पहुंचने की जरूरत है

वैश्विक आंतकवाद का एक नया रूप सामने आया है जिसमें हम जी रहे हैं और मर रहे हैं : अशरफ गनी

संयुक्त राष्ट्र। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने बुधवार कहा कि अफगानिस्तान में स्थाई शांति कायम करने के लिए, हमारे क्षेत्र को नुकसान पहुंचा रहे आतंकवाद की समस्या की जड़ तक पहुंचने और इससे एक वैश्विक खतरे के तौर पर निपटने की जरूरत है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में आम चर्चा में अपने रिकॉर्डेड संदेश में गनी ने उन मुद्दों पर चर्चा की, जिससे उनका युद्धग्रस्त देश पिछले कई वर्षों से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, युद्ध और हिंसा के तरीकों में बदलाव आया है, जिसे हमने झेला है और अब भी झेल रहे हैं। वैश्विक आंतकवाद का एक नया रूप सामने आया है जिसमें हम जी रहे हैं और मर रहे हैं, जिसमें वैश्विक आतंकवादी नेटवर्क, वैश्विक आपराधिक नेटवर्क के साथ निकटता से जुड़ा है, जिससे युद्ध पूरी तरह से गैर परम्परागत हो गए हैं तथा शांति-निर्माण और चुनौतीपूर्ण बन गया है।

गनी ने कहा कि एक देश और समाज के तौर पर अफगानिस्तान ने तालिबान के साथ सीधी शांति वार्ता शुरू करने जैसा कठोर निर्णय लेने का साहस दिखाया। उन्होंने कहा, यह काफी नहीं होगा। अफगानिस्तान में स्थाई शांति कायम करने के लिए, हमारे क्षेत्र को नुकसान पहुंचा रहे आतंकवाद की समस्या की जड़ तक पहुंचने और इससे एक वैश्विक खतरे के तौर पर निपटने की जरूरत है।

मारुति की नई कार मासिक शुल्क पर ले सकेंगे ग्राहक

दिल्ली, एनसीआर और बेंगलुरु में शुरू किया कार्यक्रम

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपना वाहन सब्स्क्रिप्शन कार्यक्रम मारुति सुजुकी सब्स्क्राइब शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अभी यह कार्यक्रम दिल्ली, एनसीआर (नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम) और बेंगलुरु में शुरू किया है।

कंपनी की योजना अगले दो से तीन साल में देश के 60 शहरों में इस कार्यक्रम का विस्तार करने की है। मारुति सुजुकी ने बयान में कहा कि

उसने इसके लिए ओरिक्स कॉरपोरेशन, जापान की अनुषंगी ओरिक्स ऑटो इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज इंडिया के साथ गठजोड़ किया है। इस सेवा के तहत ग्राहक मारुति सुजुकी एरीना से नई स्विफ्ट डिजायर, विटारा ब्रेजा और एर्टिगा तथा नेक्सा से नई बलेरा, सियान और एक्सएल6 लेने का विकल्प चुन सकते हैं।

कंपनी ने कहा कि कार्यक्रम के तहत ग्राहक वाहन का स्वामित्व हासिल किए बिना नई कार का इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए उन्हें मासिक शुल्क का भुगतान करना होगा। इस शुल्क में पूर्ण रखरखाव, बीमा और सड़क पर वाहन खराब होने पर सहायता आदि शामिल होगा। ग्राहक इन वाहनों के लिए 12 माह से 48 माह का सब्स्क्रिप्शन ले सकते हैं। दिल्ली में स्विफ्ट एलएक्सआई का 48 माह के सब्स्क्रिप्शन के लिए मासिक शुल्क 14,463 रुपये (कर सहित) शुरू होता है।

सब्स्क्रिप्शन की अवधि समाप्त होने के बाद ग्राहक वाहन का अद्यतन कर सकते हैं, इसका विस्तार कर सकते हैं या बाजार मूल्य पर कार की खरीद कर सकते हैं। मारुति सुजुकी के कार्यकारी निदेशक (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, यह कार्यक्रम व्यक्तिगत ग्राहकों की सुविधा के लिए शुरू किया है। इसमें अग्रिम में कोई राशि नहीं देनी होगी। मासिक शुल्क में पंजीकरण की लागत, बीमा और नवीकरण और सामान्य रखरखाव शामिल होगा।

लॉयड ब्रांड के जरिए रेफ्रिजरेटर बाजार में उतरी हैवेल्स

नई दिल्ली। उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल सामान कंपनी हैवेल्स रेफ्रिजरेटर बाजार में उतर गई है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को अपनी टिकाऊ उपभोक्ता सामान इकाई लॉयड के जरिए देश के रेफ्रिजरेटर बाजार में उतरने की घोषणा की।

इस कदम के साथ लॉयड एक पूर्ण टिकाऊउपभोक्ता सामान ब्रांड बन जाएगा। यह ब्रांड पहले से एयर-कंडीशनर, एलईडी टीवी और वॉशिंग मशीन खंड में मौजूद है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने 25 नए इन्वर्टर प्रौद्योगिकी आधारित डायरेक्ट कूल (डीसी), फ्रॉस्ट-फ्री और साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर मॉडल पेश किए हैं। कंपनी का इरादा दिवाली तक 25 और नए मॉडल उतारने का है। इसके अलावा लॉयड की योजना नवंबर में डिशवॉशर खंड में भी उतरने की है। लॉकडाउन के दौरान लोग अपने घर से काम कर रहे हैं। ऐसे में डिशवॉशर जैसे उत्पादों की मांग बढ़ी है। लॉयड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशि अरोड़ा ने कहा, आज हम डीसी, साइड-बाय-साइड, फ्रॉस्ट फ्री रेफ्रिजरेटर की श्रृंखला पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप कंपनी अपने रेफ्रिजरेटर की समूची श्रृंखला का उत्पादन भारत में ही करेगी।

संरा ने बाल विवाह रोकने को भारत का नीतियों का संज्ञान लिया

जागरुकता पैदा किए जाने के कारण दुनिया भर में दो करोड़ 50 लाख बाल विवाह रोके

योशिता सिंह। संयुक्त राष्ट्र

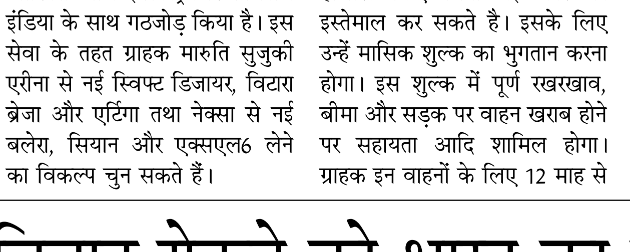

बाल विवाह एवं जबरन विवाह पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की एक रिपोर्ट में भारत में लिंग एवं बच्चों के प्रति संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं को प्रोत्साहित करने संबंधी राष्ट्रीय नीतियों और क्षमता निर्माण की पहलों का संज्ञान लिया गया है।

जून 2018 से मई 2020 की अवधि के लिए बाल, समय पूर्व और जबरन विवाह का मुद्दा पर महासचिव एंतोनियो गुतारेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों ने विवाह की न्यूनतम आयु बढ़ाने के लिए विधाई एवं नीतिगत उपाय लागू किए हैं और बाल, सही उम्र से पहले एवं जबरन विवाह को रोकने के लिए समग्र रणनीतियां अपनाई हैं। रिपोर्ट में बाल विवाह, सही उम्र से पहले विवाह और जबरन विवाह को रोकने के लिए विश्वभर में की गई प्रगति की समीक्षा की गई है। इसमें कहा गया है, इथियोपिया, घाना, भारत, मोजाम्बिक, नाइजर और युगांडा ने बाल विवाह, सही उम्र से पहले विवाह और जबरन विवाह झेलने वाली लड़कियों समेत लिंग एवं बच्चों के प्रति संवेदनशील स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सेवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय नीतियां विकसित कीं, दिशा-निर्देश जारी किए और क्षमता निर्माण पहलें शुरू कीं।

भारत में लाडली सम्मान मुहिम के तहत महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा

रिपोर्ट में विवाहित लड़कियों एवं महिलाओं संबंधी नीतियों की भी बात की गई है। इसमें कहा गया है कि भारत में लाडली सम्मान मुहिम के तहत महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा योजना और परामर्श देने की व्यवस्था की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएनएफपीए-यूनीसेफ ग्लोबल प्रोग्राम टू एक्सेलरेट एक्शन टू एंड चाइल्ड मैरेज ने भारत में पश्चिम बंगाल के कन्याश्री प्रकल्प कार्यक्रम को समर्थन दिया। इसके तहत बाल विवाह रोकने और शिक्षा जारी रखने के लिए सशर्त नकद हस्तांतरण को प्रोत्साहित किया गया। भारत में स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान ने विवाहित लड़कियों को सशक्त बनाने में योगदान दिया और उन्हें स्वास्थ्य, शैक्षणिक, आर्थिक एवं कानूनी सहायता तक पहुंच का मौका मिला। यूनीसेफ के अनुसार पिछले एक दशक में दुनिया भर में लड़कियों की शिक्षा की दर बढ़ने और बाल विवाह के नुकसान और इसकी अवैधता के प्रति लोगों में जागरुकता पैदा किए जाने के कारण दो करोड़ 50 लाख बाल विवाह रोके गए।

जस्ता वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। हाजिर बाजार से गिरावट का संकेत लेते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को जस्ता की कीमत 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 187.90 रुपये प्रति किग्रा रह गई। एमसीएक्स में जस्ता के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1.95 रुपये अथवा 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 187.90 रुपये प्रति किग्रा रही, जिसमें 2,321 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे मुख्यत: जस्ता वायदा कीमतों में गिरावट आई।

संक्षिप्त समाचार

सोयाबीन वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को सोयाबीन की कीमत 42 रुपये की हानि के साथ 3,976 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। एनसीडीईएक्स में सोयाबीन के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 42 रुपये अथवा 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,976 रुपये प्रति क्विंटल रह गई जिसमें 40,945 लॉट के लिए कारोबार हुआ। सोयाबीन के नवंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 38 रुपये अथवा 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,965 रुपये प्रति क्विंटल रह गई जिसमें 47,255 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि वायदा कारोबार में सोयाबीन की कीमतों में गिरावट आने का मुख्य कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को कम करना था।

धनिया वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को धनिया की कीमत 26 रुपये की तेजी के साथ 6,510 प्रति क्विंटल हो गई। एनसीडीईएक्स में धनिया के अक्टूबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 26 रुपये अथवा 0.4 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,510 रुपये प्रति क्विंटल हो गई जिसमें 4,470 लॉट के लिए कारोबार हुआ। धनिया के नवंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 28 रुपये अथवा 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,598 रुपये प्रति क्विंटल हो गई जिसमें 400 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख और उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति के कारण मुख्य रूप से यहां धनिया वायदा कीमतों की तेजी आई।

तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को तांबा की कीमत 1.35 रुपये की गिरावट के साथ 526.70 रुपये प्रति किग्रा रह गई। एमसीएक्स में तांबा के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1.35 रुपये अथवा 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 526.70 रुपये प्रति किग्रा रह गई जिसमें 1,355 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यत: यहां तांबा वायदा कीमतों में गिरावट आई।

ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिए स्थानीय डेटा केंद्रों की जरूरत : सेन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल आवास संरचना विकास निगम (डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ) के चेयरमैन देवाशीष सेन ने कहा है कि आने वाले दिनों में और अधिक लोग घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) करेंगे, ऐसे में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी में सुधार के लिए स्थानीय डेटा केंद्रों की जरूरत होगी। सेन ने बृहस्पतिवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि न्यू टाउन में प्रस्तावित सिलिकॉन वैली हब में डेटा केंद्र शुरू करने के लिए कई कंपनियों द्वारा पूछताछ की जा रही है। सेन ने कहा, जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्थानीय डेटा केंद्रों की काफी जरूरत होगी। आगे चलकर और अधिक लोग घर से काम करेंगे। ऐसे में डेटा कनेक्टिविटी पर निर्भरता काफी अधिक बढ़ जाएगी। सेन ने कहा कि डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के साथ शुरुआती बातचीत के बाद ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के शेडो एरिया को लेकर अध्ययन शुरू किया है। शेडो क्षेत्रों से तात्पर्य ऐसे स्थानों से है जहां ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी काफी धीमी है।

पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन को 10,000 करोड़ जुटाने की मंजूरी

नई दिल्ली। पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (पीजीसीआईएल) को 2021-22 में निजी नियोजन के आधार पर बांड जारी कर 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि 22 सितंबर को हुई 31वीं वार्षिक आमसभा में सभी प्रस्तावों को शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई। कंपनी ने आमसभा में वित्त वर्ष 2021-22 में घरेलू बाजार से 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए विशेष प्रस्ताव रखा था। यह राशि निजी नियोजन के आधार पर 20 तक किस्तों में गारंटी या बिना गारंटी वाले, गैर-परिवर्तनीय, विमोच्य, करयोग्य या करमुक्त डिबेंचर या बांड जारी कर जुटाई जाएगी।

उत्तर कोरिया पर लगाया अधिकारी की हत्या का आरोप

सियोल। दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया पर उसके एक अधिकारी की हत्या का आरोप लगाया और उत्तर कोरिया से दोषियों को सजा देने की अपील की। अंतर-कोरियाई समुद्री सीमा में अनधिकृत रूप से मछली पकड़ने की घटनाओं पर नजर रखने के लिए तैनात दक्षिण कोरियाई नौका से सोमवार को एक सरकारी अधिकारी लापता हो गया था। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि लापता अधिकारी मंगलवार दोपहर उत्तर कोरियाई तट पर था। अधिकारी वहां कैसे पहुंचा इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है और बृहस्पतिवार को मंत्रालय की ओर से जारी अद्यतन जानकारी में भी यह नहीं बताया गया कि उसकी मौत कैसे हुई। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम विभिन्न खुफिया जानकारियों के आधार पर इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि यह उत्तर कोरिया की नृशंस हरकत है और दक्षिण कोरिया इसकी कड़ी निंदा करता है। उत्तर कोरिया ने अभी तक इन आरोपों पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

शाहबाज शरीक और उनके परिवार के खिलाफ मामला दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने नेता प्रतिपक्ष शाहबाज शरीफ और उनके परिवार के खिलाफ सात अरब रुपये के धनशोधन का मामला दर्ज कराया है। शाहबाज (69) पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के छोटे भाई हैं और 2008 से 2018 के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री रहे हैं। समाचार पत्र डॉन की खबर के मुताबिक गृह और जवाबदेही मामलों के लिए प्रधानमंत्री के सलाहकार शहजाद अकबर ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) पीएमएमल-एन के अध्यक्ष शाहबाज और उनके बेटे हम्जा तथा सलमान फर्जी खातों के जरिए धनशोधन के मामलों में संलिप्त हैं लेकिन वह (शाहबाज) हमेशा यह कहते रहे हैं बेटों के कारोबार से उनका कोई-लेना देना नहीं है। अकबर ने कहा, राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने एक मामला दर्ज किया है, जिसमें शाहबाज शरीफ और उनके बच्चों के खिलाफ लाहौर की एनएबी अदालत में सात अरब रुपये के धनशोधन का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय निगरानी इकाई ने शाहबाज के परिवार के 177 संदिग्ध लेन-देन का पता लगाया था, जिसके बाद एनएबी ने जांच शुरू की।

भारतीय मूल के पुलिस अधिकारी को दो वर्ष की कैद

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक पुलिस अधिकारी को जांच के दायरे में आई महिलाओं का उत्पीड़न करने के जुर्म में दो वर्ष की कैद की सजा सुनाई गई है। सिंगापुर पुलिस बल के स्टाफ सर्जेंट महेंद्रन सेल्वाराजू ने कंप्यूटर दुरुपयोग अधिनियम के तहत लगे दो आरोपों समेत कुल चार आरोपों को स्वीकार किया है। करप्ट प्रैक्टिस जांच ब्यूरो ने 32 वर्षीय महेंद्रन को पिछले साल एक मई को गिरफ्तार किया था। वह एक महिला के खिलाफ दुकान में चोरी और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी के मामले की जांच कर रहा था और उसने महिला से यौन इच्छापूर्ति करने की मांग रखी थी।

गिलगित बाल्तिस्तान विस में 15 नवंबर को चुनाव कराएगा पाक

इस्लामाबाद। भारत द्वारा कड़ी आपत्ति दर्ज कराए जाने के बावजूद पाकिस्तान ने गिलगित बाल्तिस्तान की विधानसभा के लिए 15 नवंबर को चुनाव कराने की घोषणा की है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में इससे पहले चुनाव स्थगित कर दिया गया था। राष्ट्रपति डॉ आरिफ अल्वी ने बुधवार को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की। वक्तव्य में कहा गया, पाकिस्तान इस्लामी गणतंत्र के राष्ट्रपति घोषणा करते हैं कि चुनाव अधिनियम 2017 की धारा 57 (1) के तहत रविवार, 15 नवंबर 2020 को गिलगित बाल्तिस्तान विधानसभा में आम चुनाव कराए जाएंगे।

2022 तक शत-प्रतिशत विद्युतीकरण लक्ष्य के बावजूद

रेलवे ने नहीं किया इलेक्ट्रिक इंजनों की जरूरत का आकलन : कैग

भारतीय रेलवे में डीजल इंजन 2012-18 के दौरान 20 फीसदी बढ़ गए

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने बुधवार को कहा कि 2022 तक शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल करने के लक्ष्य के बावजूद रेलवे इलेक्ट्रिक इंजनों की जरूरतों का आकलन करने में विफल रहा। जिसके परिणामस्वरूप 2012-18 के दौरान डीजल के इंजन 20 फीसद बढ़ गए। इससे रखरखाव की गुणवत्ता को काफी प्रभावित किया। भारतीय रेलवे में इंजनों एवं उसके उत्पादन के मूल्यांकन एवं उपयोगिता तथा एलएचबी डिब्बों के रखरखाव विषय पर कैग की ऑडिट रिपोर्ट बुधवार को संसद के दोनों सदनों में रखी गई। कैग ने कहा कि इंजनों की जरूरत का आकलन करते समय इलेक्ट्रिक इंजनों की जरूरत और साथ ही डीजल इंजनों के उपयोग में कमी पर उचित तरीके से विचार नहीं किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है, विद्युतीकरण और कार्बन की मात्रा कम करने के मिशन में रेलवे ने (सितंबर, 2017) 2022 तक भारतीय रेलवे का शतप्रतिशत विद्युतीकरण का निर्देश जारी किया था। रेलवे बोर्ड ने 2012-19 के दौरान इंजनों की जरूरतों का आकलन करते समय रेलवे में विद्युतीकरण की बढ़ती दर की उपयुक्त ढंग से समीक्षा नहीं की। इसमें कहा गया है, इंजनों की जरूरत का आकलन करते समय इलेक्ट्रिक इंजनों की जरूरत में वृद्धि और साथ ही डीजल इंजनों के उपयोग में कमी पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया। कैग ने कहा कि रेलवे बोर्ड द्वारा इंजनों की जरूरत के लिए अपनाया गया मापदंड पिछले साल के वास्तविक उत्पादन पर आधारित था। उसने कहा, इंजनों की आवश्यकता वास्तविक जरूरत के आधार पर तय नहीं की गई।

एलपीडी अनुबंध को लेकर कैग ने की नौसेना की आलोचना

नई दिल्ली। जल-थल अभियानों में मददगार जंगी जहाजों के बेड़े को खरीदने का फैसला 2010 में होने के बाद भी 16,000 करोड़ रुपए के अनुबंध को पूरा करने में नौसेना के विफल रहने पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने कड़ा ऐतराज किया है। नौसेना ने चार लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक (एलपीडी) खरीदने की योजना बनाई थी जिनका इस्तेमाल सैनिकों तथा टैंकों, हेलीकॉप्टरों एवं अन्य युद्धास्त्रों को समुद्री मार्ग से युद्धक्षेत्र में ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बुधवार को संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कैग ने एलपीडी की कमी से जूझने के बावजूद इस अनुबंध को पूरा नहीं कर पाने को लेकर नौसेना की आलोचना की है। कैग ने कहा, एलपीडी की वर्तमान क्षमता जल-थल अभियानों के लिहाज से अपर्याप्त पाई गई। भारतीय नौसेना ने इसलिए अक्टूबर, 2010 में 16,000 करोड़ रुपये की कीमत से अहम जंगी जहाज को खरीदने का निर्णय लिया था।

वीडियो कांफ्रेंस से राष्ट्रीय सेवा योजना के पुरस्कार बांटे

एनएसएस का सेवा कार्य से शिक्षा और चरित्र निर्माण सराहनीय : राष्ट्रपति

अब तक लगभग सवा चार करोड़ विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना से अपना दे चुके योगदान

राष्ट्रपिता ने मानवता ही नहीं प्रकृति के प्रति भी सेवा और करुणा की भावना पर दिया बल

नई दिल्ली। कोविड-19 के समय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को कहा कि इनका सेवा के माध्यम से शिक्षा तथा चरित्र का निर्माण तथा व्यक्तित्व विकास का कार्य अनुकरणीय है।

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) पुरस्कार प्रदान करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं ने कोविड-19 के कारणों और उसकी रोकथाम के सम्बन्ध में जानकारी का प्रचार-प्रसार करने में सरकार एवं गैर सरकारी संगठनों को अनेक प्रकार से सहायता प्रदान की है। इन स्वयंसेवकों ने जनसेवा की नई मिसाल प्रस्तुत की है। ये सराहनीय है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के विरुद्ध संघर्ष में राष्ट्रीय सेवा योजना के सेवा में अमूल्य सामाजिक दूरी के निर्देशों का पालन करने तथा मास्क के प्रयोग को लेकर जागरूकता का प्रसार किया। पृथक-वास के दौरान लोगों तक खाद्य-सामग्री एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं पहुंचाने में योगदान दिया है।

कोविंद ने कहा कि भूकम्प और बाढ़ जैसी राष्ट्रीय आपदाओं के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और कार्यकर्ता समाज की सहायता के लिए सदा तत्पर रहे हैं। विगत कुछ वर्षों में उन्होंने बाढ़ एवं जलभराव के दौरान राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में अथक प्रयास किए हैं।

उन्होंने कहा, उन्होंने यह सिद्ध किया है कि हमारी बेटियां भी राष्ट्र-सेवा में अमूल्य योगदान देती हैं। हमारी ये बेटियां उस परंपरा की याद दिलाती हैं जिसमें सावित्री बाई फुले, कस्तूरबा गांधी और मदर टेरेसा जैसे सेवा-भावना के महान और प्रेरक उदाहरण मौजूद हैं। राष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है सेवा के माध्यम से शिक्षा। सेवा के द्वारा युवा स्वयंसेवकों के चरित्र का निर्माण तथा व्यक्तित्व का विकास होता है। उन्होंने कहा कि इस योजना का आदर्श वाक्य मैं नहीं, बल्कि आप है। इसका भाव है, अपने हित की जगह दूसरे के हित पर ध्यान देना। कोविंद ने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अनेक तकनीकी संस्थानों, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों के लगभग 40 लाख युवा विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़कर, समाज और राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। अब तक लगभग सवा चार करोड़ विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से अपना योगदान दे चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2018-19 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने केवल मानवता ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों और प्रकृति के प्रति भी सेवा और करुणा की भावना पर बल दिया था और अपना सम्पूर्ण जीवन, सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा कि बापू ने कहा था, ईश्वर की पहचान सेवा से ही होगी, यह मानकर मैंने सेवा-धर्म स्वीकार किया था। राष्ट्रपति ने कहा, गांधी जी के आदर्शों से युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरुआत, उनकी जन्म-शताब्दी के उपलक्ष्य में सन् 1969 में की गई थी। यह योजना, आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पांच दशक पहले थी। उन्होंने कहा कि यह तथ्य विशेष रूप से संतोषप्रद है कि वर्ष 2018-19 के 42 पुरस्कार विजेताओं की सूची में 14 बेटियों के नाम भी शामिल हैं।

मोदी ने दिया स्वस्थ रहने का मंत्र-फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि फिट रहना उतना मुश्किल काम नहीं है, जितना कुछ लोगों को लगता है। थोड़े से नियम व परिश्रम से हमेशा स्वस्थ रहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज, मंत्र में सभी का स्वास्थ्य और सभी का सुख छिपा हुआ है।

फिट इंडिया अभियान की पहली वर्षगांठ के अवसर पर फिटनेस को लेकर जागरूकता का प्रसार करने वाले लोगों से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने ये बातें कहीं। संवाद करने वाले लोगों में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली, अभिनेता मिलिंद सोमन और मशहूर डायटीशियन रुजुता दिवेकर के अलावा फिटनेस के प्रति उत्साही आम नागरिक शामिल थे।

मोदी ने आज के संवाद को हर आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी करार देते हुए कहा कि एक साल के भीतर फिट इंडिया अभियान आमजन का अभियान बन चुका है तथा देश में स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर निरंतर जागरूकता में बढ़ोतरी होती चली जा रही है। उन्होंने कहा, फिट इंडिया मूवमेंट ने अपने प्रभाव और प्रासंगिकता को कोरोना काल में सिद्ध करके दिखाया है कि वाकई में फिट रहना इतना मुश्किल काम नहीं है जितना कुछ लोगों को लगता है। थोड़े से नियम से थोड़े से परिश्रम से आप हमेशा स्वस्थ रह सकते हैं। फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज, इस मंत्र में सभी का स्वास्थ्य और सभी का सुख छिपा हुआ है।

उन्होंने कहा, जब हम नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो खुद को फिट और मजबूत रखते हैं। इससे एक भावना जाती है कि हां, हम स्वयं के निर्माता हैं। एक आत्मविश्वास आता है और व्यक्ति का यही आत्मविश्वास उसको जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में भी सफलता दिलाता है। यही बात परिवार समाज देश पर भी लागू है। उन्होंने कहा कि जितना इंडिया फिट होगा उतना इंडिया हिट होगा।

कृषि विधेयकों के समर्थन में चौहान ने कहा, किसानों के भगवान हैं प्रधानमंत्री

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों का भगवान बताया और कहा कि संसद से पारित कृषि सुधार संबंधी विधेयकों से अन्नदाताओं की आय दोगुनी होगी। चौहान ने इन विधेयकों के विरोध में उतरे विपक्षी दलों को किसानद्रोही करार दिया और आरोप लगाया कि वे बिचौलियों की पैरवी कर रहे हैं। चौहान ने बुधवार रात यहां संवाददाताओं से कहा, दूरदृष्टि से फैसले करने वाले प्रधानमंत्री किसानों के भगवान हैं। कृषि सुधारों से संबंधित तीनों विधेयक किसानों के लिए वरदान हैं जिनसे किसानों की आय दोगुनी होगी।

श्रम विधेयकों को लेकर राहुल का आरोप: मजदूरों पर वार किया गया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद से पारित श्रम सुधारों से जुड़े तीन विधेयकों को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि किसानों के बाद मजदूरों पर वार किया गया है।

राज्यसभा ने बुधवार को उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 को मंजूरी दी। जिनके तहत कंपनियों को बंद करने की बाधाएं खत्म होंगी और अधिकतम 300 कर्मचारियों वाली कंपनियों को सरकार की इजाजत के बिना कर्मचारियों को हटाने की अनुमति होगी।

लोकसभा ने इन तीनों विधेयकों को मंगलवार को पारित किया था और अब इन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, किसानों के बाद मजदूरों पर वार। गरीबों का शोषण, मित्रों का पोषण। यही है बस मोदी जी का शासन। इन विधेयकों को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने ट्वीट किया, इस कठिन समय की मांग है कि किसी की नौकरी न जाए। सबकी आजीविका सुरक्षित रहे। भाजपा सरकार की प्राथमिकता देखिए। सरकार अब ऐसा कानून लाई है, जिसमें कर्मचारियों को नौकरी से निकालना आसान हो गया है। वाह रे सरकार, आसान कर दिया अत्याचार।

टीएसपीसी जोनल कमांडर को जेल भेजा गया

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर थानान्तर्गत बारा गांव से मंगलवार को गिरफ्तार प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमिटी (टीएसपीसी) के स्वयंभू जोनल कमांडर गिरेन्द्र गंझू उर्फ गिरेन्द्र को बुधवार को पुलिस ने अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में चौदह दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि टीएसपीसी उग्रवादी कमांडर को मंगलवार को तब हिरासत में लिया गया जब वह बारा गांव स्थित वीणा लॉज में ठहरा हुआ था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्वयंभू जोनल कमांडर बिहार के औरंगाबाद से अपना इलाज कराकर यहां लाज में ठहरा हुआ था। उन्होंने बताया कि इसकी गुप्त सूचना पुलिस को मिल गई और उसे विशेष पुलिस बल द्वारा छापामारी करके गिरफ्तार कर लिया गया।

कोविड-19: प्रोटोकॉल उल्लंघन पर लखनऊ के चार अस्पतालों को नोटिस

48 मरीजों की लखनऊ के चार निजी अस्पतालों में मौत के बाद जागा प्रशासन

लखनऊ। कोविड-19 प्रोटोकॉल के कथित उल्लंघन और हाल ही में कोविड-19 संक्रमण से 48 मरीजों की मौत के बाद लखनऊ के चार निजी अस्पतालों को बुधवार को नोटिस जारी किए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

लखनऊ जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा, कुछ अस्पतालों में ऐसे मामले सामने आए हैं जब कोविड-19 प्रोटोकॉल (मरीजों का इलाज करने के लिए) का प्रथम दृष्टया पालन नहीं किया गया। जब मरीज रेफर होने के बाद कोविड अस्पताल ले जाए गए तो वहां उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, महामारी रोग अधिनियम के तहत अस्पतालों को नोटिस जारी किया गया है और उन्हें इसका विवरण भेजना होगा। एक अधिकारी ने कहा, गैर-कोविड अस्पताल के लिए प्रोटोकॉल यह है कि यदि कोई मरीज गंभीर स्थिति में वहां पहुंचता है, तो उसे होल्डिंग या ट्रायल क्षेत्र में रखा जाना चाहिए और उपचार शुरू होना चाहिए। अन्यथा मरीज को किसी कोविड-19 अस्पताल स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

कोविड-19 : मोदी ने किए उपायों के लिए योगी की सराहना की

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में कोविड-19 से निपटने के वास्ते राज्य सरकार द्वारा किए गए उपायों के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की। ये जानकारी जारी एक बयान में दी गई।

बयान के अनुसार प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्रियों के साथ अपनी बैठक के दौरान कोरोना वायरस से होने वाली मौतों को कम करने के लिए उचित उपाय करने के लिए आदित्यनाथ और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। बयान में कहा गया है कि मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक प्रतिदिन 1.50 लाख और अब तक कुल 90 लाख लोगों की जांच की गई है जो देश में सभी राज्यों में सर्वाधिक है।

मोदी ने कहा कि राज्य को अधिक जांच करने संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या को न्यूनतम रखने में मदद मिली। प्रधानमंत्री ने प्रवासियों के संकट के उचित ढंग से निपटने के लिए भी योगी आदित्यनाथ की सराहना की।

बिहार के पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने पूछा : क्या चुनाव लड़ना क्या पाप है ?

गुप्तेश्वर पांडे ने ये स्पष्ट नहीं किया कि वह किस चुनाव लड़ेंगे या लोस उपचुनाव

राजनीति को सेवा बता पांडेय ने स्वैच्छिक ले ली थी सेवानिवृत्ति

पटना। बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गुप्तेश्वर पांडेय बुधवार को घोषणा की कि अगर मौका मिला तो वह चुनाव लड़ेंगे क्योंकि वह राजनीति को लोगों की सेवा करने का सबसे बड़ा मंच मानते हैं। पांडेय ने मंगलवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले ली थी।

पांडेय ने फरवरी 2021 में अपनी सेवानिवृत्ति से पांच महीने पहले मंगलवार को पुलिस सेवा से वीआरएस ले लिया था। मंगलवार की देर शाम राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार वीआरएस के लिए, उनके अनुरोध को राज्यपाल फागू चौहान ने मंजूरी दे दी थी। सोशल मीडिया पर मेरी कहानी मेरी जुबानी शीर्षक के तहत लोगों के साथ संवाद करते हुए गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा, अगर मौका मिला और इस योग्य समझा गया कि मुझे राजनीति में आना चाहिए तो मैं आ सकता हूं लेकिन वे लोग निर्णय करेंगे। जो हमारी मिट्टी के हैं, बिहार की जनता हैं। उसमें पहला हक तो बक्सर के लोगों का है जहां मैं पलाबढ़ा हूं। उन्होंने कहा, राजनीति में आने का अब मेरा मन हो गया है। अब स्थिति ऐसी बन गई है कि मुझे लगता है कि अब इसमें आ जाना चाहिए। गुप्तेश्वर ने कहा, राजनीति में मेरे आने से इतनी परेशानी क्यों हो रही है। इसे सुशांत सिंह राजपूत के मामले से लोग क्यों जोड़ रहे हैं। मैंने उस मामले में जो भी किया कानूनी हैसियत और राज्य के पुलिस महानिदेशक की हैसियत से किया, जो इस पद आसीन रहने वाले को बिहार के स्वाभिमान के लिए करना चाहिए। हमारी लड़ाई किसी मराठी या महाराष्ट्र के किसी व्यक्ति से नहीं है क्योंकि हमें बहुत से मराठी भाइयों ने फोन करके कहा कि आपको सुशांत को न्याय दिलाने के लिए लड़ना चाहिए। इस मामले में लड़ाई मुट्ठी भर उन लोगों से है जिनके निहित स्वार्थ हैं और ऐसे ही लोग मुझे बदनाम करने की कोशिश करते हैं तथा सुशांत मामले से मेरे वीआरएस को जोड़ने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा, हर कोई पूछ रहा था कि क्या मैं चुनाव लड़ूंगा। हालांकि मैं अभी तक किसी भी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं हुआ हूं ... मैं सिर्फ यह पूछना चाहता हूं कि क्या चुनाव लड़ना एक पाप है? क्या मैं वीआरएस लेने के बाद चुनाव लड़ने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा? क्या ऐसा करना (चुनाव लड़ना) असंवैधानिक, गैरकानूनी या अनैतिक है? उन्होंने कहा, यदि हत्या, अपहरण या 50 से अधिक मामलों का सामना करने वाला व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है, तो मैं क्यों नहीं कर सकता। अगर मैं चुनाव लड़ने का फैसला करता हूं, तो क्या मैं कोई अपराध करूंगा।

ओएनजीसी के हजीरा संयंत्र में लगी आग पर काबू पाया, कोई हताहत नहीं

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के हजीरा गैस प्रसंस्करण संयंत्र में बृहस्पतिवार तड़के तीन विस्फोटों के बाद लगी भीषण आग पर काबू पा लिया गया है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग भीषण थी और कई किलोमीटर दूर से भी दिखाई दे रही थी। कुछ लोगों ने विस्फोटों और आग के वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किए। सूरत के जिलाधिकारी धवल पटेल ने बताया कि तड़के तीन बजकर पांच मिनट पर तीन जोरदार विस्फोटों के बाद संयंत्र के गैस टर्मिनल में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए संपीडित (कम्प्रेस्ड) गैस का दबाव कम किया गया। पटेल ने बताया कि ओएनजीसी, सूरत नगर निगम और स्थानीय औद्योगिक इकाइयों के पांच दमकल वाहन घटनास्थल पर पहुंचे तथा आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि जिस गैस टर्मिनल में आग लगी थी उसे बंद कर दिया गया है और संयंत्र सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि आग लगने वाली जगह के तापमान को नियंत्रित करने के बाद आग के कारणों की पड़ताल की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आईआईटी में आत्महत्याओं संबंधी याचिका में वकील पर जुर्माना

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने परिसरों में बढ़ती आत्महत्याओं पर अंकुश लगाने के लिए केन्द्र और आईआईटी को एक छात्र कल्याण कार्यक्रम शुरू करने और उसे लागू करने का निर्देश देने के लिए दायर एक जनहित याचिका को बृहस्पतिवार को तुच्छ करार दिया। न्यायालय ने वकील पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार स्थिति से अवगत है और इसके साथ ही उसने वकील गौरव बंसल की याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति आर. एफ. नरिमन, न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी की पीठ ने कहा, यह एक दम तुच्छ याचिका है। बताएं हम आप पर कितना जुर्माना लगाएं। पीठ ने कहा कि वह इसे खारिज कर रही है और विधिक सेवा प्राधिकरण को बतौर जुर्माना 10 हजार रुपये दिए जाएं। बंसल ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कहा कि पिछले पांच वर्षों में पूरे भारत के आईआईटी परिसरों में करीब 50 छात्रों ने आत्महत्या की हैं। साथ ही अदालत से हस्तक्षेप करने और केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय तथा आईआईटी को एक छात्र एकता कार्यक्रम बनाने और उसे लागू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया। अदालत ने केन्द्र के जवाब पर गौर करते हुए पाया कि अधिकारी इस मामले से पहले ही अवगत हैं।

12वीं कक्षा की पूरक परीक्षा के नतीजे 10 तक: सीबीएसई

नई दिल्ली। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि छात्रों के हितों को देखते हुए 12वीं कक्षा की पूरक परीक्षाओं के नतीजे 10 अक्टूबर तक या इससे पहले ही घोषित कर दिए जाएंगे। न्यायमूर्ति एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भी सूचित किया कि स्नातक छात्रों के लिए नया सत्र 31 अक्टूबर से शुरू किया जाएगा। उस समय तक पूरक परीक्षाओं में शामिल होने वाले लगभग सभी दो लाख छात्रों के नतीजे आ चुके होंगे। पीठ की टिप्पणियों के परिप्रेक्ष्य में सीबीएसई और यूजीसी के वक्तव्य काफी महत्वपूर्ण हैं। पीठ ने दोनों संस्थाओं को परस्पर तालमेल से काम करने पर जोर देते यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि पूरक परीक्षा में शामिल हो रहे छात्रों का साल बर्बाद नहीं हो। न्यायालय ने कहा था कि सीबीएसई को पूरक परीक्षाओं के नतीजे यथाशीघ्र घोषित करने चाहिए और यूजीसी को यह देखना चाहिए कि कालेजों में छात्रों को प्रवेश मिल जाए। कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए न्यायालय ने कहा था कि यह असाधारण समय है और ऐसी स्थिति में प्राधिकारियों को छात्रों की मदद करनी चाहिए। पीठ ने इसके साथ ही अनिका संवेदी की याचिका का निस्तारण कर दिया। इस याचिका में प्राधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि 12वीं की पूरक परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों का साल बर्बाद नहीं हो।

मुम्बई में बारिश में कमी के बाद परिवहन सेवाएं शुरू

मुम्बई। मुम्बई में बृहस्पतिवार को बारिश के थोड़ा धीमे पड़ने के बाद रेल और सड़क परिवहन सेवाएं सामान्य हो रही हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार बारिश के धीमे होने के बाद अब महानगर में कहीं भी जल भराव नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मुम्बई के उपनगरों और निकटवर्ती नवी मुम्बई में पिछले 24 घंटे में 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। उसने बताया कि सांताक्रूज वेधशाला में बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में 108.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान कोलाबा वेधशाला में 50.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। बीएमसी के अनुसार शहर में बुधवार सुबह आठ बजे तक पिछले 12 घंटे में 256 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। वहीं पश्चिमी और पूर्वी उपनगरों में क्रमशः 237 मिमी और 158 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर के कई इलाकों में पानी भर गया था। पटरियों पर पानी भरने की वजह से मध्य रेल (सीआर) और पश्चिमी रेल की स्थानीय सेवाएं भी बुधवार को प्रभावित हुई थीं।

एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत से गांव में मातम

लातूर। महाराष्ट्र के भिवंडी में तीन मंजिला इमारत के ढहने से हुए हादसे में गांव के छह लोगों की मौत के बाद लातूर जिले के हल्ली गांव में मातम पसरा है। भिवंडी में सोमवार को इमारत के ढहने की घटना में आरिफ युसूफ शेख (32) और उनके परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। मृतक के रिश्तेदार बाबूलाल शेख ने पीटीआई-भाषा को बताया कि आरिफ अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ आठ साल पहले भिवंडी चला गया था। आरिफ ने पिछले महीने अपने भाई को भी काम करने के लिए गांव से भिवंडी बुला लिया था। उन्होंने बताया कि ये सभी छह लोग जिलानी बिल्डिंग में रहते थे और सोमवार को हुए हादसे में मारे गए। शेख ने कहा, उनकी मौत की खबर आते ही गांव के कई लोग घर पर दुख जताने के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद उनके कुछ रिश्तेदार लातूर से भिवंडी भी गए हैं। अधिकारियों ने बताया था कि भिवंडी इमारत हादसे में 18 बच्चों सहित 39 लोगों की मौत हुई है। 25 लोगों को मलबे से जिंदा भी निकाला गया है।

मादक पदार्थ मामला में सिमोन एनसीबी के समक्ष हुई पेश

मुम्बई। फैशन डिजाइनर सिमोन खंबाटा स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा की जा रही बॉलीवुड-मादक पदार्थ के कथित गठजोड़ की जांच में शामिल होने के लिए बृहस्पतिवार सुबह एनसीबी के गेस्ट हाउस पहुंचीं। मामले की जांच में एनसीबी द्वारा कुछ लोगों से पूछताछ के दौरान खंबाटा का नाम सामने आया था। अधिकारी ने बताया कि वह सुबह करीब साढ़े नौ बजे दक्षिण मुम्बई के कोलाबा स्थित एनसीबी के गेस्ट हाउस पहुंचीं। उन्होंने बताया कि खंबाटा के अलावा एनसीबी ने अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, टैलेंट मैनेजर श्रुति मोदी को भी बृहस्पतिवार को जांच टीम के समक्ष पेशी के लिए समन भेजा है। रकुल प्रीत सिंह ने अपने आधिकारिक बयान में कहा था कि उन्हें मुम्बई या हैदराबाद में अभी तक कथित समन नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि एनसीबी द्वारा पहले जिन लोगों से पूछताछ की गई, उनकी व्हाट्सएप चैट में मादक पदार्थों को लेकर हुई बातचीत के संकेत मिले हैं।।

आतंकवादी हमले में सीआरपीएफ का अधिकारी शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में बृहस्पतिवार को आतंकवादियों के हमले में सीआरपीएफ का एक सहायक उपनिरीक्षक शहीद हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने बडगाम जिले के कैसरमुल्ला में सीआरपीएफ की 117वीं बटालियन के सहायक उप निरीक्षक को गोली मार दी थी। उन्होंने बताया कि आतंकवादी एएसआई एन.सी. बडोले की सर्विस राइफल (ए.के. राइफल) भी अपने साथ ले गए। अधिकारी ने बताया कि बादामी बाग स्थित सेना के 92 बेस अस्पताल में इलाज के दौरान जवान की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

नवाजुद्दीन सिद्दिकी के खिलाफ पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई

मुंबई। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दिकी से अलग रह रहीं उनकी पत्नी ने बुधवार को उनके खिलाफ मुंबई के वर्सोवा उपनगरीय पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराते हुए उन पर बलात्कार और धोखाधड़ी का आरोप लगाया। ये जानकारी एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि आलिया ने दोपहर में पुलिस थाने में एक लिखित अर्जी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और पुलिस पहले शिकायत की पुष्टि करेगी। अभिनेता से टिप्पणी के लिए सम्पर्क नहीं हो सका। आलिया ने पिछले सप्ताह एक अन्य शिकायत के सिलसिले में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित बुढाना पुलिस थाने में अपना बयान दर्ज कराया था। उक्त शिकायत उन्होंने नवाजुद्दीन और उनके परिवार के चार अन्य सदस्यों के खिलाफ दर्ज कराई थी।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में छत गिरने से महिला की मौत

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में 45 वर्षीय महिला की मकान की छत गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना बुधवार को जिले के जानसठ थानांतर्गत फैजाबाद गांव में हुई। पुलिस ने कहा कि मृतक की पहचान पवित्री के रूप में हुई है। उनके पति संजय कुमार को हल्की चोटें आई हैं। उन्हें एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार मकान का पुनर्निर्माण चल रहा था।

‘अ प्रॉमिस्ड लैंड’ में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा बताई अपनी कहानी

अपनी पहचान की तलाश करते एक युवा से लेकर स्वतंत्र दुनिया के नेता बनने तक बराक ओबामा ने राष्ट्रपति के रूप में अपने जीवन वृतांत ‘अ प्रामिस्ड लैंड’ में अपनी राजनीतिक शिक्षा से लेकर अपने पहले कार्यकाल के अविस्मरणीय क्षणों का उल्लेख किया है जो उनके अनुसार नाटकीय परिवर्तन तथा अशांति का समय था।

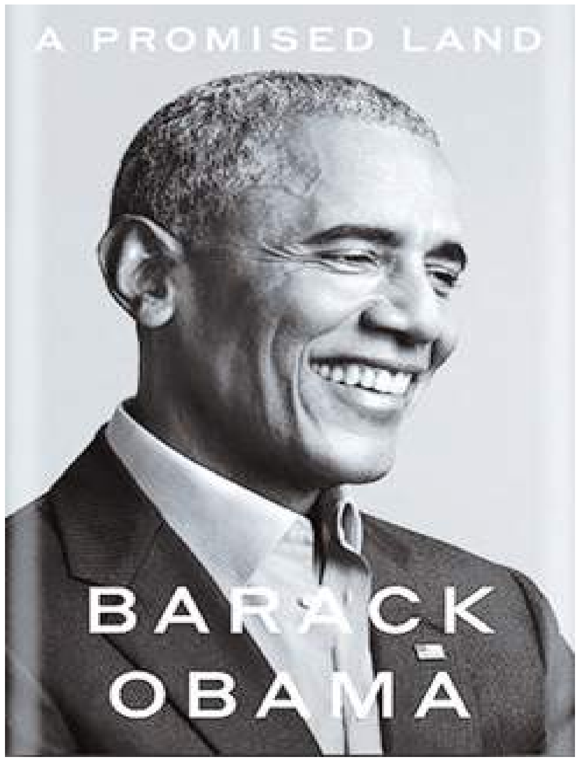

बराक़ ओबामा अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति थे और उनके इस जीवन वृतांत को दो खंडों में प्रकाशित किया जाएगा। पहले खंड का शीर्षक ‘अ प्रामिस्ड लैंड’ रखा गया है और इसका प्रकाशन पेंग्विन रैंडम हाउस द्वारा किया जाएगा और इसे 25 भाषाओं में निर्गत किया जाएगा। इसके दूसरे खंड के प्रकाशन के बारे में बाद में सूचित किया जाएगा।

इसमें ओबामा ने अपनी उस असंभव सी लगने वाली लंबी यात्रा की कहानी कही है। अपनी पहचान की तलाश करते एक युवा से लेकर स्वतंत्र दुनिया के नेता बनने तक बराक ओबामा ने इसमें अपनी राजनीतिक शिक्षा से लेकर अपने पहले कार्यकाल के अविस्मरणीय क्षणों का उल्लेख किया है जो उनके अनुसार नाटकीय परिवर्तन तथा अशांति का समय था।

उन्होंने इस व्यक्तिगत विवरण में उस इतिहास का वर्णन किया है जो उस समय बन रहा था। इसके साथ ही उन्होंने इसमें अपने राजनीतिक जीवन के प्रारंभिक क्षणों से लेकर लोवा कॉकस विजय जिसने जमीनी कार्य की शक्ति को निरूपित किया और इसके बाद 4 नवंबर 2008 का वो क्षण आया। वो अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति चुने गए और इस प्रकार वो अमेरिका के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद तक पहुंचने वाले पहले एफ्रो-अमेरिकी बने।

अपने कार्यकाल के बारे में बताते हुए उन्होंने राष्ट्रपति की अभूतपूर्व शक्तियों तथा अमेरिका की भेदभावपूर्ण राजनीति तथा अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति का भी विवरण दिया है। एक प्रकार से ओबामा ने इस प्रकाशन के माध्यम से अमेरिका के राष्ट्रपति भवन के ओवल कार्यालय, वाइट हाउस के सिचुयेशन कक्ष से लेकर मास्को, काइरो, बीजिंग तथा और आगे लेकर जाते हैं। उन्होंने किस प्रकार अपने कैबिनेट का चयन किया, वैश्विक वित्तीय संकट पर उनके विचार तथा व्लादिमिर पुतिन के साथ व्यवहार के बारे में भी इसमें गहन विवेचना की गई है। उन्होंने किस प्रकार अफोर्डेबल केयर ऐक्ट पास कराया, अफगानिस्तान के बारे में अमेरिकी रणनीति को लेकर सेना के जनरलों से संघष, वॉल स्ट्रीट सुधार, डीप वॉटर होराइज़न से लेकर ऑपरेशन नेप्ट्यून्स स्पीयर के बारे में भी अंतदृष्टि प्रस्तुत की है जिसके कारण ओसामा बिन लादेन को मारने में सफलता मिली।

ये जीवन वृतांत अंतरंग और अंतर्मनन से परिपूर्ण दिखता है। इसमें एक व्यक्ति की इतिहास से संघर्ष की छाप स्पष्ट दिखाई देती है। सामुदायिक स्तर पर काम करने वाले एक संगठनकर्ता की निष्ठा का किस प्रकार वैश्विक धरातल पर परीक्षण किया गया, के बारे में विवरण दिया गया है। ओबामा ने बड़े साहस से इसे स्वीकार किया है कि उन्होंने उस चुनाव में स्वयं को ब्लैक अमेरिकी के रूप में प्रस्तुत कर चुनाव में एक विजेता संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया था। और किस प्रकार उनका नारा ‘आशा और परिवर्तन’ चुनावों में चर्चा और परिचर्चा का हिस्सा बना। उन्होंने इसका भी उल्लेख इसके प्रथम खंड में किया है कि अमेरिका और बाहर की शक्तियों ने किस प्रकार उनके चुनाव में विरोध किया था। वाइट हाउस में रहते हुए उनकी पत्नी और पुत्री के जीवन का जीवन किस प्रकार प्रभावित हुआ, के बारे में भी इसमें विवरण है। लेकिन इसके बावजूद उनका ये विश्वास अडिग रहा कि इस अमेरिकी महाप्रयोग में भी प्रगति और विकास सदा संभव हैं।

इस पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ‘किसी पुस्तक को पूर्ण करने जैसी भावना का अस्तित्व नहीं होता लेकिन मुझे इसपर गर्व है। मैंने पिछले कुछ वर्ष राष्ट्रपति के अपने कार्यकाल के बारे में सोचने में बिताए हैं और इस पुस्तक ‘अ प्रॉमिस्ड लैंड’ में मैंने राष्ट्रपति चुनाव अभियानों, अपने कार्यकाल, महत्वपूर्ण घटनाओं तथा उन्हें आकार देने वालों, अपने सही निर्णयों के संबंध में विचार और उन त्रुटियों के बारे में जो मुझसे हुईं, उन राजनीतिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक शक्तियों जिनसे मुझे और मेरी टीम को जूझना पड़ा, के बारे में बताया है। मैंने इस पुस्तक में अपने पाठकों को अपनी और मिशेल की व्यक्तिगत यात्रा के बारे में भी बताने का प्रयास किया है। और अंत में आज जब अमेरिका एक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है, इसमें मैंने अपने कुछ वृहद विचारों को समाहित किया है जिनसे आज अपने देश में हो रहे विविध विभाजनों को समाप्त किया जा सकता है ताकि लोकतंत्र का लाभ हर व्यक्ति को मिल सके। ये वो कार्य है जो केवल किसी एक राष्ट्रपति तक ही सीमित नहीं है बल्कि हम सभी नागरिकों को भी इसमें जुटना होगा। मुझे विश्वास है कि इसकी कंटेंट सूचनात्मक और रोचक होने के साथ ही विश्व भर के युवाओं को कम से कम दायित्व अपने हाथ में लेने, आवाज उठाने और विश्व को श्रेष्ठ स्थान बनाने के लिए प्रेरित अवश्य करेगी।’

(इस पुस्तक ‘अ प्रॉमिस्ड लैंड’ का प्रकाशन 17 नवंबर को होना है)

आयुष्मान खुराना टाइम मैगजीन के प्रभावशाली लोगों की सूची में

अभिनेता आयुष्मान खुराना को अभिनेता के रूप में उनके योगदान के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए अमेरिका की टाइम मैगजीन ने प्रशंसा की है। 2020 में सर्वाधिक प्रभावशाली 100 लोगों की सूची में पांच भारतीयों- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, लंदन आधारित भारतीय मूल के चिकित्सक रवीन्द्र गुप्ता जिन्होंने एड्स के उपचार के लिए काम किया तथा बिलकीस दादी, जो सीएए के विरोध में शाहीनबाग में अग्रणी भूमिका में रहीं।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता को कलाकार की श्रेणी में रखा गया जिसमें उनके साथ ऑस्कर विजेता कोरियाई फिल्म निर्माता बॉन्ग जून हो, लीबैग बनाने वाले तथा स्टार फोएब, वॉलर ब्रिज तथा हॉलिवुड स्टार माइकल बी जॉर्डन तथा पॉप म्यूज़िक सुपरस्टार सेलेना गोमेज़, जे बॉल्विन तथा जेनिफ़र हड्सन भी इस सूची में रखे गए थे।

आयुष्मान ने कहा, ‘मैं वास्तव में विनीत भाव से इस सम्मान को स्वीकार करता हूं। एक कलाकार के रूप में मैंने सिनेमा के माध्यम से समाज में सदा एक सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान देने का प्रयास किया है। इस क्षण मुझे विश्वास दिला रहा है कि मेरा ऐसा करना और मेरी अब तक की यात्रा सही दिशा में थी।’ उन्होंने आगे कहा, ‘मैं हमेशा से मानता रहा हूं कि सिनेमा समाज और लोगों में सही विमर्श को प्रारंभ करने की शक्ति रखता है। आशा है कि कंटेंट के प्रति अपने चयन के माध्यम से मैं अपने देश और देशवासियों के प्रति योगदान देने में समर्थ हुआ हूं।’

ट्रेंड बाजार

भूमि पेडनेकर ने की अपनी फिल्म की ‘स्पेशल सिस्टर स्क्रीनिंग’

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अपनी नई फिल्म ‘डॉली किटी और वो चमकते सितारे’ अपनी बहन समीक्षा पेडनेकर के साथ देखना चाहती हैं और वो इसे स्पेशल ‘सिस्टर स्क्रीनिंग’ बताती हैं। भूमि बताती हैं, ‘समीक्षा और मैं इसी सप्ताह रिलीज़ होने वाली इस फिल्म को साथ बैठकर देखना चाहते हैं। हमने पहली बार साथ में फिल्म बूसान में देखी थी और मेरी फिल्मी यात्रा मेरी बहन के साथ के बिना नहीं हो सकती थी। वहां हमारा अच्छा समय बीता था। इस बार भी हमने साथ में फिल्म देखने का निर्णय लिया है और ये मेरे लिए ‘स्पेशल सिस्टर स्क्रीनिंग’ होगी।’

गुरमीत कौर को कोविड-19 का भय

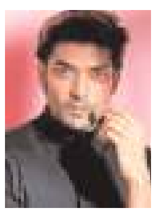

गुरमीत चौधरी का कहना है कि ‘द वाईफ’ नाम की फिल्म को इस महामारी के दौर में पूरा करना हम सभी के लिए एक बड़ी चुनौती थी। हमारी प्रमुख चिंता ये थी कि यदि हममें से किसी को कोविड-19 संक्रमण हो जाता है तो शेष लोगों को 21 दिन का पृथक वास व्यतीत करना होगा और फिर फिल्म की शूटिंग को रोकना पड़ेगा। यदि कोविड-19 संक्रमण के प्रकरण बढ़े तो ये चक्र तो चलता ही रहेगा।’

रणवीर सिंह बहिर समुदाय की मदद को आए आगे

सुपरस्टार रणवीर सिंह संबंधित अधिकारियों से ‘इंडियन साइन लैंग्वेज’ अर्थात भारतीय संकेत भाषा को भारत की 23वीं आधिकारिक भाषा का स्थान देने पर विचार करने का आग्रह करते रहे है। हाल ही में उन्होंने इस लक्ष्य के संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए एक याचिका पर हस्ताक्षर किये हैं। रणवीर का अपना रिकॉर्ड लेबल ‘इंकइंक’ जो उन्होंने नवज़ार ईरानी के साथ मिलकर बनाया है, ने साइन लैंग्वेज में एक म्यूज़िक वीडियो भी रिलीज़ किया। इस अभिनेता के इन प्रयासों के समर्थन में भारतीय बहिर समुदाय ने कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए एक वीडियो बनाकर उनकी प्रशंसा की।

एली गोल्डिंग में थी आत्मविश्वास की कमी

एली गोल्डिंग वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय गायक हैं और उन्हें दो ब्रिट अवार्ड मिल चुके हैं तथा ग्रैमी तथा गोल्डेन ग्लोब अवार्ड के लिए भी अतीत में उनका नामांकन किया जा चुका है। उनके लिए सिलेब्रिटी बनना सरल नहीं रहा। वो पहले भी बता चुके हैं कि उनमें पहले वो आत्मविश्वास नहीं हुआ करता था जो आज दिखता है।

एली ने बताया, ‘मैं 14 साल की आयु से ही गायक बनना चाहता था। मुझे लगता है कि मैं सदा से गाता, गिटार बजाना, संगीत लेख तथा स्वयं को परफॉर्म करते हुए कल्पना लोक में खोया रहा हूं। लेकिन मुझमें उन दिनों उतना आत्मविश्वास नहीं हुआ करता था और मुझे बस इसी पर काम करना शेष था। हमें इतना सम्मान और चर्चा मिलने से पहले स्वयं पर काफी काम करना पड़ता है।’

इफ्फी के 51वें संस्करण का आयोजन अब अगले साल 16 से 24 जनवरी को होगा : जावडेकर

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के 51वे संस्करण का आयोजन इस साल 20 से 28 नवम्बर की जगह अगले साल 16 से 24 जनवरी तक किया जाएगा। इसका आयोजन मिश्रित यानि डिजिटिल और प्रत्यक्ष दोनों तरीके से होगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने एक बयान में बृहस्पतिवार को कहा कि गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से इस विषय पर चर्चा करने के बाद इफ्फी का आयोजन टालने का फैसला किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया।

जावडेकर ने कहा, अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दिशा-निर्देश और नियमों के अनुरूप गोवा में 16-24 जनवरी 2021 तक संयुक्त रूप से महोत्सव का आयोजन करने का फैसला किया गया है। उन्होंने एक बयान में कहा, डिजिटल और प्रत्यक्ष यानी मिश्रित तरीके से महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव सर्किट में हाल में आयोजित महोत्सवों के अनुरूप कोविड-19 से जुड़े सभी नियमों का पालन किया जाएगा।

इफ्फी के पिछले साल स्वर्ण जयंती समारोह के शुभारंभ में अभिनेता अमिताभ बच्चन और रजनीकांत ने एक साथ शिरकत की थी। फ्रांस की नामी अदाकारा इसाबेल हुपर्ट को लाइटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। चर्चित गायक और संगीतकार शंकर महादेवन ने भी पिछले साल शुरुआती समारोह में अपनी प्रस्तुतियों के जरिए प्रशंसकों का मनोरंजन किया था। पिछले साल के समारोह में विभिन्न देशों की करीब 250 फिल्में दिखाई गई थी।

राणा सफवी को मिला यमीन हजारिका पुरस्कार

नई दिल्ली। इतिहासकार राणा सफवी को यमीन हजारिका की स्मृति में स्थापित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यमीन हजारिका पूर्वोत्तर से केंद्रीय पुलिस सेवा में आने वाली पहली महिला थीं। संस्कृति, इतिहास और भारत के स्मारकों पर कई किताबें प्रकाशित कर चुकीं सफवी को भारतीय संस्कृति में उनके समन्वयात्मक योगदान के लिए चुना गया।

असम से आने वाली हजारिका का चयन 1977 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव और दादरा नगर हवेली पुलिस सेवा (दानिप्स) में हुआ था। वह चाणक्यपुरी (दिल्ली) की सहायक पुलिस आयुक्त रहीं और बाद में राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस उपायुक्त (महिलाओं के खिलाफ अपराध) का पद भी संभाला। दिल्ली में 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के दौरान वह तीन प्रमुख थानों की प्रभारी थीं। उसके बाद वह संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक मिशन पर बोस्निया चली गई थीं।

1999 में 43 वर्ष की उम्र में कैंसर से उनका निधन हो गया था। सम्मान समारोह डिजिटल रूप से हुआ जिसमें हजारिका की बेटी हुमा ने दिल्ली में सफवी को रजत स्मृति चिन्ह दिया। इस मौके पर असम के पुलिस महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत विशिष्ट अतिथि थे। यह पुरस्कार 2015 से हर वर्ष महिला पेशेवरों को उनके योगदान के लिए दिया जाता है।

मानव कौल, आनंद तिवारी कोरोना वायरस से संक्रमित

अर्जुन रामपाल ने स्वयं को पृथक किया

मुंबई। अभिनेता अर्जुन रामपाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि अभिनेता मानव कौल और आनंद तिवारी के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद उनकी आगामी फिल्म नेल पॉलिश की शूटिंग तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है। रामपाल ने कहा कि वह अपनी जांच के परिणाम का इंतजार कर रहे हैं और इस समय घर में पृथक-वास कर रहे हैं। उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, मैं घर पर पृथक-वास में हूं। नेल-पालिश के सेट पर कल मानव कौल और आनंद तिवारी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। प्रोडक्शन ने तत्काल शूटिंग रोक दी है और हर व्यक्ति की दोबारा जांच की जा रही है।

अभिनेता ने कहा, मैं घर में पृथक-वास में हूं और जांच के परिणाम का इंतजार कर रहा हूं। हर किसी से दूर रह रहा हूं। लड़कों जल्दी ठीक हो जाओ। बग्स भार्गव कृष्ण द्वारा निर्देशित नेल पालिश जी5 पर रिलीज की जाएगी। मुंबई में संक्रमित लोगों की संख्या बुधवार को।,90,138 हो गई। शहर में 52 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 8,601 हो गई।

अभिनेता भूपेश पांड्या का फेफड़ों के कैंसर से निधन

भाषा। मुंबई

विक्की डोनर और परमाणु: द स्टोरी ऑफ पोकरण जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय के लिए आलोचकों की भी सराहना बटोरने वाले अभिनेता भूपेश पांड्या का निधन हो गया। उनकी आयु 45 के करीब थी। अभिनेता एवं पांड्या के सहयोगी राजेश तैलंग ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से स्नातक पांड्या फेफड़े के कैंसर से पीड़ित थे, गुजरात के अहमदाबाद के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और इलाज के लिए उन्हें आर्थिक मदद की जरूरत थी। एनएसडी में पांड्या के वरिष्ठ रह चुके तैलंग ने बताया कि कुछ साथियों ने अभिनेता की आर्थिक मदद के लिए ऑनलाइन चंदा करके 20 लाख रुपए जुटाए थे लेकिन पांड्या की बुधवार को मौत हो गई। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, वह एनएसडी में मेरा कनिष्ठ था और हमने एक साथ बहुत काम किया। जब मुझे उसकी सेहत और इलाज में आने वाले खर्च के बारे में पता चला तो मैंने इसे लोगों के साथ साझा करने का सोचा। तैलंग ने कहा, चंदा एकत्र करने की साइट कीटो के जरिए करीब 21 से 22 लाख रुपए इकट्ठा हो गए और कुछ लोगों ने सीधे उनकी पत्नी के खाते में पैसे डाले, लेकिन यह दुखद है कि गुजरात के अपोलो अस्पताल में कल उनका निधन हो गया।

पांड्या ने शुजीत सरकार की 2012 में आई फिल्म विक्की डोनर में चमन का किरदार निभाया था। उन्होंने हज़ारो ख्वाहिशें ऐसी और गांधी टू हिटलर जैसी फिल्मों में भी काम किया था। एनएसडी में उनके सहयोगियों और अभिनेता मनोज वाजपेई, गजराज राव और कास्टिंग डायरेक्टर-फिल्म निर्माता मुकेश छाबड़ा जैसे अन्य सहयोगियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। ड्रामा स्कूल के आधिकारिक अकांउट से ट्वीट किया गया, भूपेश कुमार पांड्या के (पूर्व छात्र, एनएसडी, 2001 बैच) मौत की खबर बेहद दुखद है। एनएसडी परिवार हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दे। मनोज बाजपेई ने ट्वीट किया, भगवान भूपेश पांड्या की आत्मा को शांति दे। एनएसडी के अनुसार, पांड्या का अंतिम संस्कार उनके पैतृक आवास राजस्थान के बांसवाड़ा में किया जाएगा। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो बच्चे हैं।

आशा नेगी और अंश बागरी साथ होंगे कामेडी शो लव का पंगा में

लोकप्रिय कलाकार आशा नेगी और अंश बागरी जल्द ही हंगामा प्ले के आगामी ओरिजिनल रोमांटिक कॉमेडी शो लव का पंगाष् में एक साथ नजर आएंगे। पवित्र रिश्ता और अभय 2 जैसे हिट टेलीविजन और वेब शो में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध आशा नेगी अपने इस नए शो में नेहा का किरदार निभाती नज़र आएंगी जो कि दिल्ली की एक मॉडर्न लड़की है तथा छुट्टियों का अकेले ही शांतिपूर्ण आनंद उठाने के लिए निकल पड़ी है। वेल्लापंती दिल तो हैप्पी है जी और डेज ऑफ तफरी में प्रमुख भूमिकाएं निभाने वाले अंश बागरी इस कॉमेडी में सुमित बने दिखाई देंगे जो कि एक देसी और बिंदास हरियाणवी छोरा है। मनाली की खूबसूरत जगहों पर फिल्माया गया यह शो प्यार और रोमांस को आधुनिक नज़रिए से देखता है।

शो के बारे में बात करते हुए अंश बागरी ने कहा, लव का पंगा आपको इन दो किरदारों के साथ मनाली की ख़ूबसूरत सैर कराता है। यह ऊंचे दर्ज़े के मनोरंजन वाला हल्का फुल्का शो है जो दर्शकों को अपने किरदारों के साथ यकीनन गहरे जुड़ाव का अहसास कराएगा। आशा के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। वह बेहद समर्पित व सहज.स्वाभाविक अभिनेत्री है और मनाली में शूटिंग करते वक्त हमने खूब धमाल मचाया है। मैं उम्मीद करता हूं कि दर्शक भी इस शो का उतना ही आनंद उठाएंगे जितना कि हमने इसकी शूटिंग करने में उठाया है। नितेश सिंह द्वारा निर्देशित और एबज ओरिजिनल द्वारा निर्मित लव का पंगा स्ट्रीम करने के लिए जल्द ही हंगामा प्ले और भागीदार नेटवर्क पर उपलब्ध होगा।

मोदी ने कोहली से यो यो टेस्ट के बारे में पूछा, महिला फुटबॉलर अफशां की तारीफ की

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली से अनिवार्य फिटनेस दिनचर्या के बारे में पूछा, तो कोहली ने उन्हें बताया कि कैसे यो यो टेस्ट ने भारतीय क्रिकेटरों को उच्च स्तर पर फिटनेस हासिल करने में मदद की है। प्रधानमंत्री मोदी फिट इंडिया मूवमेंट की पहली वर्षगांठ के मौके पर फिटनेस के प्रति जागरूक हस्तियों और विशेषज्ञों से बात कर रहे थे। मोदी यो यो टेस्ट के बारे में जानना चाहते थे और उन्होंने कोहली से यह भी पूछा कि उन्हें भी इससे गुजरना पड़ता है या छूट है।

मोदी ने कहा कि मैंने सुना है कि आजकल टीम में यो यो टेस्ट होता है, यह क्या है। कोहली ने मुस्कुराकर जवाब दिया, फिटनेस के नजरिए से यह काफी अहम टेस्ट है। हम फिटनेस के वैश्विक स्तर की बात करें तो अभी दूसरी टीमों से हम पीछे हैं और हमें यह स्तर बेहतर करना है। इस टेस्ट में खिलाड़ी को दो कोन के बीच लगातार भागना होता है, जो 20 मीटर की दूरी पर रहते हैं। जब सॉफ्टवेयर पहली बीप देता है तो खिलाड़ी एक कोन से दूसरे कोन की तरफ भागता है। जब खिलाड़ी दूसरे कोन पर पहुंचता है तो दूसरी बीप सुनाई देती है। इस तरह समय दर्ज होता रहता है और आखिर में फिटनेस स्कोर के माध्यम से सॉफ्टवेयर बताता है कि खिलाड़ी फिट है या नहीं। इस समय इंडियन प्रीमियर लीग खेलने यूएई में मौजूद कोहली ने कहा कि उन्हें भी भारतीय टीम में चयन के लिए इस टेस्ट से गुजरना होता है। कोहली ने कहा कि मैं सबसे पहले दौड़ने जाता हूं और अगर मैं टेस्ट में फेल हो गया तो मेरा भी चयन नहीं होगा। यह परंपरा बनाना जरूरी है, ताकि समग्र फिटनेस का स्तर बेहतर हो सके। इस सत्र में पैरालंपिक भालाफेंक स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झझारिया और जम्मू कश्मीर की महिला फुटबॉलर अफशां आशिक ने भी भाग लिया। अभिनेता, मॉडल और धावक मिलिंद सोमण और डाइटिशियन ऋतुजा दिवेकर भी इसमें शामिल थे।

बेहतर फिटनेस से अच्छे प्रदर्शन में मिली मदद

भारतीय कप्तान कोहली ने कहा कि बेहतर फिटनेस से खिलाड़ियों, खासकर तेज गेंदबाजों को निर्णायक क्षणों में अच्छे प्रदर्शन में मदद मिली। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में कई बार हम थक जाते हैं। इस समय हमारे तेज गेंदबाज दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं और चौथे पांचवें दिन भी अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं। कोहली ने कहा कि हमारे पास कौशल हमेशा से था लेकिन निर्णायक मौकों पर जब टीम को आपकी जरूरत है लेकिन शरीर थक गया है तो प्रदर्शन खराब हो जाता था और विरोधी टीम जीत जाती थी। लेकिन अब हमारी फिटनेस ऐसी है कि उन अहम क्षणों में भी हम अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं। कोहली ने कहा कि शुरुआत में डाइट को लेकर वह इतने जागरूक नहीं थे। उन्होंने जीवनशैली में आमूलचूल बदलाव की जरूरत पर जोर दिया।

शारीरिक फिटनेस और डाइट में बदलाव था जरूरी: भारतीय कप्तान

कोहली ने कहा कि जब मैंने खेलना शुरू किया तो बहुत सी चीजें ऐसी खाता था जो सेहत के लिए अच्छी नहीं थी। शारीरिक फिटनेस और डाइट में बदलाव जरूरी था। जीवन इतना व्यस्त हो गया है कि फिटनेस पर ध्यान नहीं देंगे तो पीछे रह जाएंगे। अगर हम अपनी फिटनेस पर फोकस नहीं करते तो खेल में भी पीछे रह जाते। हम सिर्फ अपनी तकनीक पर निर्भर नहीं कर सकते क्योंकि मानसिक ताकत शरीर और दिमाग की फिटनेस से आती है। मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि लोग अब स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर सेहतमंद खाने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि फिट होना मुश्किल है लेकिन ऐसा नहीं है।

श्रीनगर में 2017 में पत्थरबाज के तौर पर सुर्खियों में आई अफशां से भी प्रधानमंत्री ने बात की। जम्मू-कश्मीर फुटबॉल टीम में गोलकीपर अफशां बाद में एफसी कोल्हापूर सिटी के लिए भारतीय महिला लीग 2019 में खेली। वह श्रीनगर में युवाओं को प्रशिक्षण भी देती है। मोदी ने कहा कि आपने फुटबॉल में बहुत अच्छा किया है। अधिकांश फुटबालप्रेमी कहते हैं बेंड इट लाइक बैकहम लेकिन अब वे कहेंगे ऐस इट लाइक अफशां।

अफशां ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती है। उन्होंने कहा कि मैं अपने दिमाग को शांत रखने के लिए रोज सुबह साढे पांच बजे ध्यान करती हूं। मैंने धोनी से बहुत कुछ सीखा है जो हमेशा शांत रहते हैं। मुझे भी जीवन में शांति चाहिए जिससे हर काम शांति से करने में मदद मिले। इससे मानसिक तनाव कम होता है।

बल्लेबाजी क्रम में धोनी के स्थान पर विचार करेगी चेन्नई

अश्विन की चोट पर फैसला करेगी दिल्ली कैपिटल्स

एजेंसी। दुबई

चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आत्मविश्वास से भरी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने तीसरे मुकाबले से पहले बल्लेबाजी क्रम में कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के स्थान पर विचार करना चाहेगी। शारजाह की बल्लेबाजी के मुफीद पिच पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली हार के लिए उनके स्पिनरों के खराब प्रदर्शन और निराशाजनक 20वें ओवर को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, लेकिन बल्लेबाज खुद को पूरी तरह से इससे दोषमुक्त नहीं कर सकते विशेषकर मुरली विजय, केदार जाधव और खुद कप्तान धोनी।

धोनी सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने सैम कुरेन, जाधव और रूतुराज गायकवाड़ को खुद से पहले बल्लेबाजी से भेजा, लेकिन यह रणनीति उनके लिए बुरी तरह से विफल रही, जिससे फाफ डु प्लेसिस पर कम समय में काफी ज्यादा रन बनाने का दबाव बढ़ गया। धोनी के प्रशंसक उनके छक्के जड़ने की काबिलियत के अब भी मुरीद हैं, लेकिन करीब से देखा जाए, तो वह तेज गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से नहीं खेल पाए और जब मध्यम गति के गेंदबाज टॉम कुरेन गेंदबाजी करने उतरे तो ही धोनी आक्रामक हो सके। और वह भी मैच में तब हुआ जब मुकाबला ही खत्म हो चुका था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए शुरुआती मैच में जीत से उसके खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है, हालांकि रविचंद्रन अश्विन के कंधे की चोट के कारण अनुपस्थित होने की संभावना से उन्हें अपने गेंदबाजी लाइन अप में कुछ फेरबदल करना पड़ सकता है। अगर अश्विन नहीं खेल पाते हैं तो सीनियर स्पिनर अमित मिश्रा को अक्षर पटेल के जोड़ीदार के तौर पर उतारने का विकल्प हो सकता है। बड़ी बाउंड्री से कलाई के स्पिनरों को गेंद को और अधिक उछालकर आक्रमण करने में मदद मिल सकती है। एक अन्य पहलू तेज गेंदबाज मोहित शर्मा के प्रदर्शन का होगा। मोहित ने शुरू में लोकेश राहुल को आउट किया था, लेकिन अंत में उनकी लूज गेंदों से कैपिटल्स के लिए चीजें मुश्किल हो गई, हालांकि कागिसो रबाडा ने अंत में काफी कसी गेंदबाजी की।

चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीम अंतिम 10 ओवरों में आक्रमण करना पसंद करती है, तो कैपिटल्स हर्षल पटेल को आजमा सकते हैं, जो किसी स्थान पर एक बल्लेबाज के तौर पर भी काम आ सकते हैं, क्योंकि वह घरेलू क्रिकेट में पारी का आगाज कर चुके हैं। एनरिच नोर्ट्जे आईपीएल के अपने पहले मैच में इतने खराब नहीं रहे लेकिन बाएं हाथ के डेनियल सैम्स कुछ मुश्किल कोण में गेंदबाजी कर सकते हैं जो बल्लेबाजों को नापसंद होता है। शिमरोन हेतमेयर को एक और मौका मिलने की संभावना है, अगर रिकी पोंटिंग एलेक्स कैरी के रूप में कुछ स्थिरता लाने के बारे में नहीं सोचते हैं। दिल्ली की टीम में पृथ्वी साव, शिखर धवन, ऋषभ पंत, कप्तान श्रेयस अय्यर और पिछले मैच के नायक मार्कस स्टोइनिस जैसे बिग हिटर हैं जो पीयूष चावला और रविंद्र जडेजा को चुनौती देना चाहेंगे।

अंतिम 10 ओवरों में आक्रमण करना पसंद करती है चेन्नई

टीमें

चेन्नई सुपर किंग्स : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), मुरली विजय, अंबाती रायुडू, फाफ डु प्लेसी, शेन वाटसन, केदार जाधव, ड्वेन ब्रावो, रविंद्र जडेजा, लुंगी एंगिडि, दीपक चाहर, पीयूष चावला, इमरान ताहिर, मिशेल सेंटनेर, जोश हेजलवुड, शारदुल ठाकुर, सैम कुरेन, एन जगदीशन, के एम आसिफ, मोनू कुमार, आर साइ किशोर, रूतुराज गायकवाड़, कर्ण शर्मा।

दिल्ली कैपिटल्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रविचंद्रन अश्विन, शिखर धवन, पृथ्वी साव, शिमरोन हेटमायर, कगिसो रबाडा, अजिंक्य रहाणे, अमित मिश्रा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), इशांत शर्मा, अक्षर पटेल, संदीप लामिचाने, कीमो पॉल, डैनियल सैम्स, मोहित शर्मा, एनरिच नोर्जे, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), अवेश खान, तुषार देशपांडे, हर्षल पटेल, मार्कस स्टोइनिस, ललित यादव।

मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।

केएल राहुल का रिकार्ड शतक किंग्स इलेवन का बड़ा स्कोर

एजेंसी। दुबई

कप्तान केएल राहुल के टी-20 क्रिकेट में चौथे शतक की मदद से किंग्स इलेवन पंजाब ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गुरुवार को यहां तीन विकेट पर 206 रन बनाए। राहुल ने विराट कोहली से मिले दो जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और 69 गेंदों पर नाबाद 132 रन बनाए, जो उनके कॅरियर का सर्वोच्च स्कोर भी है। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके और सात छक्के लगाए। उनका स्कोर आईपीएल में किसी भारतीय का सर्वोच्च स्कोर भी है। इससे पहले का रिकार्ड ऋषभ पंत (नाबाद 128) के नाम पर था।

राहुल जब 83 और 89 रन पर थे तब कोहली ने उनके कैच छोड़े थे जिसका फायदा उठाकर उन्होंने आखिरी दो ओवरों में 49 रन जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। आरसीबी ने आखिरी चार ओवरों में 74 रन लुटाए। उसकी तरफ से युजवेंद्र चहल (25 रन देकर एक) ने प्रभाव छोड़ा लेकिन डेल स्टेन (चार ओवर 57 रन) और उमेश यादव (तीन ओवर 35 रन) ने निराश किया। राहुल और मयंक अग्रवाल (20 गेंदों पर 26) ने पारी की सहज शुरुआत की और ढीली गेंदों को सीमा रेखा तक पहुंचाया। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े।

कोहली ने पिछले मैच की तरह पावरप्ले के बाद अपने तुरुप के इक्के चहल को गेंद सौंपी और उन्होंने फिर से कप्तान को निराश नहीं किया। अग्रवाल के पास चहल की गुगली का कोई जवाब नहीं था जो उनके बल्ले और पैड के बीच से विकेटों में समा गई। पारी का पहला छक्का राहुल ने उमेश पर लगाया। उन्होंने निकोलस पूरण (18 गेंदों पर 17) के साथ भी 57 रन की उपयोगी साझेदारी की। पूरण ने दुबे की गेंद पर आसान कैच थमाया। दुबे ने इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल (पांच) को भी आउट किया। इस बीच राहुल का भाग्य ने भी साथ दिया। स्टेन की गेंद पर उन्होंने डीप मिडविकेट पर छक्का लगाने के बाद अगली गेंद पर उसी क्षेत्र में उछाली लेकिन कुशल क्षेत्ररक्षक कोहली ने अपेक्षाकृत आसान कैच टपका दिया। यही नहीं कोहली ने बाद में नवदीप सैनी की गेंद पर भी उनका कैच छोड़ा।

संक्षिप्त समाचार

अंकिता फ्रेंच ओपन क्वालीफायर से बाहर

पेरिस। भारत की अंकिता रैना गुरुवार को यहां दूसरे दौर में जापान की कुरुमी नारा के खिलाफ सीधे सेटों में हार के साथ फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट क्वालीफायर से बाहर हो गईं। भारत की शीर्ष एकल खिलाड़ी अंकिता को दूसरे दौर के मुकाबले में एक घंटे और 21 मिनट में 3-6, 2-6 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। अंकिता ने मैच के बाद कहा कि मुकाबला बुरा नहीं था। मुझे अपनी सर्विस पर मौके मिले लेकिन आज उसने काफी अच्छा रिटर्न किया। अगर मैं उन गेम को जीतने में सफल रहती जो स्थिति अलग हो सकती थी। साथ ही आज काफी हवा भी चल रही थी। अंकिता की हार का मतलब है कि कोई भी भारतीय एकल खिलाड़ी क्ले कोर्ट पर होने वाले इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के एकल मुख्य ड्रॉ में हिस्सा नहीं लेगा। इससे पहले पुरुष एकल क्वालीफायर में सुमित नागल, रामकुमार रामनाथन और प्रजनेश गुणेश्वरन को हार का सामना करना पड़ा था। रोहन बोपन्ना और दिविज शरण अपने अपने साथियों के साथ पुरुष युगल स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे।

बार्सीलोना ने ट्रांसफर पर एटलेटिको मैड्रिड पहुंचे लुईस

मैड्रिड। बार्सीलोना ने बुधवार को कहा कि उसने एटलेटिको मैड्रिड से उरूग्वे के स्ट्राइकर लुईस सुआरेज को ट्रांसफर करने का करार किया है जो 60 लाख यूरो (70 लाख डालर) राशि का है। सुआरेज ने बार्सीलोना के साथ छह सफल सत्र खेले जिसमें उन्होंने 13 खिताब जीते। वह लियोनल मेस्सी (634) और सीजर रोड्रिगेज (232) के बाद बार्सीलोना के तीसरे सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 198 गोल दागे हैं। बार्सीलोना के नए कोच रोनल्ड कोएमैन ने कहा था कि सुआरेज की उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं तो 33 साल के खिलाड़ी को नए क्लब से करार करना था। क्लब ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। क्लब ने कहा कि गुरुवार को सुआरेज एक कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

चार देशों की रग्बी चैंपियनशिप 7 नवंबर से ब्रिसबने में शुरू

ब्रिसबेन। चार देशों की रग्बी चैंपियनशिप सात नवंबर से ब्रिसबेन में शुरू हो रही है जिसमें छह हफ्ते के दौरान छह डबलहेडर मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की संचालन संस्था सानजार (जिसमें आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और अर्जेंटीना शामिल हैं) ने कहा कि गैर आस्ट्रेलियाई सभी टीमों को न्यू साउथ वेल्स और क्वींसलैंड सरकारों द्वारा लगाए गए सभी स्वास्थ्य नियमों का पूरा पालन करना होगा। टूर्नामेंट के दौरान सभी टीमें जैव सुरक्षित बबल में रहेंगी। पृथकवास की शर्तों में थोड़ी छूट के कारण आस्ट्रेलिया ने रग्बी चैंपियनशिप का मेजबानी अधिकार प्राप्त किया। कोविड-19 पाबंदियों को कम करने से न्यू साउथ वेल्स के स्टेडियम में 50 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति दी जा सकती है।

बाक ने टोक्यो खेलों पर जापानी अधिकारियों से बात की

टोक्यो। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थामस बाक ने गुरुवार को टोक्यो ओलंपिक के संबंध में जापानी सरकार के अधिकारियों और स्थानीय आयोजकों के साथ बात की और कहा कि एक साल के लिए स्थगित किए गए खेलों से पहले कोविड-19 के बड़ी संख्या में टीके उपलब्ध हो सकते हैं। बाक स्विट्जरलैंड से जापान में अधिकारियों से बात कर रहे थे। यह टोक्यो खेलों के आयोजन को लेकर दो दिवसीय बैठक का शुरुआती दिन था। आईओसी अध्यक्ष ने कहा कि टूर डि फ्रांस जैसी बड़ी खेल प्रतियोगिताएं सीमित दर्शकों और टीके के बिना आयोजित की गई, जबकि टोक्यो खेलों से पहले टीका या टीके तैयार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीके को लेकर हमारे पास बहुत उत्साहजनक खबर है। बाक ने कहा कि आईओसी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), अन्य विशेषज्ञों और कुछ फार्मास्यूटिकल कंपनियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि उन सभी की सर्वसम्मत राय है कि अगले साल के शुरू तक टीका उपलब्ध हो जाएगा।

आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डीन जोन्स का मुंबई में निधन

एजेंसी। मुंबई

आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डीन जोन्स का मुंबई के होटल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने इसकी पुष्टि की है। जोन्स आईपीएल के लिए स्टार स्पोर्ट्स की कमेंट्री टीम का हिस्सा थे। वह 59 बरस के थे। जोन्स ने आस्ट्रेलिया की ओर से 52 टेस्ट और 164 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह 1987 विश्वकप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे।

स्टार स्पोर्ट्स ने विज्ञप्ति में कहा कि बेहद दुख के साथ हम डीन मर्विन जोन्स एएम के निधन की खबर साझा कर रहे हैं। दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उन्होंने कहा कि हम उनके परिवार के प्रति संवेदना जाहिर करते हैं और इस मुश्किल समय में उनके सहयोग के लिए तैयार हैं। जरूरी इंतजाम करने के लिए हम आस्ट्रेलियाई उच्चायोग के संपर्क में हैं। जोन्स खेल के महान दूतों में से एक थे और वह दक्षिण एशिया में क्रिकेट के विकास से जुड़े रहे।

आईपीएल आगे बढ़ने के साथ धोनी का प्रदर्शन भी बेहतर होगा : फ्लेमिंग

दुबई। चेन्नई सुपरकिंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने गुरुवार को आलोचनाओं से घिरे कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का बचाव करते हुए कहा कि लंबे ब्रेक के बाद बेहतरीन फार्म लाने में थोड़ा समय लगेगा और जैसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) आगे बढ़ेगा, वह भी बेहतर और बेहतर होते जाएंगे।

चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के लिए 217 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। धोनी सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और तब उन्हें 38 गेंद में 103 रन की जरूरत थी। पूर्व भारतीय कप्तान ने 17 गेंद में नाबाद 29 रन बनाए लेकिन टीम 16 रन से हार गई।

पेयर को कोविड-19 पॉजिटिव आने के बावजूद हैम्बर्ग में खेलने की अनुमति दी

एजेंसी। हैम्बर्ग

फ्रांस के टेनिस खिलाड़ी बेनो पेयर का कहना है कि कोरोना वायरस की जांच में दो बार पॉजिटिव पाए जाने के बावजूद उन्हें हैम्बर्ग ओपन में खेलने की अनुमति दी गई। पेयर बुधवार शुरुआती दौर के मैच में रिटायर हो गए जब वह कैस्पर रड से पिछड़ रहे थे और एटीपी टूर ने कहा कि चक्कर आने की वजह से उन्होंने हटने का फैसला किया।

पेयर ने कोविड-19 पॉजिटिव आने के बाद अमेरिकी ओपन से हटने का फैसला किया था और एक हफ्ते से ज्यादा का समय पृथकवास में बिताया। वह पिछले हफ्ते इटालियन ओपन में खेले थे और पहले दौर में हार गए थे। जर्मनी की न्यूज एजेंसी डीपीए के अनुसार पेयर ने कहा कि उन्हें हैम्बर्ग में दो बार कोरोना पॉजिटिव पाया गया जिसके बाद उनका परीक्षण नेगेटिव आया। पेयर ने कहा कि वह निश्चित नहीं हैं कि वह रविवार से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में खेलेंगे या नहीं और अगर उन्हें इसमें भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाती है तो वह अपना सत्र जल्दी समाप्त कर देंगे। एटीपी और स्थानीय आयोजकों ने पेयर को खेलने देने के फैसले का बचाव किया। एटीपी ने कहा कि पेयर को एटीपी प्रोटोकॉल और स्थानीय स्वास्थ्य नियमों के अनुसार ही टूर्नामेंट में भाग लेने की मंजूरी दी गई। हैम्बर्ग ओपन ने बयान में कहा कि टूर्नामेंट के डाक्टर वोल्कर कारेरो के अनुसार पॉजिटिव नतीजा आने के तीन हफ्तों बाद भी वायरस शरीर के अंदर पाया जा सकता है, यह असामान्य नहीं है। इसके मुताबिक, पेयर को बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं और वह संक्रमित नहीं कर सकते हैं। हैम्बर्ग में स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को फैसला किया कि पेयर को खेलने की अनुमति दी जाए।

महज एक मैच के बाद कमिंस की आलोचना करना अनुचित : कार्तिक

एजेंसी। अबुधाबी

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान दिनेश कार्तिक ने कहा कि महज एक खराब प्रदर्शन के बाद उनके मुख्य तेज गेंदबाज पैट कमिंस की आलोचना किया जाना अनुचित है क्योंकि वह अपना पृथकवास पूरा करने के बाद सीधा ही खेले थे। सभी की निगाहें कमिंस पर लगी थीं जो विदेशी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा राशि में खरीदे गए थे, लेकिन मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दी और तीन ओवर में 49 रन जुटा लिए। इससे केकेआर को बुधवार को 49 रन से हार का सामना करना पड़ा।

कार्तिक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कमिंस की अभी आलोचना करना अनुचित है। वह अभी पृथकवास से निकला है और साढ़े तीन-चार बजे के करीब ही उसे मैच में खेलने की अनुमति मिली। उसके टीम में होने से हम खुश हैं और मुझे नहीं लगता कि इस मैच में हमें उसकी बिलकुल भी आलोचना करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह विश्व चैंपियन गेंदबाज है, मैंने जो कुछ भी सुना है और देखा है कि वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। मुझे उस पर भरोसा है और मुझे पूरा भरोसा है कि वह अच्छा करेगा। कार्तिक ने युवा खिलाड़ी शिवम मावी के प्रदर्शन की भी तारीफ की जिन्होंने रोहित और क्विंटन डि कॉक के विकेट लिए। मुंबई इंडियंस के सूर्य कुमार यादव तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे जिन्होंने 28 गेंद में 47 रन की पारी खेली और टीम की जीत के सूत्रधारों में एक रहे। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें पारी का आगाज करने में परेशानी नहीं होगी।

इन परिस्थितियों में लंबी पारी खेलने में मुश्किल हुई : रोहित

एजेंसी। अबुधाबी

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि संयुक्त अरब अमीरात की परिस्थितियों में लंबे समय तक बल्लेबाजी करने में मुश्किल हो रही थी इसलिए उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच विजई पारी खेलने के बाद थोड़ी थकान महसूस हुई। कप्तान रोहित ने 54 गेंद में 80 रन की पारी खेलकर गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे मैच में 49 रन से जीत दिलाई।

रोहित ने मैच के बाद कहा कि यहां लंबी पारियां खेलना आसान नहीं है। इन परिस्थितियों में खेलने में काफी मुश्किल होती है। अंत में शायद मैं थोड़ा थका था और हमारे लिए यह सबक था कि क्रीज पर जमे हुए बल्लेबाजों को अंत तक बल्लेबाजी करने की जरूरत होती है। रोहित ने कहा कि हमने ऐसा बीते समय में देखा है और मैंने ऐसा ही करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि गर्मी और उमस से काफी मुश्किल हो रही थी, लेकिन छह महीने के ब्रेक के बाद जहां तक संभव हो लंबे समय तक बल्लेबाजी करना जरूरी था। उन्होंने कहा कि मैंने पिछले छह महीने से ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला था और मैं क्रीज पर कुछ समय बिताना चाहता था। पहले मैच में मैं अच्छा नहीं खेल पाया लेकिन खुशी है कि आज मैंने ऐसा किया। रोहित ने क्रीज पर पुल शॉट काफी शानदार तरीके से खेले और दो छक्के भी जमाए। उन्होंने कहा कि मैंने पुल शॉट खेलने का अच्छा अभ्यास किया था। अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश हूं। मेरे सभी शॉट बहुत अच्छे थे इसलिए यह नहीं कह सकता कि मेरा कौन सा शॉट सबसे अच्छा था। अपने गेंदबाजी आक्रमण के बारे में बात करते हुए रोहित ने कहा कि यह मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम को दिमाग में रखकर ही रखा गया था। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता था कि आईपीएल यूएई में होगा इसलिए हम वानखेड़े स्टेडियम के लिए मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण चाहते थे। लेकिन यहां भी पहले छह ओवरों में गेंद अच्छी सीम ले रही थी। उन्होंने कहा कि हम ट्रेंट बोल्ट और जेम्स पैटिनसन के साथ ज्यादा नहीं खेले हैं लेकिन यह अच्छा रहा कि हमारा तालमेल एक समान था।

बल्लेबाजी-गेंदबाजी दोनों में सुधार की जरूरत

केकेआर के कप्तान दिनेश कार्तिक ने कहा कि उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में सुधार की जरूरत है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना भी आसान नहीं था। कार्तिक ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें सुधार की जरूरत है। ईमानदारी से कहूं तो आज हम लय में नहीं थे। मैं इसका बहुत अधिक विश्लेषण नहीं करना चाहता हूं। खिलाड़ी जानते हैं कि वे कहां बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे दो खिलाड़ियों (पैट) कमिन्स और (इयोन) मोर्गन ने आज ही अपना पृथकवास पूरा किया था। यहां की गर्मी में खेलना और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना आसान नहीं है।

फेस योग

बरकरार रखें चेहरे की मुस्कान और निखार

अपने चेहरे की सुंदरता बनाए रखने के लिए महंगे- महंगे प्रोडक्ट नहीं बल्कि योग जरूरी है। फेस योग के बारे में हर कोई नहीं जानता। प्राकृतिक सुंदरता बनाए रखने के लिए योग बेहद कारगर उपाय है। इससे चेहरे को सही रूप भी दिया जा सकता है। इसके लिए आपको बस रोज थोड़ा सा समय निकालना होगा। फेस योग से रक्त संचार सही तरीके से होता है। इससे मांसपेशियां भी सुदृढ़ होती हैं।

आई फोकस योग

अपनी आइब्रो को बेहतर बनाने के लिए ये योग बेहद कारगर है। इसे करने के लिए जितना हो सके उतना अपनी आंखों को चौड़ाएं। अब थोड़ी दूरी पर रखी किसी भी वस्तु को 10 सेकेंड तक फोकस करें। ऐसा करीब 4 से 5 बार करें। कुछ दिनों बाद असर दिखने लगेगा।

फेस योग के बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। ऐसे में आई फोकस योग, स्किन टाइट योग, माउथवॉश योग, मछली योग आदि के बारे में पता होना बेहद जरूरी है।

स्किन टाइट योग

इस योगासन का काम आपकी ठुड्डी, गर्दन और जबड़े की मांसपेशियों को सुदृढ़ बनाना है। इसके अलावा चेहरे पर कसाव और झुरियों को दूर करता है। इसे करने के लिए अपनी गर्दन को घड़ी की सुई की तरह घुमाएं। कुछ देर तक ऐसा करते रहें फिर आराम अवस्था में बैठ जाएं।

चिन लिफ्ट योग

यदि आपको डबल चिन से परेशानी है, तो आप इस योग को कर सकते हैं। इस योग से गर्दन और जबड़े पर भी स्ट्रेच पड़ता है। इसे करने के लिए सबसे पहले आपको ऊपर की तरफ देखना होगा अब अपने होठों को चुमने वाली पॉजिशन में ले आएं और कुछ समय तक ऐसे ही रहें।

माउथवॉश योग

इस योग से काफी हद तक डबल चिन की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इस योग को करने के लिए आपको अपने मुंह में हवा भरनी होगी और भीतर से उस हवा को एक गाल से दूसरे गाल पर टच करवाना होगा। ऐसा कम से कम 5 से 6 बार करें। इससे आपके गालों की चर्बी भी दूर होती है।

मछली योग

इस योग से गालों की मांसपेशियों को मजबूती दी जाती है। साथ ही वे मुलायम भी बनी रहती हैं। इसके लिए आपको अपने गालों को अंदर की तरफ खींचना होगा और अपने मुंह का आकार मछली की तरह बनाना होगा। थोड़ी देर तक ऐसा ही करें।

जीभ योग

इस योग से आपके जबड़े की शेप अच्छी बनती है। इस योग में आप अपने मुंह से जीभ को बाहर निकालें और थोड़ी देर तक ऐसे ही रखें। ऐसा करने के बाद अपने मुंह को खोले और गर्दन व गले को ऊपर की तरफ खींचे। ऐसा करने से कुछ समय बाद ही असर दिखेगा।

व्यायाम करने से स्वास्थ्य ही नहीं, स्किन को भी होते हैं लाभ

एक्सरसाइज एक्ने से छुटकारा दिलाने में भी मददगार है। दरअसल, जब आप व्यायाम करती हैं तो आपकी त्वचा से काफी पसीना निकलता है। इस तरह पसीना निकलने से बॉडी से टॉक्सिन निकलते हैं। यह क्लॉग पोर्स को क्लीन करता है और स्किन की गंदगी को दूर करने के साथ-साथ बैक्टीरिया से भी निजात दिलाता है।

चुस्त और तंदुरूस्त रहने के लिए व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। जब आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो इससे न सिर्फ आपका स्टेमिना बढ़ता है, बल्कि इससे वजन भी नियंत्रित होता है। साथ ही आप कई तरह की बीमारियों से बेहद आसानी से बच जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि व्यायाम करने से सिर्फ आपकी सेहत ही नहीं, स्किन को भी कई सारे लाभ होते हैं। इसलिए नेचुरली ग्लोइंग और बेदाग त्वचा पाने के लिए आप व्यायाम का सहारा ले सकते हैं।

मिलता है ग्लो

स्किन केयर एक्सपर्ट का मानना है कि व्यायाम करने से आपका रक्त परिसंचरण बेहतर होता है। दरअसल, जब आप व्यायाम करते हैं, तो आपकी हृदय गति बढ़ जाती है जिससे रक्त प्रवाह बढ़ जाता है। यह बढ़ा हुआ रक्त प्रवाह आपकी त्वचा को आवश्यक विटामिन, पोषक तत्व, खनिज और ऑक्सीजन की आवश्यक खुराक प्राप्त करने में मदद करता है, जिससे आपकी त्वचा बेहद निखरी व खूबसूरत दिखती है।

रिंकल्स को कह दें अलविदा

सुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन एक्सरसाइज आपकी स्किन को यूथफुल बनाती है। अगर आप बेहद तनावग्रस्त हैं तो आपको नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए। स्किन केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि नियमित व्यायाम एंडोर्फिन का उत्पादन करता है। इससे न सिर्फ आपका तनाव दूर होता है, बल्कि झुर्रियों को भी अलविदा कह सकती हैं। तनाव हार्मोन त्वचा के कोलेजन और इलास्टिन के स्तर को नुकसान पहुंचाने के लिए जाना जाता है। लेकिन जब आपका तनावा दूर होता है तो नो सैगी स्किन, नो फाइन लाइंस और न ही रिंकल्स।

एक्ने से छुटकारा

स्किन केयर एक्सपर्ट की मानें तो एक्सरसाइज एक्ने से छुटकारा दिलाने में भी मददगार है। दरअसल, जब आप व्यायाम करती हैं तो आपकी त्वचा से काफी पसीना निकलता है। इस तरह पसीना निकलने से बॉडी से टॉक्सिन निकलते हैं। यह क्लॉग पोर्स को क्लीन करता है और स्किन की गंदगी को दूर करने के साथ-साथ बैक्टीरिया से भी निजात दिलाता है। ऐसे में क्लीयर स्किन पाने के लिए आपको एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।

निखरी त्वचा की चाहत को पूरा करेंगे ये टिप्स

मॉइश्चराइजर का करेंगी ऐसे इस्तेमाल तो स्किन को मिलेगा पूरा लाभ

जब स्किन केयर की बात होती है, तो इसमें मॉइश्चराइजर का नाम जरूर लिया जाता है। यह आपकी स्किन की केयर का एक बेहद ही बेसिक स्टेप है। आमतौर पर, महिलाएं स्किन मॉइश्चराइजिंग को बेहद हल्के में लेती हैं। उन्हें लगता है कि बस यूं ही मॉइश्चराइजर को स्किन पर लगा लिया और बस हो गया। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। मॉइश्चराइजर को लगाने का भी एक तरीका होता है और अगर आप मॉइश्चराइजर को लगाते समय कुछ बातों का ध्यान रखती हैं, तो इससे आपको मैक्सिमम बेनिफिट होगा।

मात्रा का रखें ध्यान

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि जब आप स्किन पर मॉइश्चराइजर अप्लाई कर रही हैं, तो आपको उसकी क्वाटिंटी का पूरा ध्यान रखना चाहिए। जरूरत से ज्यादा प्रॉडक्ट आपकी स्किन को ऑयली बना सकता है। उत्पाद की अगर सही मात्रा हो तो इससे आपकी स्किन को सही मॉइश्चर मिलता है। चेहरे के लिए एक बादाम के आकार का हिस्सा और चेहरे और गर्दन के लिए एक सिक्के का आकार की मात्रा पर्याप्त है।

समय भी है महत्वपूर्ण

सुनने में आपको शायद अजीब लगे, लेकिन स्किन को मॉइश्चराइज करते हुए आपको समय पर भी जरूर ध्यान देना चाहिए। स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि स्किन को वॉश करने के बाद आपको चेहरे पर मॉइश्चराइजर अप्लाई करना चाहिए। नम त्वचा में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करने से उसे अवशोषित करने में अधिक मदद मिलती है।

लगाने का सही तरीका

बहुत सी महिलाओं को इस बारे में पता नहीं होता, लेकिन स्किन पर मॉइश्चराइजर अप्लाई करने का भी एक तरीका होता है। स्किन केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि अधिकतर महिलाओं को मॉइश्चराइजर अप्लाई करने के बाद उसका पूरा लाभ इसलिए नहीं मिल पाता, क्योंकि उनका मॉइश्चराइजर लगाने का तरीका गलत होता है। अब आप सोच रही होंगी कि मॉइश्चराइजर को सही तरीके से किस तरह लगाया जाए। इसके लिए पहले आप मॉइश्चराइजर को कुछ मात्रा में पहले अपनी हथेली पर लें और फिर हल्का सा रब करें। इसके बाद आप चेहरे पर इसे थपथपाते हुए लगाएं और सर्कुलर मोशन में हल्के से मसाज करें। इस तरह से मॉइश्चराइजर लगाने से न सिर्फ प्रॉडक्ट समान मात्रा में आपके फेस पर लगता है, बल्कि आपका ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है।

जब आप स्किन पर मॉइश्चराइजर अप्लाई कर रही हैं तो आपको उसकी क्वाटिंटी का पूरा ध्यान रखना चाहिए। जरूरत से ज्यादा प्रॉडक्ट आपकी स्किन को ऑयली बना सकता है। उत्पाद की अगर सही मात्रा हो, तो इससे आपकी स्किन को सही मॉइश्चर मिलता है।

हर महिला अपनी स्किन को लेकर बहुत संसेटिव होती हैं और इसके निखार के लिए कई जतन भी करती हैं। कई महिलाएं तो हर दम किसी न किसी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती रहती हैं, जिससे त्वचा की दमक बने और खूबसूरती निखर कर बाहर आए। लेकिन इससे पैसों की बर्बादी के अलावा कुछ नहीं होता हैं। असली खूबसूरती आती हैं प्राकृतिक रूप से। ऐसे में आपको जरूरत होती हैं अपनी लाइफस्टाइल में कुछ चीजों में बदलाव करते हुए अच्छी आदतें अपनाने की जो प्राकृतिक रूप से त्वचा की चमक को बढ़ाने का काम करें।

एलोवेरा जैल का करें इस्तेमाल

महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से अच्छा है कि आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। प्राकृतिक गुणों से भरा एलोवेरा आपके चेहरे की रंगत सुधारने में मदद करता है। इसलिए सप्ताह में दो से तीन बार एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें, ये आपकी स्किन को हाइड्रेट करेगा और चेहरे की रंगत सुधारेगा।

सनस्क्रीन लगाकर निकलें बाहर

गर्मी के दिनों में घर से सनस्क्रीन लगाकर घर से बाहर निकलें। ये आपको सूरज से आने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा और आपके स्किन टोन को बनाए रखने में मदद करेगा।

दिन में पिएं इतना पानी

आपने पहले भी कई बार पर्याप्त पानी पीने के महत्व के बारे में पढ़ा होगा। बहुत से लोग इस बात पर अमल करते हैं तो बहुत से लोग इस बात को वहम मानते हैं। लेकिन जब बात स्किन को लेकर आती है तो पर्याप्त मात्रा में पानी पीना आपके लिए बहुत जरूरी है। दिन में 3 से 4 लीटर पानी पीना आपके स्किन टोन को बेहतर बना सकता है। पानी आपकी स्किन को अंदर से हाइड्रेट करता है और आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है। इसलिए दिन में 3 से 4 लीटर पानी जरूर पिएं।

प्रोटीन शेक पिएं

दिन में एक बार प्रोटीन शेक बनाकर जरूर पिएं। प्रोटीन शेक बनाने के लिए 2 चम्मच वेट प्रोटीन के साथ 2 चम्मच पीनट बटर, 500 एमएल दूध, एक केला और 20 ग्राम ओट्स का इस्तेमाल करें। महीने भर तक इस शेक का इस्तेमाल आपके शरीर में प्रोटीन की मात्रा पूरी करेगा और आपके स्किन टोन को सुधारने में मदद करेगा।

महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से अच्छा है कि आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। प्राकृतिक गुणों से भरा एलोवेरा आपके चेहरे की रंगत सुधारने में मदद करता है।

डाइट में शामिल करें सब्जियां और फल

साफ और निखरी त्वचा पाने के लिए डाइट में हेल्दी चीजें शामिल करना बहुत जरूरी है। इसलिए हो सके तो अपनी डाइट में अधिक से अधिक सब्जियों, फलों और सलाद को शामिल करें। ये सभी चीजें आपकी बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को दूर करेंगे और आपकी स्किन को अंदर से हील करने में मदद करेंगे।

फ्रूट जूस पिएं

फलों के शौकीन लोग सप्ताह में चार बार तक फ्रूट जूस का सेवन कर शरीर में पौष्टिक तत्वों की कमी को पूरा कर सकते हैं। ये पौष्टिक तत्व आपके चेहरे की रंगत सुधारने में मदद करते हैं।

रोजाना मल्टीविटामिन लें

मौजूद वक्त में तमाम ऐसी चीजें हैं, जिसके कारण हमारे शरीर में विटामिन और मिनरल्स की कमी हो जाती है। इस कमी को दूर करने के लिए जरूरी है कि मल्टीविटामिन्स का सेवन किया जाए। मल्टीविटामिन की कमी के कारण हमारे चेहरे की रंगत उड़ जाती है और अपनी स्किन टोन को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है कि आप रोजाना मल्टीविटामिन लें।

ज्यादा से ज्यादा बेरी खाएं

जितना हो सके उतनी बेरी खाएं, क्योंकि यह शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है। आप अपनी पसंद के हिसाब से ब्लूबेरी, क्रैनबेरी, रास्पबेरी, आदि का सेवन कर सकते हैं। ये आपके स्किन टोन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

बेकिंग सोडे के इस्तेमाल से पाएं गोरी और निखरी त्वचा

टमाटर में अनेक प्रकार के एंटी ऑक्सीडेंट्स और नेचुरल ब्लीचिंग एजेंट होते है, जो स्किन को चमकदार बनाए रखने के लिए सबसे अच्छा होता है। इसके लिए एक टेबलस्पून बेकिंग सोडा में टमाटर का जूस मिला लें। फिर इस पेस्ट को पूरे स्किन पर लगा लें, जब यह सूख जा, तो धो लें।

त्वचा की सुंदरता को बढ़ाने के लिए कई घरेलू चीजों का इस्तेमाल किया जाता हैं, जिनमें से एक हैं बेकिंग सोडा। त्वचा का PH लेवल बनाए रखने में बेकिंग सोड़ा बहुत महत्व रखता हैं। लेकिन इसी के साथ ही त्वचा को नर्म-मुलायम बनाने एवं गोरी और निखरी त्वचा पाने में भी यह काफी मददगार साबित होता हैं।

बेकिंग सोडा, कॉर्नफ्लोर और हल्दी : इसके लिए एक टेबलस्पून बेकिंग सोडा में एक टेबलस्पून कॉर्नफ्लोर और हल्दी मिला लें, फिर इसमें चार टेबलस्पून रोज वॉटर और नींबू का रस मिला लें। इस फेस पैक को स्किन पर लगाए और बीस से तीस मिनट के लिए सूखने के लिए छोड़ दें। जब यह सूख जाए, तब धो लें। यह पेस्ट स्किन वाइटेनिंग के साथ-साथ एक्ने, स्कार्स और स्किन डलनेस के लिए भी उपयोगी है।

बेकिंग सोडा और टमाटर का जूस : टमाटर में अनेक प्रकार के एंटी ऑक्सीडेंट्स और नेचुरल ब्लीचिंग एजेंट होते है, जो स्किन को चमकदार बनाए रखने के लिए सबसे अच्छा होता है। इसके लिए एक टेबलस्पून बेकिंग सोडा में टमाटर का जूस मिला लें। फिर इस पेस्ट को पूरे स्किन पर लगा लें, जब यह सूख जा, तो धो लें। यह स्किन वाइटेनिंग के साथ-साथ डेड सेल्स को भी रिमूव करने में मदद करता है।

बेकिंग सोडा और रोज वॉटर : यह सबसे आसान तरीका है स्किन वाइटेनिंग और अन इवन स्किन टोन के लिए। इसके लिए दो भाग बेकिंग सोडा को एक भाग गुलाबजल में मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को त्वचा पर 5-10 मिनट तक रगड़े और इसे सूखने के लिए छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। इस पेस्ट को हर हफ्ते 2-3 बार लगाएं।

बेकिंग सोडा और एप्पल साइडर विनेगर : इसके लिए दो टेबलस्पून बेकिंग सोडा में तीन टेबलस्पून विनेगर को अच्छे से मिला लें। इस पेस्ट को फिर अपने चेहरे के डार्क एरिया पर लगाए और अच्छे से मसाज करे। यह स्किन को एक्सफोलिएट करने में भी मदद करता है। जब यह पेस्ट सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धो लें। स्किन वाइटेनिंग के लिए बेकिंग सोडा और एप्पल साइडर विनेगर के इस पेस्ट को हफ्ते में दो बार लगाएं। यह त्वचा को निखारने के साथ ही डेड स्किन सेल्स को भी निकालने में मदद करता है। आप इस पेस्ट मे नींबू का रस भी मिला सकते है।

बेकिंग सोडा, नींबू का रस और नारियल तेलः नींबू का रस स्किन के लिए काफी अच्छा होता है। नींबू के रस में मौजूद विटामिन सी बेकिंग सोडा के साथ मिलकर स्किन वाइटेनिंग एजेंट की तरह काम करता है। यह ड्राई स्किन के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद है। इसके लिए एक टेबलस्पून बेकिंग सोडे में एक चौथाई टेबलस्पून नारियल तेल और तीन-चार बूंद नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। अगर आपकी स्किन थोड़ी सेंसटिव है, तो आप इसमें कुछ बूंद टी ट्री ऑयल भी मिला सकते है। फिर स्किन पर इस पेस्ट से अच्छी तरह से मसाज करें। पांच-दस मिनट बाद धो लें। यह स्किन वाइटेनिंग के साथ-साथ पिगमेंटेशन और स्किन पोर्स के लिए काफी अच्छा होता है।